● वर्ष : 17 ● अंक : 98 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

रविवार 25 जनवरी 2026

पीएम ने रोजगार मेले में 61 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंप कर कहा, यह राष्ट्र निर्माण का निमंत्रण

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को 18वें रोजगार मेले में विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में चयनित 61 हजार से अधिक युवाओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि नया साल युवाओं के जीवन में खुशियों का नया अध्याय लेकर आया है। यह नियुक्ति पत्र केवल नौकरी का दस्तावेज नहीं बल्कि विकसित भारत के निर्माण के लिए एक 'संकल्प पत्र' है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज देश के 61 हजार से अधिक युवा अपने जीवन की नई शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की सेवा में शामिल होना, राष्ट्रसेवा और संविधान के प्रति जिम्मेदारियों को निभाने का अवसर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह समय युवाओं को संविधान से जुड़ने और अपने कर्तव्यों को समझने का है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में जनवरी माह के राष्ट्रीय महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि देश इस समय गणतंत्र पर्व के वातावरण में है। 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर पराक्रम दिवस मनाया गया, 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस है। उन्होंने बताया कि इसी कालखंड में 'जन गण मन' को राष्ट्रगान और 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत के रूप में स्वीकार किया गया था, जिससे इस दिन का महत्व और बढ़ जाता है। मोदी ने कहा कि रोजगार मेला बीते वर्षों में एक संस्था के रूप में स्थापित हो चुका है। इसके माध्यम से लाखों युवाओं को केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में नियुक्ति मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को कौशल से जोड़ना और उन्हें रोजगार व स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता रही है, इसी उद्देश्य से मिशन मोड में रोजगार मेले की शुरुआत की गई थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। सरकार का निरंतर प्रयास है कि देश और विदेश दोनों जगह भारतीय युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हों। उन्होंने बताया कि भारत सरकार कई देशों के साथ ट्रेड और मोबिलिटी एग्रीमेंट कर रही है, जिससे भारतीय युवाओं के लिए वैश्विक स्तर पर रोजगार और पेशेवर अवसर बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में भारत ने आधुनिक बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व निवेश किया है। सड़क, रेल, हवाई अड्डे, बंदरगाह और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में हुए विकास से निर्माण और उससे जुड़े हर सेक्टर में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत एकमात्र प्रमुख अर्थव्यवस्था है, जिसने एक दशक में अपना सकल घरेलू उत्पाद दोगुना किया है और आज सौ से अधिक देश भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर सवार हो चुका है, जिसका लक्ष्य जीवन और व्यवसाय दोनों को आसान बनाना है। उन्होंने कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों से हर वर्ग को लाभ मिला है। इन सुधारों ने व्यापार में पारदर्शिता बढ़ाई है और रोजगार सृजन को गति दी है। महिलाओं की भागीदारी पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज बड़ी संख्या में महिलाएं निदेशक, संस्थापक और नेतृत्वकर्ता की भूमिका में हैं। सहकारिता क्षेत्र, स्वयं सहायता समूहों और गांवों में महिलाएं नेतृत्व कर रही हैं। उन्होंने बताया कि पिछले 11 वर्षों में देश की कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी लगभग दोगुनी हो गई है। मुद्रा योजना और स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाओं से महिलाओं को विशेष लाभ मिला है और महिलाओं के स्वरोजगार में करीब 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकारी कंपनियों और संस्थानों के विकास में नव-नियुक्त युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर राज्यवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और विरासत की समृद्धि में उत्तर प्रदेश का योगदान अमूल्य रहा है और यह प्रदेश देश की प्रगति में अहम भूमिका निभाता रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए संदेश में कहा कि डबल इंजन सरकार और विकास को समर्पित प्रदेशवासियों की सक्रिय सहभागिता से उत्तर प्रदेश ने बीते नौ वर्षों में "बीमारू" राज्य से "बेमिसाल" प्रदेश बनने तक का सफर तय किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भी देश की प्रगति को गति देने में उत्तर प्रदेश की सामर्थ्य बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, परंपराएं और यहां के मेहनती लोग भारत की पहचान को और मजबूत करते हैं।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

न्यायपालिका की विश्वसनीयता में कमी क्यों

पिछले एक दशक में भारतीय न्यायपालिका की भूमिका को लेकर लगातार गंभीर सवाल उठ रहे हैं। संविधान ने न्यायपालिका को लोकतंत्र का प्रहरी बनाकर सर्वोच्च स्थान दिया है। कार्यपालिका और विधायिका पर न्यायपालिका का संवैधानिक नियंत्रण, नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण, कानून और नियमों का राज, सभी के लिए समान अवसर यह सुनिश्चित करना न्यायपालिका की जिम्मेदारी है। संवैधानिक संस्थाएँ अपने दायित्व का सही ढंग से निर्बाह कर रही हैं, या नहीं। इस पर नियंत्रण रखने की मूल जिम्मेदारी न्यायपालिका की है। गणतंत्र के 76वें वर्ष में खड़े होकर जब हम देखते हैं, तो वर्तमान की तस्वीर पहले जैसी स्पष्ट और भरोसेमंद नजर नहीं आती है। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका मे भ्रष्टाचार बढ़ा है। जिस तरह के निर्णय आ रहे हैं, और टिप्पणियां हो रही हैं, उसको लेकर न्यायपालिका के ऊपर नागरिकों का दिन प्रतिदिन विश्वास घटता चला जा रहा है।

बीते वर्षों में कई ऐसी घटनाएँ सामने आई हैं, जिसने न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। न्यायाधीशों की नियुक्ति मे कॉलेजियम बनाम सरकार का टकराव, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जजों की ऐतिहासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस, सुप्रीम कोर्ट में मनमाने तरीके से न्यायाधीशों की बेंच में मामलों की सुनवाई संवैधानिक पीठों के गठन में देरी, महत्वपूर्ण याचिकाओं को वर्षों तक लंबित रखना, राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों की सुनवाई वर्षों तक लंबित रखने, आधे-अधूरे निर्णय देना, आदेश के स्थान पर टिप्पणियां करना। यह सब इस बात का संकेत देते हैं। न्यायिक व्यवस्था में विचारधारा सरकार का दबाव और भेदभावपूर्ण निर्णय देने का चलन बढ़ा है। सरकार मनमाने निर्णय ले रही है। न्यायपालिका कई मामलों में अपेक्षित निर्णय नहीं ले रही है। न्यायपालिका सरकार के प्रति वह कठोरता नहीं दिखा रही, जो संविधान और कानून नियम के अनुसार जरूरी है।

नागरिकता कानून, अनुच्छेद 370, चुनावी बांड, जांच एजेंसियों की मनमानी कार्यवाही, नागरिकों की धार्मिक राजनीतिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे विषयों पर न्यायिक सक्रियता की धीमी गति ने न्यायपालिका के प्रति नागरिकों के विश्वास को कमजोर किया है। नागरिकों की यह धारणा बनने लगी है, न्यायपालिका पर कार्यपालिका का दबाव बढ़ गया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के मनमाने तरीके से ट्रांसफर किए जा रहे हैं। फैसलों को लेकर सरकार का अप्रत्यक्ष दबाव बढ़ता जा रहा है। जिसके कारण हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से अब लोगों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। सबसे चिंताजनक आरोप न्यायपालिका पर यह लग रहा है, कि अब "अमीरों के लिए अलग न्याय और गरीबों के लिए अलग न्याय" की स्थिति बनती जा रही है। जमानत के मामलों में असमानता, धार्मिक आधार पर भेदभावपूर्ण फैसले, वर्षों से जेलों में बंद विचाराधीन कैदी, प्रभावशाली आरोपियों को त्वरित राहत मिलने, चुनाव आयुक्त की नियुक्ति, एसआईआर मामले की सुनवाई में तारीख पर तारीख के बीच बिहार विधानसभा के चुनाव हो जाना, इस तरह के सैकड़ों मामले सामने आ चुके हैं।

सैयद जकी हैदर | सम्पादक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

कड़ाके की ठंड में रुस ने यूक्रेन के दो शहरों पर किया बड़ा हमला

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव और दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में शनिवार तड़के रूस के बड़े हवाई हमले हुए। अधिकारियों के मुताबिक ड्रोन और मिसाइलों से किए गए इन हमलों में कम से कम 13 लोग घायल हुए हैं। दो लोगों की हालत गंभीर है, जबकि खारकीव में 11 लोग घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कीव के मेयर ने कहा है कि कीव के कई हिस्सों में जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं। उन्होंने बताया कि शहर के दो अलग-अलग जिलों में हमले हुए, जो नीपर नदी के दोनों किनारों पर स्थित हैं। उन्होंने कहा कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। रिपोर्ट में यूक्रेन की वायुसेना के मुताबिक इस हमले में रूस ने ड्रोन और मिसाइल दोनों का इस्तेमाल किया। कीव पर 100 से ज्यादा ड्रोन से हमले किए। कीव सैन्य प्रशासन के प्रमुख ने बताया कि कम से कम तीन जिलों में ड्रोन हमले दर्ज किए गए, जिनसे दो जगहों पर आग लग गई। नए साल के बाद से यह कीव पर दूसरा बड़ा हमला है। इन हमलों के कारण सैकड़ों रिहायशी इमारतों में बिजली और हीटिंग सप्लाई बाधित हो गई है। आपातकालीन सेवाएं अब भी हालात सामान्य करने में जुटी हैं। चिंता की बात यह है कि हमले के वक्त तापमान माइनस 13 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था, जिससे आम नागरिकों की मुश्किलें और बढ़ गईं।

बांग्लादेश चुनावः जमात-ए-इस्लामी की तरफ अमेरिकी झुकाव ने बढ़ाई भारत की चिंता

ढाका। बांग्लादेश में 12 फरवरी, 2026 को होने वाले आम चुनावों से ठीक पहले दक्षिण एशिया की भू-राजनीति में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। अमेरिका की विदेश नीति में आए इस बदलाव ने न केवल बांग्लादेश की राजनीति, बल्कि भारत के सुरक्षा हितों को भी चर्चा के केंद्र में ला दिया है। अमेरिका अब बांग्लादेश की सबसे प्रमुख और विवादित इस्लामी पार्टी, जमात-ए-इस्लामी के साथ सीधे संवाद और जुड़ाव के संकेत दे रहा है। हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के अनुसार, ढाका में तैनात एक वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक ने स्थानीय पत्रकारों के साथ गुप्त बैठक में स्वीकार किया कि बांग्लादेश अब इस्लामिक विचारधारा की ओर झुक चुका है। राजनयिक ने पत्रकारों को सुझाव दिया कि वे जमात की छात्र शाखा, इस्लामी छात्र शिविर के सदस्यों को मुख्यधारा के मीडिया कार्यक्रमों में स्थान दें। अमेरिका का मानना है कि जमात अब एक ऐसी राजनीतिक शक्ति बन चुकी है जिसे नजरअंदाज करना असंभव है। हालांकि, अमेरिकी दूतावास ने इसे एक नियमित संवाद बताया है, लेकिन राजनयिकों के इस रवैये से स्पष्ट है कि वॉशिंगटन अब जमात को एक वैध राजनीतिक हितधारक मान रहा है। अगस्त 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने और उनके भारत जाने के बाद से जमात-ए-इस्लामी की लोकप्रियता में भारी उछाल आया है।

जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर गृह मंत्री अमित शाह सहित अन्य नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी। नई दिल्ली

सामाजिक न्याय के पुरोधा, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और 'भारत रत्न' से सम्मानित जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर गृह मंत्री अमित शाह, विभिन्न राजनीतिक नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके योगदान को याद किया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कर्पूरी ठाकुर को सामाजिक न्याय का अनुकरणीय आदर्श बताते हुए कहा कि उन्होंने वंचितों, पिछड़ों, महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था कर सामाजिक समानता की मजबूत नींव रखी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर ने दलितों और वंचितों के उत्थान के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनके विचार और कार्य आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करते रहेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उन्हें सामाजिक न्याय का सशक्त हस्ताक्षर बताते हुए कहा कि कर्पूरी ठाकुर ने आजीवन गरीब और पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए कार्य किया। सामाजिक समरसता के क्षेत्र में उनका योगदान देश हमेशा याद रखेगा। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि वंचित और पिछड़े वर्गों को सामाजिक एवं राजनीतिक मुख्यधारा से जोड़ने के उनके प्रयासों ने भारतीय लोकतंत्र को नई दिशा और गहराई दी। उनका सार्वजनिक जीवन सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी कर्पूरी ठाकुर को नमन करते हुए कहा कि पिछड़े और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए उनका संघर्ष और सामाजिक न्याय के लिए उनका नेतृत्व देश को लगातार मार्गदर्शन देता रहेगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर ने पिछड़े और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा और उनके उत्थान के लिए आजीवन कार्य किया।

हिट हुआ भारत का चुनावी मॉडल, अब दुनिया के कई देश कराएंगे एसआईआर

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को और अधिक पारदर्शी और सटीक बनाने की दिशा में भारत के चुनावी नवाचारों ने वैश्विक स्तर पर अपनी छाप छोड़ी है। अब मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य केवल भारत तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि दुनिया के अधिकांश लोकतांत्रिक देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) ने भी अपने यहां मतदाता सूची के शुद्धीकरण के लिए इसी पद्धति को अपनाने पर बल दिया है। भारत मंडपम में आयोजित 'लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन'पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईआईसीडीईएम-2026) के समापन पर यह महत्वपूर्ण सहमति बनी। इस सम्मेलन में 42 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों और 27 देशों के मिशन प्रमुखों ने भाग लिया। सभी प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से अपने देशों में मतदाता सूची को त्रुटिहीन बनाने और हर मतदाता को फोटो पहचान पत्र उपलब्ध कराने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। सम्मेलन के अंतिम दिन 'दिल्ली घोषणा 2026' को साझा किया गया। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने घोषणा पत्र के पांच प्रमुख स्तंभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी प्रतिभागी देश अब पांच क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे- मतदाता सूची की शुद्धता, चुनाव संचालन, अनुसंधान एवं प्रकाशन, प्रौद्योगिकी का उन्नत उपयोग और प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने स्पष्ट किया कि कानून के अनुसार तैयार की गई एक शुद्ध मतदाता सूची ही किसी भी लोकतंत्र की असली नींव होती है। उन्होंने जोर दिया कि चुनाव प्रबंधन निकायों को पारदर्शी चुनावों के लिए सभी मतदाताओं को फोटो पहचान पत्र प्रदान करने का निरंतर प्रयास करना चाहिए। सम्मेलन के दौरान भारत के अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन संस्थान (आईआईसीडीईएम) द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण तकनीक पर विस्तार से चर्चा की गई।

बीजेपी भरोसा दिलाए मुझे मुख्यमंत्री बनाएंगे तो मैं गठबंधन को तैयार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद के शिलान्यास के बाद देश भर की सुर्खियों में आए टीएमसी से निष्कासित विधायक हुमायूं कबीर ने बीजेपी से गठबंधन करने की शर्त रखी है। कबीर का कहना है कि अगर उन्हें भरोसा दिलाया जाए कि वह मुख्यमंत्री बनेंगे तो वह गठबंधन करने को तैयार हैं। बता दें पिछले साल के आखिर में टीएमसी के सस्पेंड होने के बाद कबीर ने नई पार्टी का गठन किया था। उन्होंने इस पार्टी का नाम जनता उन्नयन पार्टी (जेयूपी) रखा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विधायक हुमायूं कबीर ने कहा है कि अगर उन्हें मुख्यमंत्री उम्मीदवार बनाया जाता है तो वह बीजेपी के साथ गठबंधन करने को तैयार हैं। साथ ही उन्होंने कांग्रेस, सीपीआई-एम और आईएसएफ के साथ भी गठबंधन का आह्वान किया है। हालांकि उन्होंने अभी तक इस पर कोई जवाब नहीं दिया है। कबीर ने कहा कि अगर मुझे 100 सीटें मिलती हैं और बीजेपी को 90, तो मुख्यमंत्री कौन बनेगा? कबीर ने बिहार में नीतीश कुमार के सीएम बनने का उदाहरण दिया।

इतने साल के बाद भी क्या हमें यह साबित करना पड़ेगा हम इस देश के नागरिक हैं?

एसआईआर की चिंता में हर रोज हो रही 3 से 4 आत्महत्याएं : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि एसआईआर की चिंता में हर रोज 3 से 4 लोग खुदकुशी कर रहे हैं। अब तक 110 से ज्यादा लोग जान गवां चुके हैं। 40-45 लोग अस्पतालों में जिंदगी से जंग लड़ रहे हैं। इतने साल बाद क्या हमें यह साबित करना पड़ेगा कि हम इस देश के नागरिक हैं? ममता बनर्जी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के कार्यक्रम में ये बातें कही। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम ममता ने कहा कि दिसंबर में जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 58 लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम हटा दिए गए। उन्होंने कहा कि राज्य में कुल 7.6 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 1.66 करोड़ मतदाताओं की नागरिकता को लेकर शक जताया गया है। उन्हें दस्तावेजों की दोबारा जांच के लिए सुनवाई का नोटिस भेजा है। सीएम ममता ने कहा कि बंगाल में एक ही उपनाम की अलग-अलग वर्तनी आम बात है। उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि मेरा सरनेम बनर्जी और बंदोपाध्याय दोनों तरह से लिखा जाता है, लेकिन एसआईआर कराने वालों को यह तक समझ नहीं है। ममता के मुताबिक इसी तरह की गड़बड़ियों के कारण 1.38 करोड़ लोगों को नोटिस भेजे गए हैं। सीएम ममता ने आरोप लगाया कि बुजुर्ग लोगों को भी एसआईआर की सुनवाई के लिए बुलाया गया।

डिजिटल अरेस्ट कर 15 करोड़ ठगने के मामले में उप्र, गुजरात, ओडिशा से आठ गिरफ्तार

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने डिजिटल अरेस्ट करके बुजुर्गों को डराकर करोड़ों की ठगी करने के मामले में उत्तर प्रदेश, गुजरात और ओडिशा से आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रेटेजिक ऑपरेशंस के पुलिस उपायुक्त विनित कुमार ने शनिवार को बताया कि यह गिरोह कंबोडिया और नेपाल से संचालित हो रहा था। पकड़े गए आरोपितों की पहचान पटेल दिव्यांग (30), शितोले कृतिक (26), अरुण कुमार तिवारी (45), महावीर शर्मा उर्फ नील (27), प्रद्युम्न तिवारी, अंकित मिश्रा, भूपेंद्र कुमार मिश्रा और आदेश कुमार सिंह (36) के रूप में हुयी है। उन्होंने बताया कि 77 वर्षीय पीड़िता को 24 दिसंबर 2025 को एक फोन कॉल आया, जिसमें बताया गया कि उनके नाम से जारी सिम कार्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शामिल है। इसके बाद उन्हें व्हाट्सएप वीडियो कॉल पर फर्जी सीबीआई और पुलिस अधिकारी बनकर दिखाया गया और जाली गिरफ्तारी वारंट के जरिए डराया गया।

केवाईसी अपडेट के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाला साइबर गिरोह का भंडाफोड़, झारखंड व बंगाल से 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले की साइबर थाना पुलिस ने केवाईसी अपडेट के बहाने बैंक ग्राहकों को ठगने वाले बड़े अंतरराज्यीय साइबर फ्रॉड गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस संबंध में झारखंड (जामताड़ा-धनबाद क्षेत्र) और पश्चिम बंगाल से चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जो खुद को बैंक अधिकारी बताकर लोगों को जाल में फंसाते थे। आरोपितों के पास से मोबाइल फोन, सिम कार्ड और ठगी से जुड़े डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान शिव कुमार रविदास (22), संजय रविदास (33), दिनेश रविदास (29) और शुभम कुमार बरनवाल (25) के रूप में हुई है।

विंटर स्टॉर्म फर्न का महासंकटः अमेरिका में 23 करोड़ लोगों पर सफेद मौत का साया

एजेंसी। वॉशिंगटन

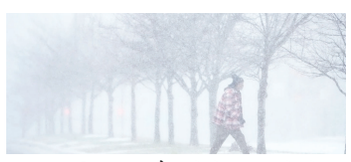

अमेरिका इस समय प्रकृति के भीषण प्रकोप का सामना कर रहा है, जिसने मौसम वैज्ञानिकों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। विंटर स्टॉर्म फर्न नामक एक अत्यंत शक्तिशाली बर्फीले तूफान की चेतावनी जारी की गई है, जिसके चलते लगभग 23 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन पर संकट मंडरा रहा है। विशेषज्ञों का दावा है कि यह तूफान पिछले कई दशकों के रिकॉर्ड तोड़ सकता है। यह महज सामान्य बर्फबारी नहीं है, बल्कि बर्फ, जमा देने वाली बारिश और आर्कटिक कोल्ड का एक ऐसा जानलेवा मिश्रण है, जो पूरे देश की रफ्तार को थामने की क्षमता रखता है। इस तूफान की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसका प्रभाव क्षेत्र लगभग 2,300 मील लंबा है, जो टेक्सास से लेकर न्यूयॉर्क तक करीब 15 राज्यों को अपनी चपेट में ले चुका है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कई प्रांतीय सरकारों ने स्टेट ऑफ इमरजेंसी (आपातकाल) घोषित कर दी है। मौसम विभाग के अनुसार, न्यूयॉर्क सिटी और फिलाडेल्फिया जैसे प्रमुख शहरों में पिछले चार वर्षों की सबसे बड़ी बर्फबारी होने की आशंका है। रविवार का दिन इन क्षेत्रों के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है, जब तूफान की तीव्रता और बर्फीली हवाओं की रफ्तार अपने चरम पर होगी। शुक्रवार से सोमवार तक चलने वाला यह सिलसिला अपने पीछे एक फुट से ज्यादा गहरी बर्फ की चादर और जानलेवा पाला छोड़ जाएगा। इस आसन्न खतरे के मद्देनजर शनिवार के लिए निर्धारित 1,400 से अधिक उड़ानें पहले ही रद्द की जा चुकी हैं, जिससे डलास और फोर्ट वर्थ जैसे व्यस्ततम हवाई अड्डों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। साथ ही, भारी बर्फबारी और जमने वाली बारिश के कारण बिजली की लाइनें टूटने की प्रबल संभावना है, जिससे हजारों घर कड़ाके की ठंड के बीच अंधेरे में डूब सकते हैं। इस आपदा का सबसे खतरनाक पहलू इसके साथ आने वाली पोलर वोर्टेक्स की ठंडी हवाएं हैं। शिकागो और मिडवेस्ट के इलाकों में तापमान गिरने का सिलसिला जारी है और इसके -30 से -46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है।

शंकराचार्य अविमुक्तानंद और सरकार मिलकर करें सुलह, सतानत का न बनने दें मजाक : धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

कोटा। शिक्षा नगरी कोटा इन दिनों भक्ति नगरी में तब्दील हो चुकी है। रामगंजमंडी में कथावायक आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की श्रीराम कथा के पहले ही दिन आस्था का सैलाब उमड़ा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की ओर से आयोजित इस गौ माता महोत्सव के पहले दिन धीरेंद्र शास्त्री ने न केवल धार्मिक उपदेश दिए। प्रयागराज में पालकी से स्नान पर अड़े शंकराचार्य अविमुक्तानंद सरस्वती और योगी सरकार के बीच चल रहे विवाद पर धीरेंद्र शास्त्री ने सलाह दी। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष हमारे अपने हैं, दोनों सनातनी हैं। बीच का रास्ता निकालें और मिल-बैठकर सुलह करें। सनातन का दुनिया के सामने मजाक न बनने दें। आजकल की पीढ़ी पर चुटकी लेते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने युवाओं को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया की रील्स में कीमती समय बर्बाद नहीं करें। रील से निकलकर रियलिटी से जुड़ें। अपने परिवार और समाज को समय दें।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

कांग्रेस ने संभल के सीजेएम के तबादले पर सुप्रीम कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने की मांग की

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश के संभल के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) विभांशु सुधीर के तबादले को न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर हमला बताते हुए सरकार पर न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने उच्चतम न्यायालय और इलाहाबाद उच्च न्यायालय से इस मामले का स्वतः संज्ञान लेने की मांग की है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि संभल में हाल ही में हुई साम्प्रदायिक हिंसा स्वतः नहीं थी, बल्कि सरकार की नीतियों और प्रशासनिक रवैये का परिणाम थी। इस दौरान पुलिस की गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हुई थी। 09 जनवरी को सीजेएम विभांशु सुधीर ने इस घटना में शामिल पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। इसके बाद मात्र चार माह में उनका तबादला कर दिया गया। खेड़ा ने कहा कि यह कदम न्यायपालिका को डराने और नियंत्रित करने की कोशिश है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सुधीर के स्थान पर जिस अधिकारी की नियुक्ति की कोशिश हुई थी, उसने पहले विवादित मस्जिद के सर्वे का आदेश दिया था, जिसे जनाक्रोश के बाद वापस लेना पड़ा। उन्होंने उच्चतम न्यायालय और इलाहाबाद उच्च न्यायालय से अपील की है कि वे संभल के सीजेएम के तबादले पर स्वतः संज्ञान ले।

पंजाब में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में आआपा सरकार विफलः चुग

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब के सरहिंद में रेलवे ट्रैक पर हुए विस्फोट की घटना को लेकर राज्य की आम आदमी पार्टी की सरकार पर कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफल होने का आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट में कहा, "सरहिंद में विस्फोट एक भयावह घटना है जो राष्ट्रविरोधी ताकतों के घिनौने मंसूबों को उजागर करती है। सीमावर्ती राज्य पंजाब में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में आम आदमी पार्टी की सरकार की बार-बार की नाकामियों ने पंजाब को संकट के कगार पर ला खड़ा किया है।" चुग ने कहा कि राज्य की संवेदनशील स्थिति को संभालने में घोर विफलता को देखते हुए इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से करायी जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि 23 जनवरी की देर रात पंजाब के सरहिंद में रेलवे ट्रैक पर एक जोरदार विस्फोट हुआ, जिससे एक मालगाड़ी का इंजन क्षतिग्रस्त हो गया और ड्राइवर घायल हो गया। यह घटना गणतंत्र दिवस से पहले खानपुर के पास हुई, जहां 4 फुट तक ट्रैक क्षतिग्रस्त होने की खबर है। प्रारंभिक जांच में आरडीएक्स का इस्तेमाल होने का शक जताया जा रहा है।

केंद्रीय बजट के विकसित भारत के विजन के अनुरूप होने की उम्मीद

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 01 फरवरी को संसद में केंद्रीय बजट 2026-27 पेश करेंगी। सीतारमण के कार्यकाल का नौवां और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 3.0 सरकार का तीसरा पूर्ण बजट होगा। यह बजट 'विकसित भारत 2047' के विजन के साथ लंबी अवधि के विकास, राजकोषीय स्थिरता, बुनियादी ढांचे और डिजिटल विकास पर केंद्रित होने की उम्मीद है, जिसमें आम जनता के लिए कर राहत और कृषि-केंद्रित उपायों पर विशेष जोर दिए जाने की संभावना है। केंद्रीय बजट 01 फरवरी, रविवार को सुबह 11 बजे लोकसभा में पेश होगा। इस बार संसद का बजट सत्र 28 जनवरी को राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ शुरू होगा। 29 जनवरी को संसद में आर्थिक सवेक्षण 2025-26 पेश किया जाएगा।

बजट से उम्मीदें-

आयकर में बदलावः करदाताओं को इस बार के बजट से नई आयकर प्रणाली में बदलाव, मानक कटौती में वृद्धि और मध्यम वर्ग के लिए टैक्स राहत की उम्मीद है।

कृषि एवं ग्रामीण विकासः किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण सीमा बढ़ाने, महिला किसानों के लिए योजनाओं और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने की उम्मीद है।

बुनियादी ढांचा और विनिर्माणः 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजनाओं का विस्तार और इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च जारी रह सकता है।

शिक्षा और कौशलः इनोवेशन और रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए उच्च शिक्षा में सीटों की वृद्धि और डिजिटल शिक्षा पर जोर रहने की संभावना है।

बजट बनाने की प्रक्रिया-

वित्त मंत्रालय द्वारा केंद्र सरकार के सभी विभागों से अनुमान मांगे जाते हैं, जो आमतौर पर अगस्त/सितंबर में शुरू होता है।

केंद्रीय वित्त मंत्री उद्योगपतियों, अर्थशास्त्रियों और ट्रेड यूनियनों के साथ प्री-बजट बैठकें करती हैं।

केंद्रीय बजट दस्तावेजों की छपाई से पहले पारंपरिक हलवा सेरेमनी, जो गोपनीयता का प्रतीक है।

अधिकारी बजट की गोपनीयता बनाए रखने के लिए नॉर्थ ब्लॉक में लॉक-इन अवधि के दौरान रहते हैं।

बही-खाता-

यह पारंपरिक ब्रीफकेस की जगह बजट दस्तावेजों को ले जाने का आधुनिक लाल-रंग का बही-खाता है, जिसे वित्त मंत्री सीतारमण ने शुरू किया है। उल्लेखनीय है कि केंदीय बजट 2026-27 पूरे वित्त वर्ष के लिए एक पूर्ण बजट है। बजट भाषण संसद टीवी, यूट्यूब, फेसबुक, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और विभिन्न न्यूज एजेंसियों और न्यूज चैनलों पर लाइव देखा जा सकता है। बजट के माध्यम से सरकार का मुख्य उद्देश्य राजकोषीय घाटे को नियंत्रित रखते हुए आर्थिक विकास को गति देना है।

इंडियन प्रजा कांग्रेस ने पोथला प्रसाद नायडू को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष घोषित किया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली :- इंडियन प्रजा कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर पोथला प्रसाद नायडू को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष घोषित किया है, जो देश भर में संगठन के नेतृत्व और पहुंच को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पोथला प्रसाद नायडू लगातार छात्र कल्याण, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के लिए एक मजबूत आवाज रहे हैं। इस महत्वपूर्ण पद पर उनकी नियुक्ति पार्टी के नेतृत्व, प्रतिबद्धता और जमीनी स्तर के आंदोलनों के साथ-साथ देश के युवाओं से जुड़ने की उनकी क्षमता में पार्टी के विश्वास को दर्शाती है। इस घोषणा के बाद, दिल्ली विश्वविद्यालय और विभिन्न अन्य राज्य विश्वविद्यालयों के छात्र पोथला प्रसाद नायडू के प्रति अपना पूरा समर्थन और एकजुटता व्यक्त करने के लिए आगे आए हैं। छात्र संगठनों और प्रतिनिधियों ने छात्र मुद्दों को संबोधित करने, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने और हाशिए पर पड़े और महत्वाकांक्षी युवाओं की चिंताओं को उठाने में उनके निरंतर प्रयासों को स्वीकार किया। इस बाबत राष्ट्रीय अध्यक्ष इंडियन प्रजा कांग्रेस पी.प्रसाद नायडू ,राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष योगेश खेत्रपाल,राष्ट्रीय महासचिव ,हरमन सिंह अध्यक्ष, दिल्ली राज्य ,अब्दुल हमीद अध्यक्ष, जम्मू कश्मीर राज्य ने एक मत से पोथला प्रसाद नायडू के प्रति अपना विश्वास जताया। इंडियन प्रजा कांग्रेस का मानना है कि कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पोथला प्रसाद नायडू के नेतृत्व में, पार्टी ईमानदारी, समावेशिता और प्रगतिशील दृष्टिकोण से प्रेरित होकर एक जन-केंद्रित राजनीतिक शक्ति के रूप में अपनी भूमिका को और मजबूत करेगी।

राहुल गांधी ने एसआईआर प्रक्रिया पर फिर उठाए सवाल

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर एक बार फिर सवाल उठाया है। उन्होंने गुजरात कांग्रेस की ओर से साझा की गई मतदाता सूची और पत्र को एक्स पर रिपोस्ट करते हुए चुनाव आयोग पर केंद्र सरकार के साथ मिलकर साजिश रचने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि गुजरात में एसआईआर प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं बल्कि रणनीतिक वोट चोरी है। एक ही नाम से हजारों आपत्तियां दर्ज की गईं और खास वर्गों तथा कांग्रेस समर्थक बूथों के वोट चुनकर काटे गए। यही पैटर्न आलंद और राजुरा में दिखा और अब वही ब्लूप्रिंट गुजरात, राजस्थान और अन्य राज्यों में लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एसआईआर को एक व्यक्ति एक वोट के संवैधानिक अधिकार को खत्म करने के हथियार में बदल दिया गया है। गुजरात कांग्रेस ने अपने पोस्ट में पत्र और मतदाता सूची साझा करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव में चोरी का नया मॉडल अपना लिया है। नियमानुसार चुनाव आयोग ने ड्राफ्ट सूची जारी कर आपत्तियां लेना शुरू किया और 18 जनवरी अंतिम तारीख घोषित की। 15 जनवरी तक गिनी-चुनी आपत्तियां आईं लेकिन उसके बाद अचानक लाखों आपत्तियां जमा कराई गईं। गुजरात कांग्रेस ने अपने पोस्ट में कहा कि चुनाव आयोग द्वारा जारी 12 लाख आपत्तियों में खास वर्ग और क्षेत्रों को निशाना बनाया गया। एक ही व्यक्ति के नाम से दर्जनों आपत्तियां दर्ज कराई गईं जिनमें नाम किसी का और हस्ताक्षर किसी के थे। जब विपक्ष ने आपत्तियों की जानकारी मांगी तो चुनाव आयोग ने कोई जवाब नहीं दिया।

शंकराचार्य को लेकर वाल्मीकि साधु अखाड़ा परिषद के प्राचारि महंत राजू चंदेल का विवादित बयान

» सनातन धर्म व अयोध्या के राम मंदिर को बचाने के लिए किसी भी शंकराचार्य का कोई योगदान नहीं

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली / अखिल भारतीय महर्षि वाल्मीकि साधु अखाड़ा परिषद के प्राचारि महंत एवं वाल्मीकि रत्न गुरुजी राजू चंदेल ने आज पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि लगातार मीडिया की सुर्खियां बटोर रहे कथित शंकराचार्य भाजपा को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं मैं उन कथित शंकराचार्य से जानना चाहता हूं शंकराचार्य पीठ की स्थापना 788 में हुई थी तब से लेकर अब तक इन शंकराचार्य ने सनातन हिंदू धर्म और उसके अनुयायियों की रक्षा के लिए कौन से हथियार उठाने या उनकी रक्षा की मुगल आए उन्होंने तमाम हिंदू सनातनियों के मठ अयोध्या में भगवान राम लाल का मंदिर तक तोड़ कर अपनी मस्जिद बनाई तब यह शंकराचार्य कहां गए थे गुरुजी राजू चंदेल ने कहा कि जैसा कि मैं पहले कहा है शंकराचार्य पद्धति 788 ई में स्थापित हुई थी जबकि हमारे वाल्मीकि भगवान त्रेता युग का इतिहास और पढ़ती है इन कथित शंकराचार्य ने कभी भी भगवान वाल्मीकि के अस्तित्व को जगह नहीं दी जबकि सनातन हिंदू धर्म के सबसे बड़े रक्षक और भगवान राम के इतिहास को जीवित रखने वाले भगवान वाल्मीकि ही हैं भगवान वाल्मीकि द्वारा रचित महाकाव्य वाल्मीकि रामायण के अनुसार ही यह सृष्टि चल रही है और आगे भी चलती रहेगी जबकि बाबरी कलंक को मिटाने के लिए सनातन धर्म के तमाम साधु संतों के निरंजनी अखाड़े वाल्मीकि अखाड़े नागा साधु अखाड़े अघोरी साधु अखाड़े सहीत देश के तमाम साधु संतों के अखाड़े आगे बढ़कर आगे आए और उन्होंने बाबर नाम के कलम को मिटा दिया परंतु उसे धर्म युद्ध में शंकराचार्य की कहीं भी कोई भूमिका नहीं थी मुगलों से जितने भी सनातन हिंदुओं के युद्ध हुए उसमें भी कहीं शंकराचायो का कोई जिक्र और योगदान नजर नहीं आता है वाल्मीकि रत्न गुरुजी राजू चंदेल ने कहां की आज कथित शंकराचार्य धर्म की आड़ में जबरन भाजपा को बदनाम करने के लिए विपक्ष के इशारे पर कार्य कर रहे हैं उन्होंने कहा कि धर्म के सबसे उच्च स्थान पर बैठे प्रतिष्ठ लोगों को दलगत की राजनीति से ऊपर उठकर काम करना चाहिए सनातन धर्म के लिए काम करना चाहिए हिंदुओं के लिए काम करना चाहिए इस प्रकार विपक्ष के लोगों के साथ मिलकर ऊंची राजनीति नहीं करनी चाहिए ऐसा करने से धर्म का मान वह सम्मान गिरता है गुरु जी राजू चंदेल ने कहा कि कथित शंकराचार्य को ऐसे मसले और मामलों को बातचीत से सुलझाना चाहिए इस पर राजनीति नहीं करनी चाहिए उन्हें हमेशा भविष्य में सनातन धर्म की रक्षा और उत्थान के लिए आगे बढ़कर कार्य करना चाहिए हम देश के तमाम शंकराचार्य का आदर व सम्मान करते हैं और हमेशा करते रहेंगे परंतु शंकराचार्य को अपनी गरिमा में रहकर हिंदू सनातन धर्म की भविष्य में रक्षा के लिए आगे आकर संघर्ष करना चाहिए और अपना योगदान देना चाहिए

भाजपा सरकार न्यायपालिका पर कब्जा करने की कोशिश कर रही- कांग्रेस

लोकतंत्र की शान, संवाददाता जिशान अली

नई दिल्लीः कांग्रेस ने संभल (उत्तर प्रदेश) के सीजेएम विभांशु सुधीर के तबादले पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इसे भाजपा सरकार द्वारा न्यायपालिका में हस्तक्षेप करार दिया है। पार्टी ने कहा कि भाजपा सरकार न्यायपालिका को डराने और उस पर कब्जा करने की कोशिश कर रही है; जो जज उनके एजेंडे के खिलाफ जाते हैं, उनका तुरंत तबादला या डिमोशन कर दिया जाता है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी के मीडिया व पब्लिसिटी विभाग के चेयरमैन एवं पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने एक पुराना वीडियो दिखाया, जिसमें गुजरात दंगों का आरोपी बाबू बजरंगी यह दावा करता नजर आता है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार जज बदलवाकर उसे राहत दिलवाई थी। पवन खेड़ा ने कहा कि यह गुजरात में आजमाया हुआ और परखा हुआ मॉडल है, जिसमें जजों के तबादले कराकर मनचाहे फैसले हासिल किए जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसी मॉडल को उत्तर प्रदेश में लागू कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने बताया कि नवंबर 2024 में संभल में हुई हिंसा के दौरान पुलिस की गोलीबारी में मुस्लिम समुदाय के तीन लोगों की मौत हो गई थी। सीजेएम विभांशु सुधीर ने इस मामले में उस वक्त के सीओ अनुज चौधरी और अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। इसके तुरंत बाद जज विभांशु सुधीर को डिमोशन कर सुल्तानपुर भेज दिया गया। खेड़ा ने इसे दंडात्मक कार्रवाई और न्यायपालिका पर दबाव बनाने की

कोशिश बताया। सीजेएम विभांशु सुधीर के समर्थन में चंदौसी कोर्ट में वकीलों द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन का समर्थन करते हुए पवन खेड़ा ने कहा कि वकील समुदाय हमेशा से लोकतंत्र की रक्षा में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि इस तरह का हस्तक्षेप लोकतंत्र और न्याय व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है, जिससे आम आदमी का अदालतों पर से भरोसा उठ जाएगा।

तुर्कमान गेट पत्थरबाजी मामले में आरोपित की जमानत बरकरार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने फैज-ए-इलाही मस्जिद का अतिक्रमण हटाने के दौरान पत्थरबाजी करने के आरोपित मोहम्मद उबेदुल्लाह को पहले दी गयी जमानत पर दोबारा मुहर लगायी है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जोगिंदर प्रकाश नाहर ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपित के किसी भी तरह की हिंसा में शामिल होने का कोई साक्ष्य पेश नहीं कर पाया है। आरोपित का घर मस्जिद से सटा हुआ था, लेकिन अभियोजन पक्ष उसके धारा 163 का उल्लंघन करने का भी कोई साक्ष्य नहीं दे सका। उच्च न्यायालय ने उबेदुल्लाह की जमानत याचिका को निरस्त करते हुए तीस हजारी कोर्ट को जमानत पर दोबारा विचार करने का आदेश दिया था। सुनवाई के दौरान जब कोर्ट ने सीसीटीवी वीडियो प्ले कर दिल्ली पुलिस से आरोपित उबेदुल्लाह को भीड़ में पहचानने को कहा तो दिल्ली पुलिस नहीं पहचान सकी। कोर्ट ने पाया कि आरोपित के घर पर एक छोटी बहन और बीमार पिता हैं। घटना के दिन वो अपनी छोटी बहन को भीड़ में देखने गया था जो उस समय उसके घर पर मौजूद नहीं थी। जब उसकी बहन भीड़ में नहीं मिली तो वो अपने घर लौट आया। सीसीटीवी फुटेज में उबेदुल्लाह के हाथ में कोई पत्थर भी नहीं देखा गया। इससे पहले तीस हजारी कोर्ट ने 20 जनवरी को उबेदुल्लाह को जमानत दी थी। इस फैसले को दिल्ली पुलिस ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी जिसके बाद उच्च न्यायालय ने उबेदुल्लाह को मिली जमानत को निरस्त करते हुए तीस हजारी कोर्ट को दोबारा विचार करने का आदेश दिया था। उसके बाद आज तीस हजारी कोर्ट ने उबेदुल्लाह की जमानत याचिका पर दोबारा विचार किया और 20 जनवरी को जमानत देने के अपने पहले के आदेश को बरकरार रखा। दिल्ली पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ चांदनी महल थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 221, 132, 121, 191, 223ए और प्रिवेंशन ऑफ डैमेज टू पब्लिक प्रोपर्टी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की थी। बीते 7 एवं 8 जनवरी की रात को रामलीला मैदान इलाके के पास फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई की गई थी। अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के बाद हिंसा भड़क गई और लोगों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव किया। पथराव में पांच पुलिसकर्मी घायल हो गये जिसमें इलाके का एसएसओ भी शामिल है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक एक सोशल मीडिया पोस्ट किया गया कि तुर्कमान गेट के सामने की मस्जिद को अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई में गिराया जा रहा है। उसके बाद लोग वहां जमा होने लगे। दिल्ली पुलिस के मुताबिक करीब 150-200 लोग अतिक्रमण हटाने गए अमले पर पत्थर बरसाने में शामिल थे।

नुसरत इस्लामिक मॉडर्न तालीमी इदारे में गणतंत्र दिवस के अवसर पर झंडा रोपण कार्यक्रम आयोजित

लोकतंत्र की शान

सीलमपुरः विधानसभा के ब्रह्मपुरी क्षेत्र में स्थित नुस्रत इस्लामिक मॉडर्न तालीमी इदारें में गण्तंत्र दिवस के अवसर पर झंडा रोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें इदारे की प्रधानाचार्य अरीबा खान ने झंडा रोपण किया इस अवसर पर बच्चों ने राष्ट्रीयगान गाया और रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस अवसर पर इदारे की प्रधानाचार्य अरीबा खान ने 77 वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं और गणतंत्र दिवस से संबंधित जागरूक करते हुए कहा 26 जनवरी 1950 को भारत में देश का संविधान लागू हुआ थ इसके अंतर्गत भारत चल रहा है। राष्ट्रपती को तीनों फोज के अध्यक्ष सलामी देते हैं और राजपथ पर तीनों फोज के दस्तों की परेड निकलती है जिसके अलावा इदारे के निदेशक डा. एस.एम. कामरान ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा गणतंत्र दिवस का यह दिन हम सबके लिए हर्ष व उल्लास का दिन है स्वतंत्रता के 3 वर्ष बाद देश का संविधान लागू हुआ था इसी खुशी में यह राष्ट्रीय पर्व मनाया जाता है। हम सबको मिलकर देश के विकास के लिए काम करना चाहिए। इस अवसर पर उपस्थित अध्यापक आलिया अबरार, इकरा कदीर, इकरा अबरार, हुमैरा अन्सारी, फरहीन, सादिया कामरान। विद्यार्थी अब्दुल गफ़्फार, आयशा खान, बुशरा, उमरा इमरान, अजकिया हम्माद अहमद इत्यादी।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला पहुंचीं नई दिल्ली, जीतिन प्रसाद ने किया स्वागत

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन भारत के राजकीय दौरे पर नई दिल्ली पहुंच गई हैं। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने उनक स्वागत किया। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा भी यहां जल्दी ही पहुंचेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पोस्ट में कहा कि राजकीय यात्रा पर आयीं यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन का भारत में स्वागत है। यह दौरा भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी के नए चरण की शुरुआत है। भारत और यूरोपीय संघ दुनिया की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं हैं, जिनकी साझेदारी आपसी विश्वास और साझा मूल्यों पर आधारित है। उल्लेखनीय है कि इतिहास में पहली बार यूरोपीय संघ के नेता भारत के 77वें गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर ईयू का एक सैन्य दस्ता भी पहली बार कर्तव्य पथ पर परेड करेगा। 27 जनवरी को होने वाले 16वें भारत-ईयू शिखर सम्मेलन में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। यह समझौता लगभग 2 अरब लोगों का विशाल बाजार खोलेगा, जो वैश्विक जीडीपी का लगभग एक-चौथाई हिस्सा है। इससे भारतीय टेक्सटाइल, ज्वेलरी और आईटी सेक्टर को यूरोप में व्यापक पहुंच मिलेगी। इससे पहले शनिवार सुबह यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास दिल्ली पहुंची थीं। वह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ मिलकर एक भारत-ईयू सुरक्षा और रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करेंगी, जिसमें समुद्री सुरक्षा, साइबर डिफेंस और आतंकवाद विरोधी अभियानों में 'इंटेलीजेंस शेयरिंग' शामिल होगा। मोबिलिटी फ्रेमवर्क पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिससे भारतीयों के लिए यूरोप में काम करने के कानूनी रास्ते और आसान हो जाएंगे।

जुबीन गर्ग के परिवार ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र, फास्ट-ट्रैक ट्रायल की मांग

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिवंगत असमिया गायक और सांस्कृतिक आइकन जुबीन गर्ग के परिवार ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर मामले में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए विशेष अदालत के गठन और सुनवाई को फास्ट-ट्रैक किए जाने की मांग की है। परिवार ने यह भी आग्रह किया है कि न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी आरोपित को जमानत न दी जाए। परिवार की ओर से लिखे गए पत्र में कहा गया है कि जुबीन गर्ग का सितंबर 2025 में सिंगापुर में हुआ असामयिक निधन केवल एक परिवार की क्षति नहीं है बल्कि असम और पूर्वोत्तर भारत के करोड़ों लोगों के लिए गहरा आघात है, जो अब भी सत्य और कानूनी कार्रवाई की प्रतीक्षा कर रहे हैं। पत्र में बताया गया कि घटना के तुरंत बाद सिंगापुर की एजेंसियों ने स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू की और भारतीय उच्चायोग ने

पोस्टमार्टम सहित संबंधित प्रक्रियाओं में समन्वय किया। इसके बाद असम में सीआईडी के पास प्राथमिकी दर्ज कराई गई और राज्य सरकार ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। करीब तीन महीने की जांच के बाद एसआईटी ने 2,500 से अधिक पन्नों का आरोप पत्र दाखिल किया है, जिसमें हत्या से संबंधित धाराएं लगाई गई हैं। परिवार ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष अदालत का गठन किया जाए, आवश्यकता पड़ने पर वरिष्ठ और अनुभवी अभियोजकों की अतिरिक्त नियुक्ति की जाए तथा सुनवाई में किसी भी तरह की देरी से बचने के लिए प्रशासनिक और न्यायिक स्तर पर उचित कदम उठाए जाएं।इसके साथ ही सिंगापुर में चल रही कोरोनर कोर्ट की कार्यवाही पर उच्च स्तर पर निगरानी रखने, सभी साक्ष्य और दस्तावेज भारतीय एजेंसियों को उपलब्ध कराने तथा आपसी कानूनी सहयोग के सभी वैधानिक विकल्पों को अपनाने की भी मांग की गई है।पत्र पर जुबीन गर्ग की पत्नी गरिमा सैकिया गर्ग, बहन पाल्मी बोरठाकुर और चाचा मनोज कुमार बोरठाकुर के हस्ताक्षर हैं। परिवार ने कहा है कि वे शोकाकुल जरूर हैं, लेकिन एक ऐसे गणराज्य के नागरिक भी हैं जो न्याय, गरिमा और कानून के शासन में विश्वास करता है।

संक्षिप्त समाचार

घनश्याम माया मुस्कान पब्लिक स्कूल,में मनाया गया वसंतोत्सव

लोकतंत्र की शान : देवेंद्र सिंहः सीतापुर/ घनश्याम माया मुस्कान पब्लिक स्कूल, खगेसियामऊ, में वसंत पंचमी के पावन अवसर पर वसंतोत्सव कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास, सांस्कृतिक उल्लास एवं धार्मिक वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर विद्यालय के प्रबंधक अनुराग के द्वारा माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। विद्यालय के प्रबंधक ने कार्यक्रम को विद्यालय के संरक्षक श्यामबाबू श्रीवास्तव, माँ माया देवी, उपाध्यक्ष अविकल्प श्रीवास्तव एवं रामबाबू श्रीवास्तव का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। वसंतोत्सव के अवसर पर बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एवं शिक्षाप्रद कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्हें उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों ने सराहा। विद्यालय की समस्त अध्यापिकाओं का कार्यक्रम को सफल बनाने में सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय परिवार द्वारा तहरी भोज का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों, शिक्षिकाओं एवं अतिथियों ने सामूहिक रूप से सहभागिता की। आयोजकों ने इसे आपसी सौहार्द, समानता एवं भारतीय संस्कृति के प्रतीक के रूप में बताया। विद्यालय प्रबंधन ने सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य, विद्या, संस्कार एवं नैतिक मूल्यों के विकास की कामना की। श्रीवास्तव, एडवोकेट एवं संरक्षक नीलम गोंड, व छात्र छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बहमन पब्लिक स्कूल सिरसी में मतदाता जागरूकता अभियान, एनसीसी कैडेट्स व विद्यार्थियों ने ली शपथ

लोकतंत्र की शान : सैय्यद कुमैल ज़ैदी : संभल/सिरसी। बहमन पब्लिक स्कूल सिरसी में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें एनसीसी कैडेट्स एवं विद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर सभी कैडेट्स और छात्रों को मतदान के प्रति अपने कर्तव्य व जिम्मेदारी को लेकर शपथ दिलाई गई। एनसीसी अधिकारी दिनेश कुमार सिंह ने एनसीसी कैडेट्स एवं विद्यार्थियों को शपथ दिलाते हुए कहा कि "हमारा दायित्व केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को मतदान के प्रति जागरूक करना भी हमारा कर्तव्य है। हम एक लोकतांत्रिक देश में रहते हैं, जहाँ प्रत्येक नागरिक का एक मत देश के भविष्य की दिशा तय करता है। मतदान के माध्यम से ही हम ऐसी सरकार चुनते हैं जो देश की उन्नति के साथ-साथ हर नागरिक के हित में कार्य करे।" उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं तो मतदान के प्रति जागरूक बनें ही, साथ ही अपने परिवार व समाज के अन्य लोगों को भी मतदान के महत्व के बारे में प्रेरित करें। इस मतदाता जागरूकता अभियान के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री शोभित कुमार रस्तोगी ने कहा कि "लोकतंत्र की मजबूती जागरूक मतदाता पर निर्भर करती है। आज के विद्यार्थी ही कल के जिम्मेदार नागरिक हैं, इसलिए उन्हें अभी से अपने कर्तव्यों का बोध होना अत्यंत आवश्यक है।" कार्यक्रम में उप-प्रधानाचार्य मोहम्मद ओन नकवी, डायरेक्टर मैम ताहिर-उज़-जमा, प्रशासक श्री असगर अली शाह, कोऑर्डिनेटर मैम कुमारी शबाना नाज़ सहित शिक्षकगण जाकिर हुसैन, नूरिन फरीदी, एहसान अली, कोकब नकवी आदि भी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों और शिक्षकों ने विद्यार्थियों के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

नगर पंचायत सिरसी के चेयरमैन कौसर अब्बास ने वार्ड नं0 3 स्थित दक्षिणी प्राइमरी स्कूल का किया औपचारिक निरीक्षण

शिक्षा की गुणवत्ता और मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के दिए निर्देश

संभल/सिरसीः नगर पंचायत सिरसी के चेयरमैन कौसर अब्बास ने वार्ड नं० 3 स्थित दक्षिणी प्राइमरी स्कूल का औपचारिक निरीक्षण कर विद्यालय की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्कूल गेट के नवनिर्माण, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, कक्षा-कक्षों की स्थिति तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के संबंध में संबंधित कर्मचारियों एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

चेयरमैन कौसर अब्बास ने कहा कि-"नगर पंचायत सिरसी शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ और सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है। विद्यालयों में बेहतर सुविधाएँ होंगी तो शिक्षा की गुणवत्ता स्वतः बेहतर होगी।" उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि विद्यालय परिसर को और अधिक सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाया जाए, ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर वार्ड नं० 3 के सभासद पति तौला सहित नगर के अनेक सम्मानित नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने चेयरमैन के इस कदम की सराहना करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को सराहा। नगर पंचायत सिरसी लगातार शिक्षा, विकास एवं जनहित के कार्यों के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है और आने वाले समय में विद्यालयों की सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

यूपी की ताकत बनेगा ओडीओसी : मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को राष्ट्र प्रेरणा स्थल में उत्तर प्रदेश दिवस-2026 का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्मृति चिह्न देकर गृह मंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को यूपी दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश भी पढ़कर सुनाया। सीएम योगी ने 'एक जनपद-एक व्यंजन' (ओडीओसी) का जिक्र करते हुए कहा कि यह योजना यूपी की ताकत बनेगी।<स्थानीय खाद्य उत्पादों को अब दिला सकेंगे वैश्विक पहचान-सीएम योगी ने कहा कि आज गृह एवं सहकारिता मंत्री के कर कमलों से वन डिस्ट्रिक्ट-वन कुजीन (ओडीओसी) योजना लागू की गई है। इससे 75 जनपदों की 75 प्रकार की भोजन सामग्री अब यूपी की नई ताकत बनेगी। अच्छा हाईजीन युक्त भोजन, खाद्य सामग्री, श्रीअन्न से बनी सामग्री लोगों को प्राप्त हो सके, स्थानीय उत्पादों को जियो टैग कर सकें और फिर उसे वैश्विक पहचान दिला सकें, उसकी पैकेजिंग, ब्रांडिंग, डिजाइनिंग करने के साथ देश व वैश्विक मांग के अनुरूप उस प्रोडक्ट का एक्सपोर्ट कर सकें, यह अवसर यूपी में अब हर व्यंजन के लिए प्राप्त होगा। आत्मनिर्भर भारत में 'ओडीओपी' का योगदान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्र प्रेरणा स्थल के साथ ही प्रदेश के सभी 75 जनपदों और हर राज्य में यह आयोजन हो रहा है। देश, प्रदेश व दुनिया में जहां कहीं भी उत्तर प्रदेशवासी हैं, वह इस आयोजन से जुड़ रहे हैं। 2018 में उत्तर प्रदेश ने जब पहली बार अपने स्थापना दिवस कार्यक्रम को आयोजित किया था, उस समय राज्यपाल राम नाईक जी थे और वर्तमान गृह मंत्री अमित शाह जी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। इनकी प्रेरणा से हम लोगों ने परंपरागत उद्यमों को 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) के रूप में आगे बढ़ाया था। आज यह योजना आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की नई ताकत बनी है और आत्मनिर्भर भारत में अपना योगदान दे रही है। सीएम योगी ने कहा कि जिन्होंने लीक से हटकर देश के लिए कुछ विशिष्ट किया है। ऐसी पांच विभूतियों को यूपी गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया है। इन विभूतियों ने विकसित भारत की प्रधानमंत्री की संकल्पना में अपने नवाचार, शोध, परिश्रम से योगदान दिया है। सीएम ने सम्मानित होने वाली विभूतियों को बधाई दी।

H. S. S. पब्लिक स्कूल हसनपुर के छात्र-छात्राओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : शनिवार को गणतंत्र दिवस समारोह से पूर्व नगर के प्रतिष्ठित अग्रणी विद्यालय H. S. S. पब्लिक स्कूल हसनपुर के छात्र-छात्राओं ने तिरंगा यात्रा निकाली, तिरंगा यात्रा में छात्र-छात्राएं हाथों में तिरंगा लेकर "भारत माता की जय, "वंदे मातरम, और देश के शहीद अमर रहे जैसे नारे लगाते हुए चल रहे थे, पूरा नगर देशभक्ति के नारो से गूंज उठा, सैकड़ो की संख्या में छात्र-छात्राओ द्वारा एक साथ नारे लगाने पर राहगीरों में भी जोश उत्पन्न हो गया, तिरंगा यात्रा नगर के विद्यालय से प्रारंभ होकर कोतवाली मार्ग, नगर पालिका, अंबेडकर पार्क, नवयुवक मार्केट, इंदिरा चौक, जनकपुरी से पुराना डाकखाना, इंदिरा चौक, कायस्थान मोहल्ले से होती हुई विद्यालय परिसर में जाकर संपन्न हुई, इस संबंध में विद्यालय के प्रबंधक राजीव अग्रवाल ने बताया कि इस तिरंगा यात्रा का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी में राष्ट्रवाद की भावना उत्पन्न करना तथा गणतंत्र दिवस के महत्व को समझाना है, इस दौरान तिरंगा यात्रा का जगह-जगह नागरिकों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया, तिरंगा यात्रा के दौरान विद्यालय के अध्यक्ष पुनीत अग्रवाल, उपाध्यक्ष निरंजन अग्रवाल, प्रबंधक राजीव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल तथा प्रधानाचार्य अंकुर कासिव आदि सहित विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

लोककल्याण केंद्रित बजट की करें तैयारीः मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

लखनऊ, 24 जनवरीः- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट प्रस्तावों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले लगभग नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने विकास, सुरक्षा और समृद्धि की जिस दिशा में ठोस प्रगति की है, उससे प्रदेश की जनता को सरकार से बड़ी आशा है और जन-अपेक्षाओं पर खरा उतरना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ब मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आगामी बजट का केंद्र लोककल्याण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, श्रमिक, महिला, युवा और समाज के वंचित वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना ही बजट की आत्मा होनी चाहिए। बैठक में मुख्यमंत्री के अधीन विभागों तथा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के विभागों के बजट प्रस्तावों, नई मांगों और केंद्रीय बजट 2026-27 के परिप्रेक्ष्य में राज्य सरकार द्वारा रखे गए प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा भी हुई। इससे पहले मुख्यमंत्री ने बारी-बारी से विभागीय प्रमुख सचिव गणों से चालू वित्तीय वर्ष में बजट के सापेक्ष वित्तीय स्वीकृति और खर्च के संबंध में अद्यतन जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 01 फरवरी को केंद्र सरकार का आम बजट आने वाला है। उसमें उत्तर प्रदेश से जुड़े प्रावधानों को देखें और तदनुसार अपने विभागीय बजट प्रस्ताव में आवश्यक सुधार करें। बैठक में बताया गया कि 2026-27 के प्रस्तावों में लोककल्याणकारी योजनाओं की निरंतरता, सामाजिक सुरक्षा के विस्तार और बुनियादी सुविधाओं को और मजबूत करने पर विशेष ध्यान रखा जा रहा है। खाद्य सुरक्षा, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा और आवश्यक सेवाओं से जुड़े प्रावधानों को इस दृष्टि से देखा गया है कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मजबूत कानून-व्यवस्था ही विकास और निवेश का आधार है। उन्होंने निर्देश दिए कि पुलिस, न्याय और प्रशासन से जुड़े विभागों के प्रस्ताव जन-सुरक्षा, त्वरित न्याय और आम नागरिक के विश्वास को और मजबूत करने वाले हों।

सीएम योगी के संकल्प से यूपी बना डिजिटल हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर का राष्ट्रीय मॉडल

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। योगी सरकार की दूरदर्शी सोच और नीतिगत फैसलों से हेल्थ डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (हेल्थ डीपीआई) के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश पूरे देश के लिए राष्ट्रीय मॉडल के रूप में उभरकर सामने आया है। प्रदेश में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के तहत सुरक्षित, इंटरऑपरेबल स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूत नींव रखी जा रही है। अस्पताल से लेकर मरीज तक की पूरी व्यवस्था को डिजिटल प्लेटफार्म से जोड़ा जा रहा है। इसका सीधा लाभ प्रदेश की 24 करोड़ से अधिक आबादी को मिलना शुरू हो गया है। डिजिटल हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर से उत्तर प्रदेश ने न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को तेज, पारदर्शी और मरीज केंद्रित बनाया है, बल्कि एआई आधारित हेल्थकेयर, इंटरऑपरेबिलिटी और सुरक्षित डाटा एक्सचेंज के लिए भी मजबूत आधार तैयार किया है।

देश में सर्वाधिक 14.52 करोड़ आभा आईडी यूपी में-स्वास्थ्य सचिव रितु माहेश्वरी ने बताया कि प्रदेश में एबीडीएम को कोर हेल्थ डीपीआई लेयर के रूप में लागू किया गया है। अब तक प्रदेश में 14.52 करोड़ से अधिक आभा आईडी बनाई जा चुकी हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। इसके साथ ही 70 हजार से अधिक स्वास्थ्य संगठनों और 1.04 लाख से ज्यादा हेल्थ प्रोफेशनल्स एबीडीएम के तहत पंजीकृत हो चुके हैं। डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड के क्षेत्र में भी यूपी ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। 13.03 करोड़ से अधिक हेल्थ रिकॉर्ड आभा से लिंक किए जा चुके हैं, जिससे मरीजों का संपूर्ण चिकित्सा इतिहास एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सुरक्षित उपलब्ध है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में हॉस्पिटल इन्फॉर्मेशन सिस्टम (एचआईएस) को डिजिटल हेल्थ बैकबोन के रूप में लागू किया गया है। वर्तमान में एनआईसी का नेक्स्ट-जेन एचआईएस और सीडीएसी का ई-सुश्रुत सिस्टम प्रदेश भर में लागू है। प्रदेश में 15 हजार से अधिक सरकारी और निजी अस्पताल एचआईएस का उपयोग कर रहे हैं, जबकि 1,171 सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान पूरी तरह डिजिटल सिस्टम से जुड़ चुके हैं। इनमें मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) शामिल हैं।

जात-पात से ऊपर उठकर वंशवादी पार्टियों को रिजेक्ट करें, फिर से कमल खिलाएं : अमित शाह

लोकतंत्र की शान

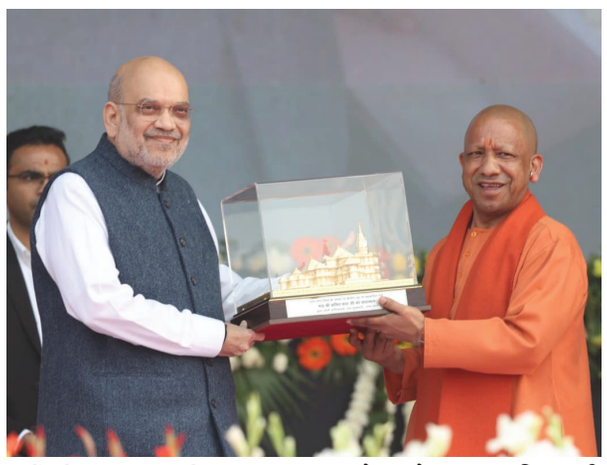

लखनऊ। देश के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर उत्तर प्रदेश दिवस समारोह का शुभारंभ किया। इस दौरान गृह मंत्री ने प्रदेश की जनता से भावनात्मक और निर्णायक अपील करते हुए कहा कि आने वाले चुनाव में जात-पात से ऊपर उठकर वंशवादी पार्टियों को पूरी तरह रिजेक्ट करें और फिर से एक बार भारतीय जनता पार्टी का कमल खिलाएं। उन्होंने कहा कि कभी उत्तर प्रदेश को लेबर सोर्स स्टेट कहा जाता था, लेकिन आज यह भारत की इकोनॉमी का फोर्स स्टेट बन चुका है। गृह मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास के लिए, उत्तर प्रदेश के युवाओं के भविष्य के लिए और देश की सुरक्षा के लिए एक बार फिर यहां पूर्ण बहुमत की, प्रचंड बहुमत की भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनानी आवश्यक है। ये परिवारवादी पार्टियां चाहे कांग्रेस हो, समाजवादी पार्टी या बहुजन समाज पार्टी, इस उत्तर प्रदेश का कल्याण नहीं कर सकतीं। उत्तर प्रदेश का कल्याण केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी ही कर सकती है।

प्रदेश को एक बार फिर सही दिशा में आगे बढ़ाने का निर्णय लेना होगा-अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश हर काल खंड में देश को सुरक्षित करने वाला राज्य बना है और आज उन्हें गर्व है कि फिर से एक बार इस प्रदेश में देशभक्ति की लौ जागृत हो चुकी है। उन्होंने याद दिलाया कि 2014, 2017, 2019 व 2022 में उत्तर प्रदेश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी का साथ दिया और अगला साल चुनाव का साल है, जिसमें प्रदेश को एक बार फिर सही दिशा में आगे बढ़ाने का निर्णय लेना होगा।

मोदी व योगी ने उत्तर प्रदेश के भीतर विकास की सारी संभावनाओं को तराशा-गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के भीतर विकास की सारी संभावनाओं को तराशकर अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास किया है। पीएम मोदी ने पूरे उत्तर प्रदेश को नेशनल हाईवे नेटवर्क से जोड़ने का काम किया है। आज उत्तर प्रदेश देश का वह राज्य है, जहां सबसे अधिक एयरपोर्ट हैं। भारत सरकार ने प्रदेश में डिफेंस कॉरिडोर की स्थापना की, जहां ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण हो रहा है।

लकड़ी माफियाओं ने हरे-भरे आम के पेड़ों को किया शाखा विहीन, विभाग मौन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः नगर में पर्यावरण संरक्षण के सरकारी दावों को ठेंगा दिखाते हुए लकड़ी माफियाओं ने दीपपुर रोड पर अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया है। मार्ग पर स्थित एक स्कूल के निकट खड़े तीन लहलहाते आम के पेड़ों को माफियाओं ने पूरी तरह से 'झाग' (शाखा विहीन) कर दिया है। क्षेत्र में चर्चा है कि माफियाओं ने अब पेड़ काटने का नया तरीका निकाला है—पहले पेड़ों को नंगा कर उन्हें सुखाया जाता है, ताकि बाद में कानूनी पेचीदगियों से बचकर उन्हें काटा जा सके। हैरानी की बात यह है कि मुख्य सड़क पर सरेआम प्रकृति के साथ खिलवाड़ हो रहा है, लेकिन वन विभाग की सुस्ती माफियाओं के हौसले बुलंद कर रही है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि विभाग केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित है और मौके पर कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे। इस मामले पर वन रेंजर कुमार ने औपचारिक बयान देते हुए कहा कि "मामला संज्ञान में आ चुका है और जांच के लिए टीम को रवाना किया जा रहा है।" हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि जब तक विभाग जागेगा, तब तक ये पेड़ अपना अस्तित्व खो चुके होंगे। वन विभाग की इस ढुलमुल कार्यप्रणाली के खिलाफ स्थानीय पर्यावरण प्रेमियों में गहरा रोष व्याप्त है।

बसंत पंचमी पर भंडारे के जरिए समाजसेवा का संदेश

» प्रवीण कुमार सिंह के आयोजन में हजारों लोगों ने ग्रहण किया प्रसाद
» जरूरतमंदों की सेवा के लिए निरंतर सक्रिय रहते हैं प्रवीण सिंह

लोकतंत्र की शान, देवेंद्र सिंह

सीतापुर(ब्यूरो)। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर शुक्रवार 23 जनवरी 2026 को जनपद में सेवा, सद्भाव और सामाजिक एकता की अनूठी मिसाल देखने को मिली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश महासचिव एवं लहरपुर विधानसभा प्रभारी प्रवीण कुमार सिंह द्वारा सकरन क्षेत्र के गोडयनपुरवा चौराहे पर विशाल भंडारे का आयोजन कराया गया, जिसमें राहगीरों, आसपास के गांवों के लोगों तथा जरूरतमंदों को प्रसाद वितरित किया गया। भंडारे में हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन का उद्देश्य केवल धार्मिक आस्था तक सीमित न रहकर समाज में सहयोग, परस्पर सद्भाव और मानव सेवा की भावना को मजबूत करना भी रहा। कार्यक्रम में बस्ती के जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह, बहराइच से प्रदेश महासचिव राजेश जायसवाल, कसमंडा से रामनरेश सिंह व अभिषेक सिंह सहित अनेक लोग शामिल हुए। भंडारे में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और आमजन की सहभागिता रही। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ललित सिंह, विकास खंड सकरन के पदाधिकारी तथा प्रमुख रूप से मनोज कुमार यादव, जयसिंह यादव, अकुल यादव, प्रदीप कुमार यादव, विनय सिंह, गुड्डू भार्गव, संतोष रस्तोगी, नसीम गाजी, सत्यराम यादव, शिवकुमार, श्यामू अवस्थी, राम सागर यादव अनुज निषाद अजय निषाद सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समाजसेवा से जुड़ा रहा है नाम प्रवीण कुमार सिंह -लंबे समय से सामाजिक कार्यों से जुड़े रहे हैं। बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री उपलब्ध कराना, ठंड के मौसम में जरूरतमंदों को कंबल व गर्म कपड़ों का वितरण, तथा गरीब व असहाय लोगों की मदद जैसे कार्यों में वे सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। यही कारण है कि उनका यह भंडारा आयोजन भी केवल धार्मिक कार्यक्रम न होकर समाजसेवा से जुड़ा प्रयास माना गया। आयोजन ने बसंत पंचमी के आध्यात्मिक महत्व के साथ मानव सेवा, सामाजिक समरसता और सहयोग की भावना को भी सशक्त किया।

'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश ''की थीम पर दिल्ली हाट में उत्तर प्रदेश दिवस-2026 का हुआ भव्य आयोजन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: उत्तर प्रदेश राज्य की स्थापना की एतिहासिक स्मृति को चिरस्थाई बनाने तथा प्रदेश सांस्कृतिक, समाजिक एवं विकासात्मक उपलब्धियों को व्यापक रूप से जन-जन तक पहुचाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा आज नई दिल्ली स्थित दिल्ली हाट में ''विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश '' की थीम पर उत्तर प्रदेश दिवस-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मा0 उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, पर्यटन, कला एवं सामाजिक योगदान को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मा0 उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन संभावनाओं एवं वैश्विक पहचान को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उत्तर प्रदेश देश का दिल और आत्मा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा 2018 से प्रत्येक वर्ष उत्तर प्रदेश दिवस मनाया जा रहा है। 24 जनवरी 2050 प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। 2017 से लेकर के 2026 तक उत्तर प्रदेश ने यह दिखा दिया कि वह एक संभावनाओं का प्रदेश है। उत्तर प्रदेश रामकृष्ण, गौतम की धरती, महावीर का ज्ञान वाला प्रदेश है। यह वह उत्तर प्रदेश है जहाँ बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी है। यह प्रदेश भगवान श्री राम की जन्मभूमि है। तीर्थराज प्रयाग जो तीर्थ का राजा कहलाता है। यहाँ प्रत्येक वर्ष माघ मेला होता है तथा कुंभ में करोड़ों की संख्या में लोग आते हैं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अगुवाई में उत्तर प्रदेश के अंदर पिछले लगभग 9 वर्षों में हर क्षेत्र में विकास किया है। रोजगार के अनेक अवसर पैदा करने का काम किया, माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व जो 25 करोड लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं, उसमें सर्वाधिक संख्या उत्तर प्रदेश की है,जब कोई भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था चलती है तो कई क्षेत्रों में विकास तीव्र गति से आगे होने लगता है। उन्होंने कहा की विकसित भारत बनाने में सबसे अधिक योगदान उत्तर प्रदेश का होगा। आज हम एक बीमारू राज्य नहीं है बल्कि विकास पथ पर तीव्र गत से चलने वाले राज्य है। कार्यक्रम में श्री लंका, मॉरीशस, कनाड़ा, रूस, सिंगापुर आदि विभिन्न देशों के माननीय राजदूतगण सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों ने सहभाग किया।

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 45 का निरीक्षण करतेःमहापौर

लोकतंत्र की शान : सुमन सिंह कटिहारः कटिहारःनगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 45 में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण महापौर श्रीमती उषा देवी अग्रवाल के द्वारा किया गया।निरीक्षण के क्रम में वार्ड में चल रहे योजनाओं का निरीक्षण किया गया एवं संबंधित पदाधिकारी और कर्मचारियों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभों का स्थल निरीक्षण किया गया।लाभार्थी को जल्द से जल्द मकान बनाने के लिए अनुरोध किया गया।मौके पर महिलाओं के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं को सुना।महापौर के साथ वार्ड संख्या 45 के निगम पार्षद श्रीमती खुशबू प्रवीण व नगर निगम के पदाधिकारी एवं वार्ड के कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

अंडर-19 वर्ल्ड कप, सरफराज खान का रिकॉर्ड तोड़ेंगे वैभव सूर्यवंशी!, भारतीय कप्तान का रिकॉर्ड भी निशाने पर

लोकतंत्र की शान : पटना। आज अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारत का तीसरा मुकाबला न्यूजीलैंड से है। मैच आज दोपहर 1 बजे से जिम्बाब्वे के बुलावायो में शुरू होगा। भारत अपना पहला दो मुकाबला जीतकर सुपर-सिक्स में जगह बना चुका है। बिहार के वैभव सूर्यवंशी आज के मुकाबले में सरफराज खान का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। उनके नाम अभी 1047 रन दर्ज हैं, जबकि सरफराज खान के 1080 रन हैं। ऐसे में वैभव को सरफराज से आगे निकलने के लिए सिर्फ 33 रन की जरूरत है। इतना ही नहीं, अगर वैभव इस मुकाबले में 102 रन बना लेते हैं तो भारतीय कप्तान शुभमन गिल और उन्मुक्त चंद के 1149 यूथ वनडे रनों का रिकॉर्ड भी टूट जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड का यह लीग स्टेज का आखिरी मैच है। भारत ने अब तक दोनों मुकाबले जीतकर ग्रुप-बी में टॉप पर जगह बनाई है। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे मैच में वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 वर्ल्ड कप में विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा था। वे विराट के रिकॉर्ड तोड़ने से 3 रन दूर थे। वैभव ने 4 रन बनाने के साथ ही यूथ वनडे में इंडिया के टॉप स्कोरर की लिस्ट में कोहली को पीछे छोड़ दिया। यूथ वनडे में भारत के टॉप स्कोरर की लिस्ट में वैभव सूर्यवंशी 8वें से 7वें नंबर पर आ गए हैं।

बिहार में होगा 'दंगल', विजेता को 1 लाख इनाम, जमुई स्टेडियम में 14-15 फरवरी को प्रतियोगिता संभावित

लोकतंत्र की शान : पटना। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की ओर से फरवरी में मल्लयुद्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस साल इस प्रतियोगिता का नाम 'दंगल' रखा गया है। दो दिवसीय यह प्रतियोगिता 14 और 15 फरवरी को संभावित है। इस बार दंगल का आयोजन जमुई के एसके सिंह स्टेडियम में किया जाएगा। इसमें प्रथम आने वाले को 1 लाख रुपए, दूसरे स्थान पर रहने वाले को 50 हजार और तीसरे स्थान वाले को 25 हजार रुपए का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने कहा कि, इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए एंट्री ऑनलाइन होगी। इसके लिए पोर्टल खोला जाएगा जिसमें लिंक के माध्यम से खिलाड़ी उसमें रजिस्टर कर सकते हैं। वेट कैटेगरी के अनुसार खिलाड़ी अपना एंट्री डाल सकते हैं। खासबात यह है कि हर खिलाड़ी को ऑनलाइन ही पता चल जाएगा कि उनका मुकाबला किस खिलाड़ी के साथ होगा, ताकि पारदर्शिता के साथ मल्लयुद्ध प्रतियोगिता का आयोजन हो। रवीन्द्रण शंकरण ने आगे बताया कि, हर साल बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की ओर से मल्लयुद्ध का कार्यक्रम किया जाता है। मेरा आग्रह है कि बिहार में जितने भी मल्लयुद्ध के अखाड़े हैं, जैसे बेतिया बगहा से लेकर गया और बक्सर से लेकर मुंगेर भागलपुर तक, सभी इस कार्यक्रम में भाग लें। इस प्रतियोगिता का आयोजन लड़कों के लिए चार वेट कैटेगरी में और लड़कियों के लिए तीन वेट कैटेगरी में होगा। इस प्रतियोगिता की तारीख अभी तय नहीं की गई है, लेकिन 14 और 15 फरवरी को यह संभावित है।

6 शहरों में घना कोहरा, राजगीर सबसे ठंडा- 7°C न्यूनतम तापमान, पटना से जाने वाली 1 ट्रेन कैंसिल, 3 लेट

लोकतंत्र की शान : पटना। बिहार में जनवरी लास्ट या फरवरी फर्स्ट वीक में ठंड फिर बढ़ सकती है। शनिवार को आरा, बेतिया, बगहा, गोपालगंज समेत 6 शहरों में घना कोहरा देखने को मिला। बीते 24 घंटे में राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान नालंदा के राजगीर में दर्ज किया गया, जहां पारा 7.3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। तापमान में गिरावट के बावजूद ठंड का असर सामान्य बना हुआ है और शीतलहर जैसी स्थिति कहीं भी देखने को नहीं मिली है। बिहार में न्यूनतम तापमान 8 से 14 डिग्री सेल्सियस के बीच बने रहने का अनुमान है। सुबह-शाम हल्की ठंड का एहसास जरूर होगा, लेकिन दिन में मौसम शुष्क और साफ रहेगा। पटना से जाने वाली 1 ट्रेन कैंसिल और 3 गाड़ियां देरी से चल रही हैं

मौसम विभाग के वैज्ञानिक ने क्या कहाः मौसम विभाग के वैज्ञानिकों का कहना है कि राज्य में फिलहाल मौसम स्थिर बना हुआ है। वैज्ञानिक के अनुसार, 'बिहार में इस समय किसी मजबूत पश्चिमी विक्षोभ या उत्तर-पश्चिमी ठंडी हवाओं का प्रभाव नहीं है। इसी कारण तापमान में बड़ी गिरावट देखने को नहीं मिल रही है। अगले 4 से 5 दिनों तक मौसम इसी तरह सामान्य रहने की संभावना है'। उन्होंने यह भी बताया कि रात के तापमान में हल्का उतार-चढ़ाव हो सकता है, लेकिन ठंड के अचानक बढ़ने की कोई स्थिति नहीं बन रही है।

हाजीपुर में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता, मतदान जागरूकता पर जोर दिया

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। केंद्रीय विद्यालय हाजीपुर में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के माध्यम से समाज में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री संजय कुमार ने किया। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार होने के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। उन्होंने छात्रों को भविष्य में जिम्मेदार और जागरूक मतदाता बनने के लिए प्रेरित किया।

प्रभावशाली नारों ने ध्यान आकर्षित कियाः प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने पोस्टरों के माध्यम से कई प्रभावशाली संदेश दिए। इनमें "पहले मतदान, फिर जलपान", "मेरा वोट-मेरी ताकत" और "लोकतंत्र की मजबूती, हर वोट की जिम्मेदारी" जैसे नारे शामिल थे, जिन्होंने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इसके बाद, विद्यालय के परीक्षा नियंत्रक और शिक्षक श्री सुकेश कुमार ने सभी विद्यार्थियों और उपस्थित शिक्षकों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई। इस दौरान सभी ने निष्पक्ष और निर्भीक होकर मतदान करने का संकल्प लिया।

राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने के संदेशः इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिकाएं बिनीता कुमारी, मित्री कुमारी, प्रियंका कुमारी तथा शिक्षक राजू कुमार, अकबर अंसारी, ऋषि कुमार, शिवम प्रियदर्शी, अविनाश कुमार सहित अन्य शिक्षक-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने के संदेश के साथ हुआ। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों की सराहना की गई, और विद्यालय परिवार ने ऐसे कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने का संकल्प लिया।

बिहार से 450 युवाओं को सौंपा गया नियुक्ति पत्र

केंद्रीय मंत्री बोले- पूरी दुनिया में तेजी से आगे बढ़ रही है भारत की अर्थव्यवस्था

लोकतंत्र की शान , पटना

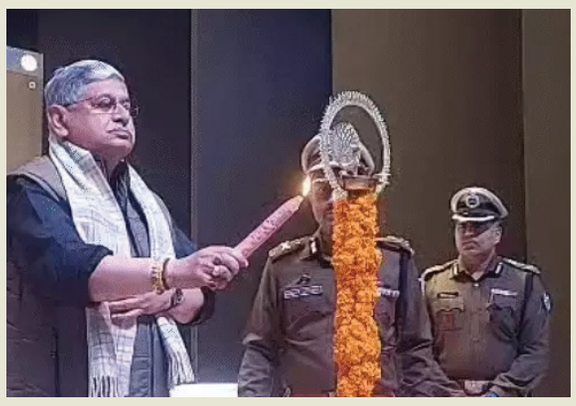

रोजगार मेला के तहत आज पटना के ऊर्जा स्टेडियम में भव्य कार्यक्रम का आयोजन SSB की ओर से किया गया। पूरे देशभर के 45 स्थानों पर 61000 अभ्यर्थियों के नियुक्ति पत्र बांटे गए। बिहार में केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑनलाइन संबोधन करते हुए कहा कि 61000 से अधिक नौजवान आज नई शुरुआत कर रहे हैं। यह विकसित भारत के निर्माण का संकल्प पत्र है। मैं आप सभी युवाओं को बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं नियुक्ति पत्र के लिए दे रहा हूं। पीएम मोदी भारत दुनिया के सबसे युवाओं देशों में से एक है। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि अलग अलग देशों में अपने देश के युवाओं के लिए अवसर बढ़े। आज भारत एक बड़ा मैनुफैक्चरिंग पावर बनते जा रहा है। "नागरिक देवो भव" पर सभी सेवक काम करें।

450 युवाओं को रोजगार पत्र दिए गएः केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा कि, 'प्रधानमंत्री का लक्ष्य 10 लाख युवाओं को रोजगार देना है। आज इस केंद्र से बिहार के 450 युवाओं को रोजगार दिए जा रहे हैं। यह देश आने वाले समय में पूरी दुनिया में स्टार्टअप का हब बनने जा रहा है। हर तरीके से प्रधानमंत्री देश के युवाओं को रोजगार की दिशा में मदद कर रहे हैं। देश में निर्मित सामानों के यूज पर बल दिया जा रहा है। यह संकल्प देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाएगा।'

SSB के IG ने गृहमंत्री का जताया आभारः सशस्त्र सीमा बल के महानिरीक्षक निशित कुमार उज्ज्वल ने कहा कि, '18 वें संस्करण में आज पूरे देश में किया गया है। गृह मंत्रालय की ओर से बिहार में इसके आयोजन की जिम्मेदारी शस्त्र सीमा बल को सौंपी गई है। इसके लिए गृहमंत्री का आभार प्रकट करता हूं।'

भाई वीरेंद्र बोले-पार्टी नेतृत्व की गलत रणनीति से चुनाव हारे

लोकतंत्र की शान , पटना

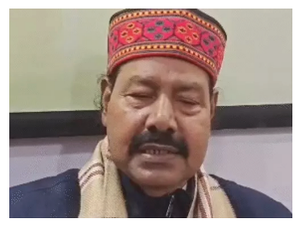

- मनेर विधायक का इशारों में तेजस्वी पर निशाना, कहा- जमीनी कार्यकर्ताओं की अनदेखी हुई

बिहार चुनाव में आरजेडी की हार के बाद पार्टी के भीतर सवाल उठने लगे हैं। मनेर से आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने चुनाव में हार को लेकर पार्टी नेतृत्व की रणनीति और टिकट बंटवारे के तौर-तरीकों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि गलत रणनीति और टिकट बंटवारे की चूक ने पार्टी को भारी नुकसान पहुंचाया। दरअसल, शुक्रवार को एक कार्यक्रम में भाई वीरेंद्र ने चुनाव में विजय मंडल के टिकट काटे जाने पर नाराजगी व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने इशारों में तेजस्वी यादव के फैसले पर सवाल उठाए। RJD विधायक ने कहा पार्टी को चुनाव में हार का सामना इसलिए करना पड़ा, क्योंकि जमीनी कार्यकर्ताओं और मजबूत दावेदारों की अनदेखी की गई।

भाई वीरेंद्र ने कहा, 'जो लोग वर्षों से पार्टी के लिए काम कर रहे थे, उन्हें टिकट नहीं दिया गया, जबकि कई बाहरी और कमजोर उम्मीदवारों को मौका दे दिया गया। चुनावी रणनीति में गंभीर चूक हुई है और इसी का खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ा।'

विजय मंडल का टिकट कटने पर उठाए सवालः विधायक ने आगे कहा, 'जब चुनाव में कार्यकर्ता ही उत्साहित नहीं होंगे, तो उसका सीधा असर नतीजों पर पड़ेगा।' उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि वे और विजय मंडल एक साथ विधायक बने थे, लेकिन इस बार चुनाव में विजय मंडल का टिकट काट दिया गया। भाई वीरेंद्र ने कहा, 'मुझे यह बात नहीं कहनी चाहिए, लेकिन जब मजबूत और अनुभवी लोगों को बाहर कर दिया जाएगा तो नुकसान तो होगा ही।'

कर्पूरी ठाकुर का 102वी जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह कटिहार

कटिहारः टाऊन लेवल फेडरेशन के तत्वाधान में आज स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर जी की 102वी जयंती बड़े ही आस्था पूर्वक स्थानीय जेपी चौक के एक दुकान पर मनायी गई। जिसकी अध्यक्षता महासचिव मुकेश ठाकुर ने की और मुख्य अतिथि के रूप में टाऊन लेवल फेडरेशन के अध्यक्ष राजेश गुरनानी भी मौजूद रहे तथा इस अवसर पर नाई समाज के तमाम सम्मानित कार्यकर्ता गण एवं फुटपाथ विक्रेता गण उपस्थित रहे सबों ने मिलकर भारत रत्न स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर के नाम पर हर शहर में मुख्य मार्ग का नामांकरण हो और उनकी जयंती के अवसर पर सरकारी अवकाश घोषित किया जाए तथा हर शहर में भारत रत्न जननायक कर्पूरी सामुदायिक भवन का निर्माण कराया जाय सरकार से मांग करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में राजेश गुरनानी ने कहा कि जब स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर जी की मां का स्वर्गवास हुआ तब उन्होंने शांति भोज का आयोजन नहीं करके उस पैसों से अपने गांव में स्कूल का निर्माण किया जो आज तक गरीब बच्चों को शिक्षा देते हुए आ रहा है इस तरह की सोच आज के नेताओं में खासकर वो सभी नेता जो पद पर है उनमें होनी चाहिए जब उनकी संपत्ति का आकलन हुआ तो उनके नाम पर सिर्फ पलंग धोती और कुछ ही पैसों उनके पास थे जो एक आदर्श प्रस्तुत करते हैं जयंती समारोह में अशोक ठाकुर, दिनेश ठाकुर, सुबोध ठाकुर,धर्मेंद्र ठाकुर,अशर्फी ठाकुर, हरेराम ठाकुर,दिलीप ठाकुर,दीपक ठाकुर, संतोष बांसफोर, श्याम कुमार रविदास,वीरेंद्र कुमार राय,विपिन सिंह,विशन देव,अमरजीत कुमार, राजेशकुमार,छोटू कुमार आदि लोग उपस्थित थे।

कटिहार पुलिस की बड़ी सफलता महज 48 घंटे में चोरी कांड का उद्भेदन

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह कटिहार

कटिहारः नगर थाना पुलिस ने महज 48 घंटे के अंदर एक बड़ी चोरी कांड का सफल उद्भेदन किया है। इस मामले में पुलिस ने पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से लगभग 1.3 किलोग्राम चाँदी के आभूषण, 12 ग्राम सोने के आभूषण और नगद 72,550 रुपये बरामद किए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में नूरूल आलम उर्फ नुरूल, साहेब खान उर्फ शेख साहेब, सुंदर खान उर्फ मुन्ना, मो० तामिल राजा और औकार आलम शामिल हैं। ये सभी अभियुक्त अमदाबाद थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार नगर थाना क्षेत्र के न्यू मार्केट स्थित वर्मा ज्वैलर्स में 20 जनवरी की रात मे अज्ञात चोरों ने दुकान के पाँच ताले तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। इस चोरी में लगभग 26 लाख 90 हजार रुपये की संपत्ति की चोरी हुई थी। पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी ने बताया कि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया था। टीम ने सी०सी०टी०वी० फुटेज और वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर इन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों के अपराधिक इतिहास की जानकारी ली जा रही है। आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का संदेश, दानापुर में छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

लोकतंत्र की शान , पटना

- दहेज प्रथा- नशाखोरी उन्मूलन को लेकर लगे नारे

दानापुर में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास निगम की महत्वाकांक्षी योजना 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम दानापुर कैंट स्थित +2 जानकधारी उच्च विद्यालय परिसर में हुआ, जिसमें दानापुर के विभिन्न स्कूलों से बड़ी संख्या में छात्राओं, शिक्षकों और विशेषज्ञों ने भाग लिया।

स्कूली छात्राओं ने निकाली गई जागरूकता रैलीः कार्यक्रम की शुरुआत विभिन्न स्कूलों की छात्राओं ने निकाली गई जागरूकता रैली से हुई। इस रैली को बीडीओ आलोक कुमार, सीओ चंदन कुमार और बीईओ विनोद कुमार विकास ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली स्कूल से प्रारंभ होकर अलख सिन्हा मार्ग, एमईएस पुल, सैनिक चौक, बीआरसी शहीद स्मारक तक गई और उसी मार्ग से वापस स्कूल में समाप्त हुई। विद्यालय की शिक्षिकाएं भी छात्राओं के साथ रहीं।

प्रथा, नशाखोरी के उन्मूलन को लेकर लगे नारेः रैली में शामिल छात्राओं ने भ्रूण हत्या, बाल विवाह, दहेज प्रथा और नशाखोरी के उन्मूलन को लेकर नारे लगाए। इस अवसर पर बालिकाओं ने अभिभावकों को जागरूक करते हुए कहा कि बेटा-बेटी में अंतर न करें, बेटी है तभी परिवार है, दहेज लेकर बहू न लाएं, भ्रूण में बेटी होने पर भ्रूण हत्या न करें और बेटी को जरूर पढ़ाएं। जागरूकता रैली के साथ ही स्कूल प्रांगण में छात्राओं के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता और वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

बालिकाओं का सशक्तिकरण समाज के समग्र विकास की नींव- सीओः इस दौरान दानापुर के सीओ चंदन कुमार ने बताया कि, बालिकाओं का सशक्तिकरण किसी भी समाज के समग्र विकास की मजबूत नींव है। उन्होंने जोर दिया कि बेटियों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और समान अवसर प्रदान करके ही एक सशक्त समाज और मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने छात्राओं को आत्मविश्वासी बनने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने आगे बताया कि इस कार्यक्रम में दानापुर के दस से अधिक विद्यालयों की छात्राओं ने भाग लिया।

बड़े धूमधाम से मनाया गया सरस्वती पूजा

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह कटिहार

कटिहारः कोलासी में ज्ञान वाटिका शिक्षण संस्थान की ओर से सरस्वती पूजा बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर छात्र एवं छात्राओं के अलावे शिक्षकों ने मां सरस्वती की पूजा अर्चना की और विद्या के प्रति अपनी श्रद्धा और समर्पण प्रकट किया।सरस्वती पूजा को वसंत पंचमी के रूप में भी जाना जाता है, जो ज्ञान, संगीत और कला की देवी मां सरस्वती को समर्पित है। वही ज्ञान वाटिका के डायरेक्टर राघव भारतद्वाज ने बताया कि पिछले दस वर्षों से लगातार मां सरस्वती की पूजा संस्थान में बड़े ही धूम धाम के साथ मनाया जाता आ रहा है।उन्होंने कहा कि छात्र एवं छात्राओं को कठोर मेहनत और परिश्रम साथ पढाई करनी चाहिए।

उज्जैन मंदिर थीम पर बनाया गया सरस्वती पूजा पंडाल

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह कटिहार

कटिहारः नगर निगम क्षेत्र के मिर्चाईबारी स्थित सनराइज क्लब मे उज्जैन मंदिर की थीम पर सरस्वती पूजा पंडाल का निर्माण किया गया है।आयोजक मयंक राज ने बताया कि यह आयोजन पिछले चार वर्षों से भोला मिष्ठान गली में किया जा रहा है। इस पंडाल का उद्देश्य मां सरस्वती की पूजा-अर्चना करना और उज्जैन के ऐतिहासिक महत्व को प्रदर्शित करना है। उन्होंने कहा कि उज्जैन मध्य प्रदेश का एक प्रमुख धार्मिक नगर है, जो अपने ऐतिहासिक मंदिरों और ज्योतिर्लिंगों के लिए प्रसिद्ध है।<पूर्व में महाकालेश्वर मंदिर, और काल भैरव मंदिर के थीम पर पूजा पंडाल का निर्माण किया गया था, महाकालेश्वर मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। हरसिद्धि मंदिर शक्ति की देवी को समर्पित है और उज्जैन के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है।

सरस्वती पूजा के बाद आज होगा मूर्ति विसर्जन

लोकतंत्र की शान , पटना

- पटना में बने 7 आर्टिफिशियल तालाब, नियम तोड़ने पर लगेगा भारी जुर्माना

कल पांच शुभ योग में सरस्वती पूजा मनाई गयी। एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर वसंत पंचमी की बधाई दी। आज मां सरस्वती के प्रतिमा का विसर्जन होगा। इसके लिए पटना नगर निगम की ओर से विभिन्न घाटों पर कुल 7 आर्टिफिशियल तालाब बनाए गए हैं। ये तालाब विशेष रूप से पूजा के दौरान मूर्ति और पूजन सामग्री के विसर्जन को लेकर बनाए गए हैं। निर्धारित स्थलों के अतिरिक्त किसी अन्य स्थान पर विसर्जन किए जाने पर संबंधित व्यक्तियों पर कार्रवाई के साथ जुर्माना भी लगाया जाएगा।

4 अंचल में बनाए गए 7 आर्टिफिशियल तालाबः बांकीपुर अंचल में लॉ कॉलेज घाट, पाटलिपुत्र अंचल में पाटीपुल घाट और मीनार घाट, अजीमाबाद अंचल में घाट और मित्तन घाट, पटना सिटी अंचल में कंगन घाट और दमराही घाट में आर्टिफिशियल तालाब बनाए गए हैं। इस दौरान कपड़े से बैरिकेडिंग की गई और लाइट भी लगाया गया। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने कहा कि इन आर्टिफिशियल तालाबों की व्यवस्था की जा रही है, ताकि जलस्रोतों की स्वच्छता बनी रहे। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि सरस्वती पूजा का आयोजन पर्यावरणीय दायित्व के साथ सुनिश्चित किया जाए।

अपने संबंधित अंचल में बने कृत्रिम तालाब में ही करें मूर्ति विसर्जनः सरस्वती पूजा के दिन पटना नगर निगम की टीम अपने निर्धारित अंचल में बने पंडालों में घूमेगी और मॉनिटरिंग करेगी कि मानक के अनुसार पंडाल बैठे हो। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने लोगों से अपील की है कि जहां पर भी पंडाल बनाकर मूर्ति बैठाई जा रही है, वहां पर स्वच्छता का ध्यान रखा जाए। पूजन सामग्री को जहां-तहां न फेंके। सूखा और गीला कचरा के लिए अलग-अलग डस्टबिन रखें। वहीं, मूर्ति विसर्जन अपने संबंधित अंचल में बने कृत्रिम तालाब में ही जाकर करें।

पटना शहर को स्वच्छ रखने और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पटना नगर निगम द्वारा ये तैयारियां की गई है। गंगा नदी सहित अन्य जलस्रोतों को प्रदूषण से बचाने के लिए पटना नगर निगम द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। सरस्वती पूजा के अवसर पर अभियान को पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए पटना नगर निगम की विशेष जागरूकता टीमें भी घाटों पर तैनात रहेंगी। ये टीमें श्रद्धालुओं एवं पूजा समितियों को प्लास्टिक रैपर, पॉलीथिन तथा अन्य नॉन-बायोडिग्रेडेबल सामग्री के उपयोग से बचने के लिए प्रेरित करेगी।

मां सरस्वती की प्रतिमा विसर्जन को लेकर पटना जिला स्वास्थ्य विभाग ने पुख्ता व्यवस्था की है। पटना सिविल सर्जन डॉ. अविनाश कुमार सिंह ने जिले के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश दिया है, ताकि आपात स्थिति में त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके। सिविल सर्जन ने बताया कि जिला नियंत्रण कक्ष में विशेष स्वास्थ्य टीम की तैनाती की जाएगी, जो 24 घंटे स्थिति पर नजर रखेगी।

ख़ास ख़बर

पानीपतः देश में शिक्षा का स्तर विश्व स्तरीय; अनुराग ठाकुर

लोकतंत्र की शान : पानीपत। पानीपत नौल्था स्थित गीता यूनिवर्सिटी में दूसरा दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। इसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग ठाकुर और हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पवार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर अनुराग ठाकुर व कृष्ण लाल पवार ने छात्रों को डिग्रियां वितरित की। अनुराग ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि गीता यूनिवर्सिटी ने देश-विदेश में अपनी पहचान बनाई है और अब वर्तमान समय पर देश में शिक्षा का स्तर विश्व स्तरीय होता जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार प्राथमिकता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार शिक्षा के साथ स्किल को भी बढ़ावा दे रही है। ताकि कोई भी युवा बेरोजगार न रहे। हर युवा का अपना खुद का कारोबार हो और भारत का युवा विश्व के मानचित्र पटल पर अपना व देश का नाम रोशन कर सके। जिसके लिए सरकार ने युवाओं को रोजगार देने के लिए कई योजनाएं चलाई है , ताकि युवाओं को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। हरियाणा के पंचायत एवं विकास मंत्री कृष्ण लाल पवार ने कहा कि हरियाणा सरकार शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयासरत है। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में शिक्षा को देश में नंबर वन पर लाने का प्रयास किया जा रहा है ताकि आज का युवा विश्वस्तरीय शिक्षा ग्रहण कर सके।

हमारा देश एक भारत श्रेष्ठ भारत का साकार रूप :राज्यपाल

लोकतंत्र की शान : जयपुर। लोकभवन में शनिवार को उत्तरप्रदेश,त्रिपुरा,मेघालय और मणिपुर राज्यों का स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इन राज्यों के राजस्थान में रहने वाले निवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए सभी को राष्ट्र निर्माण में सहभागिता निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उत्तरप्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री और सासंद डॉ. दिनेश शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल बागडे ने कहा कि विविधता में एकता लिए हमारा देश एक भारत श्रेष्ठ भारत है। राज्यों के स्थापना दिवस मनाने का उद्देश्य यही है कि विविधता में एकता की हमारी संस्कृति को हम उत्सव रूप में मनाएं। उन्होंने उत्तरप्रदेश को देश का सबसे बड़ा राज्य बताते हुए भारत के भाल रूप में इस राज्य की सांस्कृतिक विशेषताओं की चर्चा की। उन्होंने कहा कि अयोध्या का राम लला का मंदिर और कुंभ का ऐतिहासिक प्रयागराज मेला विश्व के बड़े आकर्षण है। राज्यपाल ने मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा को पूर्वोत्तर के प्रमुख राज्य बताते हुए इन राज्यों की जनजातीय और प्रकृति से जुड़ी संस्कृति को महत्वपूर्ण बताया। सासंद डॉ. दिनेश शर्मा ने उत्तरप्रदेश राज्य की विशेषताओं की चर्चा करते हुए कहा कि भारत का यह सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन केंद्र ही नहीं है, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टि से समृद्ध संपन्न और तेजी से विकास की ओर बढ़ता राज्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में उत्तरप्रदेश में सभी के समान विकास को गति दी गई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में सर्वाधिक उत्तरप्रदेश के निवासी हैं और उत्तरप्रदेश में राजस्थान के सर्वाधिक लोग निवास करते हैं। यह राज्य पड़ोसी राज्यों के साझा विकास का संवाहक है। इससे पहले राज्यपाल ने उत्तरप्रदेश, मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा राज्य के निवासियों से संवाद किया। यहां लोगों ने अपने अनुभव साझा किए। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

ग्रुप हाउसिंग सोसायटी में परिवरों को स्वतंत्र बिजली कनेक्शन देने के आदेश

लोकतंत्र की शान : जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने ग्रुप हाउसिंग सोसायटी में परिवारों को स्वतंत्र विद्युत कनेक्शन नहीं देने को संविधान के अनुच्छेद 21 के विपरीत माना है। वहीं अदालत ने डवलपर को सिंगल पाइंट विद्युत कनेक्शन देने के प्रावधान के बावजूद याचिकाकर्ता परिवारों को स्वतंत्र विद्युत कनेक्शन का हक दिलाया है। अदालत ने जयपुर डिस्कॉम से कहा कि याचिकाकर्ताओं को दो माह में कनेक्शन जारी करे। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस रवि चिरानिया की खंडपीठ ने यह आदेश वाटिका इंफोटेक सिटी निवासी जनक सिंह हाडा व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि जेवीवीएनएल का याचिकाकर्ताओं को स्वतंत्र बिजली कनेक्शन देने से इनकार करना मनमाना और नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। याचिकाकर्ताओं की ओर से कोर्ट को बताया कि ग्रुप हाउसिंग सोसायटी में डवलपर को सिंगल पोइंट कनेक्शन के प्रावधान के कारण याचिकाकर्ताओं को 10 साल से स्वतंत्र विद्युत कनेक्शन नहीं दिया जा रहा है। जबकि पानी-बिजली जीने के लिए आवश्यक है।

नैनीताल में बर्फबारी के बाद खिली धूप, उमड़े सैलानी, नगर में विद्युतापूर्ति प्रभावित

लोकतंत्र की शान : नैनीताल। शुक्रवार को पूरे उत्तराखंड प्रदेश में हुई बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हुई बर्फबारी के बाद शनिवार को नगर में आसमान में बादलों की मौजूदगी और ठंडी हवाओं के साथ धूप खिली है। नगर के निचले क्षेत्रों में गिरी बर्फ साथ में हुई बारिश से पिघल चुकी है, अलबत्ता ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ अभी भी बची हुई है और बर्फबारी के बाद नैनीताल सहित पहाड़ों पर सैलानियों का उमड़ना सुबह से ही शुरू हो गया है, और आगे भी अच्छी संख्या में सैलानियों के आने की संभावना के साथ पर्यटन व्यवसायी उत्साहित हैं। नगर के होटल, गेस्ट हाउस और होम स्टे आदि भी भरने लगे हैं। सड़कों पर पर्यटकों के वाहन और टैक्सियां भी अचानक बढ़ गये हैं। सैलानी किलबरी रोड पर हिमालय दर्शन एवं सत्यनारायण मंदिर के आगे के मोढ़ पर पहुंच रहे हैं और बर्फ में खेलने का आनंद उठा रहे हैं। यहां नैना पीक में सर्वाधिक बर्फबारी हुई है। कई उत्साही सैलानी और प्रकृति प्रेमी छायाकार वहां भी फोटो खींचने के लिये पहुंच रहे हैं। इधर भारत मौसम विभाग के अनुसार आज नैनीताल का अधिकतम तापमान 11 और न्यूनतम 4 डिग्री सेल्सियस है, और अगले 3 दिन मौसम आसमान में बादलों की मौजूदगी के साथ यथावत रहने और 27-28 जनवरी को फिर बारिश की संभावना जतायी गयी है। दूसरी ओर नैनीताल के मल्लीताल क्षेत्र में कल शाम बारिश के बाद से ही बिजली और इसके कारण पेयजल की आपूर्ति बंद है। इसके साथ ही लोगों को इंटरनेट की सेवा भी नहीं मिल पा रही है। जबकि रात्रि से कई जगह सड़कों पर बर्फ जमने के कारण वाहनों का आवागमन प्रभावित हुआ।

विधानसभा सीधी में ब्लॉक कांग्रेस की संगठनात्मक बैठकों का आयोजन

लोकतंत्र कि शान, रामबिहारी पांडेय ब्यूरो

सीधी। बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने जुटे कांग्रेसजनः- ज्ञान सिंह जिला कांग्रेस कमेटी सीधी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह के मुख्य आतिथ्य में जिला कांग्रेस कार्यालय जवाहर भवन, सीधी में सीधी विधानसभा अंतर्गत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सीधी शहर, सेमरिया, बरमबाबा एवं कुचवाही के मंडलम एवं सेक्टर पदाधिकारियों की अलग–अलग महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठकें सफलतापूर्वक संपन्न हुईं। बैठकों में संगठन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए उसे और अधिक मजबूत बनाने, आगामी राजनीतिक एवं जन आंदोलनों की रणनीति तय करने तथा आम जनता से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी मंडल एवं सेक्टर पदाधिकारियों ने एकजुट होकर कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त करने का संकल्प लिया। बैठकों को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की असली ताकत उसका कार्यकर्ता है। जब तक संगठन बूथ स्तर पर मजबूत नहीं होगा, तब तक जनता की आवाज को प्रभावी ढंग से नहीं उठाया जा सकता। हमें आपसी समन्वय के साथ जनता के बीच रहकर उनके सुख-दुख में सहभागी बनना होगा। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों से आम जनता त्रस्त है और कांग्रेस पार्टी ही एकमात्र ऐसा विकल्प है जो गरीब, किसान, मजदूर, युवा और महिलाओं के हितों की रक्षा कर सकती है। इसके लिए प्रत्येक पदाधिकारी को अपने क्षेत्र में सक्रिय रहकर संगठन को मजबूत करना होगा। ज्ञान सिंह ने आगामी कार्यक्रमों को लेकर कहा कि पार्टी द्वारा जनहित से जुड़े मुद्दों पर आंदोलन, जनसंवाद और संगठन विस्तार के कार्यक्रम लगातार चलाए जाएंगे, जिसमें मंडल एवं सेक्टर पदाधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। बैठकों में प्रमुख रूप से महामंत्री नवीन सिंह, महामंत्री ज्ञानेंद्र अग्निहोत्री, ब्लॉक अध्यक्षगण लालवेंद्र सिंह, अरविंद तिवारी, विवेक सिंह 'दीपू', सुंदरलाल सिंह सहित विभिन्न मंडलम एवं सेक्टर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बहरी पुलिस की पकड़ में फिर आया रेत उत्खनन करता वाहन

लोकतंत्र कि शान, रामबिहारी पांडेय ब्यूरो

सीधी। पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के कुशल निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में जिले में खनिज माफियाओं के विरुद्ध कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी क्रम में थाना प्रभारी बहरी, निरीक्षक राजेश पांडेय के नेतृत्व में में पुलिस टीम ने भरुही नदी में दबिश देकर अवैध रेत उत्खनन की कोशिश को नाकाम करते हुए वाहन व आरोपी चालक के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की है।

भोर की दबिश और पुलिस की घेराबंदी-थाना प्रभारी बहरी निरीक्षक राजेश पांडेय को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम भरुही का आशीषधर द्विवेदी अपने टाटा 407 वाहन (क्रमांक UP 64 T 6055) में भरुही नदी घाट से अवैध रेत लोड कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए तत्काल मौके पर पहुंची। जैसे ही पुलिस की टीम ग्राम भरुही में नदी घाट के समीप पहुँची, वाहन चालक को पुलिस की आहट मिल गई। पकड़े जाने के डर से चालक ने आनन-फानन में वाहन को नदी से बाहर निकाला और चढ़ाई पर ही आधी ट्राली रेत खाली कर वाहन खड़ा कर दिया।

आरोपी गिरफ्तार और वाहन जब्त-पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए मौके से वाहन को घेरकर जब्त कर लिया और चालक को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान चालक ने अपना नाम आशीषधर द्विवेदी पिता चतुराजधर द्विवेदी, उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम भरुही होना बताया। पुलिस ने सुबह लगभग 3:10 बजे गवाहों के समक्ष वाहन टाटा 407 को जप्त कर अपने कब्जे में ले लिया है। इस कार्यवाही के माध्यम से पुलिस ने स्पष्ट संकेत दिया है कि अवैध उत्खनन पर पुलिस की पैनी नजर और कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

सराहनीय भूमिकाः- इस सफल कार्यवाही में थाना प्रभारी बहरी निरीक्षक राजेश पांडेय, सउनि अविनेश चौधरी और आर0 रजनीश द्विवेदी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पूजापार्क की तीसरे दिन की कथा में बोले कथा वाचक

» मानव तन की सार्थकता भगवत भजन में है- बालाव्यंकटेश

लोकतंत्र की शान

सीधी। पूजापार्क सीधी में चल रही भागवत कथा के तीसरे दिन की शुभारंभ व्यासपीठ एवं कथा व्यास पं बालाव्यंकटेश शास्त्री जी महराज की अभ्यार्चना से हुआ। एडवोकेट लालमणि सिंह चौहान, शिवकुमार शिव, बृजमोहन ब्रजेश, सुरेन्द्र सिंह बोरा, समिति की अध्यक्ष श्री मती कुमुदिनी सिंह, एडवोकेट रामजी गुप्ता, नीलाम्बर सिंह, अंजनी सिंह सौरभ, अवनीन्द्र मिश्रा तथा मंच संचालक डा श्रीनिवास शुक्ल सरस आदि ने माल्यार्पण से कथा व्यास पं बालाव्यंकटेश शास्त्री जी स्वागत अभिनन्दन किये। कथा को विस्तार देते हुए कथा प्रवक्ता जी ने बताया कि हम लोगों के जीवन में कर्मेन्द्रियों एवं ज्ञानेन्द्रियों का मोह है जिससे परीक्षित बनने से अवरोध उत्पन्न होता है। महराज जी ने आगे कहा कि जिसके भीतर ईर्ष्या द्वेश नही होता वही होता है सन्त महात्मा और सनातन ध्वज का प्रबल पोषक। कथा व्यास जी ने श्रोताओ को बताया कि मानव तन की सार्थकता तभी है जब हम परीक्षित जैसा सम्प्रश्न करके परीक्षित भाव के समर्थक बन जायें। कथा को सरलीकरण करके शास्त्रसम्मत उद्धरण दृष्टान्त देकर कथा व्यास जी ने बोधगम्य भाषा के माध्यम से कहा कि 'मानव तन की सार्थकता है भगवत दर्शन में'। इसलिए भागवत का लाभ उन सभी श्रोताओं को उतना ही मिलता है जितना आयोजनकर्ता को। कथा प्रसंग में सीता का उद्धरण देकर बहुत सरल लहचे में बताया कि प्रभु श्रीकृष्ण को याद रखना ही सम्पत्ति और भूलना विपत्ति है किन्तु जो न भगवान को याद रखते न ही भूलते उनको अति विपत्ति आती है। अतएव हम सबको भगवत भजन में मन लगाना चाहिए। कथा में पूर्व मंत्री कमलेश्वर द्विवेदी,पूर्व विधायक सुखेंद्र सिंह बन्ना,सुरेश सिंह डेम्हा,संजय सिंह चौहान बघबारी,एल केशर्मा,तुलसीदास मिश्रा आदि की उपस्थिति विशेष उल्लेखनीय रही।

गणतंत्र दिवस की तैयारी में जुटा प्रशासन कलेक्टर एस पी ने किया रिहर्सल का अवलोकन

» छत्रसाल स्टेडियम में गणतंत्र का ध्वजारोहण

लोकतंत्र कि शान, रामबिहारी पांडेय ब्यूरो

सीधी। आगामी 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देने हेतु शनिवार को छत्रसाल स्टेडियम सीधी में फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन किया गया। रिहर्सल कार्यक्रम कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी एवं पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। मुख्य समारोह के मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम के अनुसार परेड, सलामी, ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एवं अन्य सभी गतिविधियों का क्रमबद्ध अभ्यास कराया गया। रिहर्सल के दौरान परेड दलों ने अनुशासित प्रदर्शन किया, वहीं स्कूली बच्चों एवं विभिन्न सांस्कृतिक दलों ने अपनी प्रस्तुतियों का प्रभावशाली अभ्यास किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री सोमवंशी एवं पुलिस अधीक्षक श्री कोरी ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, दर्शक दीर्घा की व्यवस्था, मंच संचालन, ध्वनि प्रणाली, साफ-सफाई एवं आपातकालीन व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि समारोह का आयोजन गरिमा, अनुशासन एवं समन्वय के साथ किया जाए, ताकि आमजन को एक भव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम देखने को मिल सके। रिहर्सल के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मिनी अग्रवाल सहित पुलिस, नगर पालिका, शिक्षा एवं अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

चौधरी सर छोटू राम के नाम पर एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी बननी चाहिए

» हरियाणा, हिमाचल और पंजाब को फिर से एक करना चाहिए - सिमरनजीत सिंह मान

लोकतंत्र की शान, राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

करनाल, (मंजीत कौर) शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के प्रेसिडेंट स. सिमरनजीत सिंह मान ने कहा कि सर छोटू राम और मेरे बड़े लेफ्टिनेंट कर्नल एस. जोगिंदर सिंह मान दोनों पुराने पंजाब की लाहौर असेंबली में साथ रहते थे। कर्नल जोगिंदर सिंह मान 1937 में जीते थे और चौधरी साहब ने एग्रीकल्चर मिनिस्टर रहते हुए किसानों और आम लोगों के हक में बड़ी पहल की थी और उस समय सरकारी लेवल पर किसानों का पूरा कर्ज माफ करके किसान वर्ग से अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने और अपने परिवारों की इकॉनमी को मजबूत करने में बहुत मदद मिली थी। वे सभी वर्गों के बीच बहुत इज्जतदार और पॉपुलर पर्सनैलिटी थे। उस समय पंजाब की पूरी आबादी बहुत आरामदायक माहौल में रह रही थी। क्योंकि राज समय लोग सरकारी जिम्मेदारियों से खुश और संतुष्ट थे। लेकिन देश के बंटवारे के बाद पुराने पंजाब की पूरी आबादी का आरामदायक की कमी आज भी महसूस होता है। यह दुख और अफसोस की बात है कि बंटवारे के बाद पंजाब का जो इलाका दिल्ली यमुना से लेकर जम्मू-कश्मीर, लेह लद्दाख और अफगानिस्तान तक का हिस्सा था, हमारा इलाका भी हरियाणा और हिमाचल में बंट जाने से कम हो गया जो शासकों ने अपने राजनीतिक और स्वार्थी मकसद पूरे करने के लिए किया। जिससे न सिर्फ पंजाब बल्कि हरियाणा और हिमाचल के लोगों को भी बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हमारी दिली इच्छा है कि पंजाब, हरियाणा और हिमाचल मिलकर एक बड़ा राज्य बनें ताकि हम पहले की तरह एक-दूसरे का साथ देकर अपनी सभी आर्थिक, सामाजिक और धार्मिक दिक्कतों को दूर कर सकें। उन्होंने कहा कि चौधरी सर छोटू राम जी की खुली सोच और इंसानियत की पहल को याद करते हुए उन्होंने देश के बंटवारे के बाद पंजाब को हरियाणा और हिमाचल में बांटकर छोटा करने के नेताओं के कामों पर अफसोस जताया और उन्हें फिर से एक करने की इच्छा जताई। स.मान ने कहा कि अगर हिमाचल-हरियाणा के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान का पंजाब एक हो जाएं तो दक्षिण एशिया का यह राज्य और खुशहाल और आर्थिक रूप से मजबूत होगा और डेमोक्रेसी और शांति बनाए रखने में भी मददगार होगा। स. मान ने सलाह देते हुए कहा कि सर चौधरी छोटू राम जी की महान शख्सियत और उनके द्वारा पहले हर वर्ग के लिए किए गए कामों को ध्यान में रखते हुए उनके नाम पर एक एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी बनाई जानी चाहिए जिसमें हरियाणा, हिमाचल, पंजाब और नॉर्थ चंडीगढ़ के लोगों को नई लीडरशिप मिलेगी और आपसी प्यार भी बहुत बढ़ेगा। इस यूनिवर्सिटी में पानी के बहाव के मुद्दे पर भी गहरी ट्रेनिंग दी जाएगी जिससे सिंधु, झेलम, रावी, ब्यास और सतलुज के पानी का सही इस्तेमाल और मैच्योरिटी के साथ हो सकेगा और सभी को पानी की बड़ी कीमत की गहरी समझ मिलेगी। यह यूनिवर्सिटी घग्गर नदी से हो रहे नुकसान से छुटकारा पाने के तरीके भी निकाल पाएगी, जो अक्सर बारिश के मौसम में हरियाणा और पंजाब के गांवों में जान-माल का नुकसान करती है। यहां यह भी बताना जरूरी है कि मेरे ऑफिस में मेरे बड़ों की एक यादगार जॉइंट फोटो भी लगी हुई है, जिनके सर चौधरी छोटू राम के साथ दोस्ताना रिश्ते थे, जो नीचे दी जा रही है। हरियाणा यूनिट के प्रेसिडेंट हरजीत सिंह विर्क ने कहा कि हमें सर छोटू राम की पॉलिसी को फॉलो करके काम करना चाहिए, जैसे सर छोटू राम सबकी भलाई के लिए काम करते रहे वैसे ही हमें भी सबको साथ लेकर चलना चाहिए और सबकी भलाई के लिए काम करते रहना चाहिए।

पत्रकारों को सम्मानित करते हुए बोले कांग्रेस के जिला अध्यक्ष

लोकतंत्र की शान , असली प्रहरी पत्रकार हैं - ज्ञान सिंह

सीधी। लोकतंत्र की रक्षा करने में देश के पत्रकारों का अहम योगदान है पत्रकार ही है जो निः स्वार्थ होकर प्रहरी का कर्तव्य निर्वहन कर रहे हैं उक्त बातें कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने आज आयोजित एक सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा है। श्री चौहान ने कहा कि "पत्रकार समाज का आईना होते हैं और उनकी निष्पक्ष पत्रकारिता लोकतंत्र की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।" इस कार्यक्रम में पत्रकारों को डायरी कलम और कैलेंडर भेंट कर उनकी पत्रकारिता में योगदान के लिए सराहना की गई। इस अवसर पर कांग्रेस के कई नेता उपस्थित रहे, कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख कांग्रेसजनों ने पत्रकारों के कार्यों की प्रशंसा की और उनके साथ सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर सार्थक चर्चा की। यह आयोजन सामाजिक सरोकारों और राजनीतिक दायित्व के संतुलन का एक सफल उदाहरण माना गया ।

उत्तरकाशी पालिका ने कूड़ा निस्तारण फर्म पर 5 वर्षों के लिए बैन

लोकतंत्र की शान

उत्तरकाशी। नगर पालिका बाराहाट उत्तरकाशी के तांबाखानी में वर्षों से लगे कूड़े के ढेर के मामले में पालिका प्रशासन ने कूड़ा निस्तारण फर्म पर कड़ा एक्शन लेते पांच साल का बैन लगा दिया है। पालिका ने आपातकालीन बोर्ड बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए कूड़ा निस्तारण में गंभीर लापरवाही बरतने वाली फर्म जीरो वेस्ट इनकॉरपोरेशन को नगर पालिका परिषद उत्तरकाशी में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्य से 5 वर्षों के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। स्थलीय निरीक्षण और फाइल अवलोकन में हुआ खुलासा बैठक में प्रस्तुत स्थलीय निरीक्षण रिपोर्ट और अभिलेखीय रिकॉर्ड के अनुसार यह सामने आया कि फर्म के कार्यकाल में पिछले 7–8 वर्षों के दौरान तांबाखानी क्षेत्र में हजारों टन कूड़ा और RDF एकत्रित किया गया, जबकि अनुबंध के अनुसार कूड़े का समुचित निस्तारण किया जाना था, लेकिन निस्तारण के स्थान पर कूड़े के ढेर लगाए गए, जिससे नगर को गंभीर स्वच्छता संकट झेलना पड़ा। पालिका द्वारा अंतिम नोटिस दिए जाने के बावजूद भी संबंधित फर्म द्वारा निर्धारित तिथि तक 1 प्रतिशत कार्य भी प्रारंभ नहीं किया गया, जिसके बाद यह कठोर निर्णय लिया गया। बोर्ड बैठक में सर्वसम्मति से लिये गये निर्णय में आपातकालीन बोर्ड बैठक तांबाखानी में शेष कूड़े एवं आरडी एफ का निस्तारण नगर पालिका द्वारा स्वयं कराया जाएगा। निस्तारण की लागत फर्म की रोकी गई पेंडिंग धनराशि से वसूली जाएगी, तथा लागत अधिक होने की स्थिति में राजस्व माध्यम से वसूली की जाएगी।

ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों का विधायक ने किया उत्साह वर्धन

» मड़वास टीम पर भारी पड़ी कुसमी की टीम, फाइनल मुकाबला अपने नाम किया

लोकतंत्र कि शान, रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो

सीधी। जिले के मड़वास ग्राम में आयोजित मड़वास क्रिकेट कप 2026 का फाइनल मुकाबला रोमांचक अंदाज में संपन्न हुआ। फाइनल मैच मड़वास बनाम कुसमी टीम के बीच खेला गया, जिसमें कुसमी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। मैच विधायक कुंवर सिंह टेकाम एवं मझौली जनपद अध्यक्ष सुनैना सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में खेला गया। फाइनल मुकाबले में कुसमी टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया और मड़वास टीम को बल्लेबाजी का न्योता दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए मड़वास की टीम ने निर्धारित 15 ओवर में 8 विकेट खोकर 148 रन का लक्ष्य खड़ा किया। मड़वास की ओर से ऋषी तिवारी ने 33 रनों की शानदार पारी खेली। कुसमी टीम की गेंदबाजी काफी प्रभावशाली रही। तेज गेंदबाज आशीष गुप्ता, गोलू गुप्ता और विकास गुप्ता ने 3-3 ओवर में दो-दो विकेट झटककर मड़वास की बल्लेबाजी को झकझोर दिया। वहीं आशीष मरावी और शिवपाल ने एक-एक विकेट हासिल किया। 148 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कुसमी टीम की शुरुआत आक्रामक रही। कुसमी की ओर से श्रीकांत 'छोटू' ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 23 गेंदों में 63 रन बनाए, जिसमें 8 छक्के और 1 चौका शामिल रहा। वे अंत तक नाबाद रहे। इसके अलावा अतुल पटेल और शिवपाल ने 22-22 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। शानदार बल्लेबाजी के दम पर कुसमी टीम ने 152 रन बनाकर 4 विकेट शेष रहते फाइनल मुकाबला जीत लिया और मड़वास क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मैच के समापन अवसर पर विधायक कुंवर सिंह टेकाम एवं जनपद अध्यक्ष सुनैना सिंह ने विजेता कुसमी टीम को बधाई दी और दोनों टीमों के खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे खेल आयोजन ग्रामीण युवाओं को प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करते हैं। मैच के दौरान मड़वास क्षेत्र के स्थानीय नेता, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के 15 राज्यों में बर्फीले तूफान का खतरा

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका में बर्फीले तूफान की चेतावनी के बाद 15 राज्यों में इमरजेंसी ने घोषित कर दी गई है। वहीं दो दिनों में 7000 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हो चुकी हैं। नेशनल वेदर सर्विस (NWS) के मुताबिक, 20 करोड़ यानी करीब दो-तिहाई अमेरिकी इस तूफान की चपेट में आ सकते हैं। तूफान के डर से लोग ग्रॉसरी स्टोर पर जमा हो रहे हैं। कई दुकानों में पानी, अंडे, मक्खन और मीट की कमी हो गई है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि तूफान के साथ भारी बर्फबारी, बारिश और ठंड आएगी, जिससे हालात बेहद खतरनाक हो सकते हैं। ट्रांसपोर्टेशन अधिकारियों ने वीकेंड पर यात्रा में देरी और कैंसिलेशन की चेतावनी दी है। कई बड़े शहरों के एयरपोर्ट भी इससे प्रभावित हुए हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के अनुसार, शनिवार को अमेरिका में 3,200 से अधिक उड़ानें और रविवार को करीब 4,800 से उड़ानें रद्द हुईं। मौसम विभाग के मुताबिक यह तूफान अमेरिका के हाई प्लेन्स से शुरू होकर धीरे-धीरे पूर्व की ओर बढ़ेगा। इसके असर से मेम्फिस, नैशविल, वॉशिंगटन डीसी, बाल्टीमोर, फिलाडेल्फिया और न्यूयॉर्क जैसे बड़े शहरों में बर्फबारी होगी। सदर्न रॉकीज और प्लेन्स से लेकर मिड-अटलांटिक होते हुए नॉर्थ-ईस्ट तक भारी बर्फ गिरने का अनुमान है। NWS के अनुसार, कोलोराडो से लेकर वेस्ट वर्जीनिया और बोस्टन तक कई इलाकों में 12 इंट से ज्यादा बर्फ पड़ सकती है। न्यूयॉर्क शहर के आसपास के कुछ हिस्सों में रविवार सुबह से सोमवार तक 10 से 14 इंच बर्फबारी हो सकती है और 30 मील प्रति घंटे की हवाएं चल सकती हैं। दक्षिण-पूर्वी अमेरिका के बड़े हिस्से में भी जमने वाली ठंड होगी।

ईरानी नेता बोले- खाड़ी के सभी अमेरिकी मिलिट्री बेस हमारे निशाने पर

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका और ईरान के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि राष्ट्रपति ट्रम्प ईरान के खिलाफ सैन्य विकल्प पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने ऐसे सैन्य विकल्पों की मांग की है, जिनका असर 'निर्णायक' हो। रक्षा मंत्रालय पेंटागन और व्हाइट हाउस ने इन पर काम करना शुरू कर दिया है। इनमें ईरानी शासन को सत्ता से हटाने की योजना भी शामिल है। दूसरी तरफ आज अमेरिकी जंगी बेडा USS अब्राहम लिंकन भी मिडिल ईस्ट पहुंच सकता है। इसके चलते आशंका जताई जा रही है कि अमेरिका ईरान पर कोई अचानक सैन्य कार्रवाई कर सकता है। अमेरिकी गतिविधियों के जवाब में ईरानी सुप्रीम काउंसिल के जावेद अकबरी ने कहा है कि मिडिल ईस्ट में अमेरिका के सभी सैन्य अड्डे ईरान के निशाने पर हैं। हमारी मिसाइलें आदेश के इंतजार में दुश्मन पर गरजने को तैयार हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी जंगी जहाज USS अब्राहम लिंकन अरब सागर में ईरान की ओर तेजी से बढ़ रहा है। ईरान के कई शहर इसकी स्ट्राइक रेंज में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह अरब सागर में अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENCOM) के जोन में आ चुका है। साथ ही अमेरिका का C 37-B एयरक्राफ्ट भी ईरान के उत्तर में तुर्कमेनिस्तान के अशगाबाद बेस पहुंच गया है। USS अब्राहम लिंकन पहले साउथ चाइना सी में तैनात था। 18 जनवरी को यह मलक्का स्ट्रेट पार कर हिंद महासागर में दाखिल हुआ।

राजस्थान में पारा 10° गिरा, माउंट आबू में माइनस 7°

नई दिल्ली/श्रीनगर/देहरादून/शिमला/लखनऊ। देश के सबसे उत्तरी 3 राज्यों जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में गुरुवार-शुक्रवार से शुरू हुई बर्फबारी देर शाम तक चली। शिमला, मनाली, मसूरी, कटरा में चारों तरफ बर्फ ही बर्फ नजर आ रही है। उधर, उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली और जम्मू के डोडा में पिछले 24 घंटे से रुक-रुककर बर्फबारी हो रही है। मैदानी इलाकों में लगभग एक फुट और ऊपरी पहाड़ी क्षेत्रों में 2-3 फीट बर्फ जम गई है। श्रीनगर एयरपोर्ट शनिवार को भी नहीं खुल सका। NH-44 लगातार दूसरे दिन बंद है। मौसम विभाग ने तीनों राज्यों में ऊंचे इलाकों में एवलांच (हिमस्खलन) की चेतावनी जारी की है। इधर वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से राजस्थान में ओले-बारिश के बाद तापमान 10° तक गिर गया है। राज्य के इकलौते हिल स्टेशन माउंट आबू में पारा माइनस 7 डिग्री तक पहुंच गया। सीकर में ओस जम गई। यूपी, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, मध्य प्रदेश के कई जिलों में भी हल्की बारिश हो रही है। राजधानी दिल्ली में बारिश के बाद कोहरा और धुंध छंट गई है, लेकिन तापमान 11° पर पहुंच गया है। यहां पहाड़ों से आने वाली तेज सर्द हवाओं के कारण ठिठुरन बढ़ गई है। वहीं, भारी बर्फबारी के कारण एक दिन तक बंद रहने के बाद शनिवार को श्रीनगर एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन फिर से शुरू हो गए हैं। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने BRO के साथ मिलकर शनिवार सुबह मौसम में सुधार के बाद रनवे को चालू करने के लिए एप्रन और टैक्सीवे को साफ कर दिया।

शिष्यों का दावा- अविमुक्तेश्वरानंद की जान को खतरा

प्रयागराज। प्रयागराज में अविमुक्तेश्वरानंद और मेला प्रशासन के बीच 6 दिनों से विवाद जारी है। इसी बीच, अविमुक्तेश्वरानंद ने शिविर के अंदर और बाहर 12 CCTV कैमरे लगवाए हैं।

शंकराचार्य के विशेष प्रतिनिधि देवेंद्र पांडे ने बताया यह हमारी मजबूरी है, क्योंकि शंकराचार्य सड़क पर बैठे हैं। यहां प्रशासन और उसके गुंडे हैं। संत के वेश में यहां शैतान घूम रहे। उनसे शंकराचार्य की जान को खतरा है। रात में आकर वीडियो बनाते हैं। पकड़े जाने पर कहते हैं कि नोटिस देने आए हैं। अविमुक्तेश्वरानंद की तबीयत अभी भी खराब है। रात में उन्होंने दवा ली थी। शुक्रवार को उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। उन्हें तेज बुखार था। वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शंकराचार्य विवाद पर कहा- हमें खुशी है कि अविमुक्तेश्वरानंद डटे हुए हैं। एक-एक सनातनी उनके साथ है। उन्होंने कम से कम नकली सनातनियों की पोल खोल दी। हमारा उनसे सीधा संपर्क है। इससे पहले शुक्रवार को अविमुक्तेश्वरानंद ने डिप्टी सीएम केशव मौर्य को समझदार नेता बताया था। उन्होंने कहा- ऐसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री होना चाहिए, जो समझते हैं कि अफसरों से गलती हुई है। जो अकड़ में बैठा हो, उसे मुख्यमंत्री नहीं होना चाहिए। दरअसल, गुरुवार को डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा था- शंकराचार्य जी के चरणों में प्रणाम करता हूं और उनसे स्नान करने की प्रार्थना करता हूं।

तिरुवनंतपुरम नगर-निगम ने बीजेपी पर लगाया जुर्माना

तिरुवनंतपुरम। तिरुवनंतपुरम नगर निगम ने भारतीय जनता पार्टी(BJP) पर 19.7 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। ये जुर्माना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केरल दौरे के दौरान शहर में फुटपाथों पर फ्लेक्स बोर्ड लगाने पर लगाया गया है। बोर्ड लगाने से क्षेत्र के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा था। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक तिरुवनंतपुरम नगर निगम के सचिव की शिकायत के बाद कैंटोनमेंट पुलिस ने शुक्रवार देर रात BJP जिला अध्यक्ष करमना जयन के खिलाफ मामला दर्ज किया। दिसंबर में हुए नगर निगम चुनाव में तिरुवनंतपुरम में BJP ने 50 सीटें जीती थीं। इसके बाद 26 दिसंबर को BJP के वीवी राजेश को यहां का मेयर बनाया गया था। FIR में केरल हाई कोर्ट के कई आदेशों और स्थानीय स्वशासन विभाग द्वारा जारी निर्देशों का उल्लंघन का आरोप है। इसमें कहा गया कि BJP जिला समिति ने प्रधानमंत्री के दौरे के हिस्से के रूप में फुटपाथों पर फ्लेक्स बोर्ड लगाए। इससे पालियम जंक्शन से पुलिमूडु जंक्शन तक जनता को असुविधा हुई। भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 223 (लोक सेवक द्वारा विधिवत जारी किए गए आदेशों की अवज्ञा) और 285 (सार्वजनिक रास्तों में खतरा, बाधा और जोखिम पैदा करना) और केरल पुलिस अधिनियम की धारा 120(b) (जनता को बाधा, असुविधा और खतरा पैदा करना) के तहत दर्ज किया गया है। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि BJP नेताओं को अवैध रूप से लगाए गए फ्लेक्स बोर्ड हटाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

भारत से एक्स्ट्रा 25% टैरिफ हटा सकता है अमेरिका

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रम्प सरकार भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ में से आधा टैरिफ हटाने पर विचार कर सकती है। उन्होंने गुरुवार को अमेरिकी मीडिया वेबसाइट पॉलिटिको को दिए इंटरव्यू में कहा कि भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदना काफी कम कर दिया है, इसलिए टैरिफ में राहत देने की गुंजाइश बन रही है। बेसेंट ने इसे अमेरिका की बड़ी जीत बताया और कहा कि भारत पर लगाया गया 25% टैरिफ काफी असरदार रहा है और इसकी वजह से भारत की रूसी तेल खरीद घट गई है। उन्होंने कहा कि टैरिफ अभी भी लागू हैं, लेकिन अब इन्हें हटाने का रास्ता निकल सकता है। अमेरिका ने अगस्त 2025 में भारत पर दो बार टैरिफ लगाया था। पहली बार 1 अगस्त को व्यापार घाटे को लेकर 25% टैरिफ लगाया गया। इसके बाद 27 अगस्त को रूस से तेल खरीदने की वजह से एक बार और 25% टैरिफ लगाया गया।

बेसेंट बोले- यूरोप भारत से तेल खरीद कर रूस की मदद कर रहा: बेसेंट ने यह भी कहा कि यूरोपीय देश भारत पर टैरिफ इसलिए नहीं लगा रहे हैं क्योंकि वे भारत के साथ बड़ा व्यापार समझौता करना चाहते हैं। साथ ही उन्होंने यूरोप पर आरोप लगाया कि वह भारत से रिफाइंड तेल खरीदकर खुद ही रूस की मदद कर रहा है।

वित्तमंत्री बोले- भारत ने रूस से तेल खरीद घटाई, ये अमेरिका की बड़ी जीत

बेसेंट रूसी तेल खरीदने पर लगने वाले 500% टैरिफ प्रस्ताव पर बोल रहे थे। इसमें अमेरिका उन देशों पर 500% तक टैरिफ लगा जा सकता है, जो रूस का तेल खरीदते हैं। बेसेंट ने कहा कि 500% टैक्स लगाने का प्रस्ताव सीनेटर ग्राहम ने सीनेट में रखा है। हालांकि राष्ट्रपति ट्रम्प को इसकी जरूरत नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति के पास पहले से ही एक कानून (IEEPA) के तहत यह अधिकार है कि वे राष्ट्रीय आपात स्थिति का हवाला देकर दूसरे देशों पर भारी आर्थिक प्रतिबंध या टैक्स लगा सकते हैं।

अमेरिका रूसी तेल बिक्री रोककर पुतिन पर दबाव बढ़ाना चाह रहा: अमेरिका, पुतिन पर दबाव बढ़ाने के लिए भारत समेत कई देशों से कह रहा है कि वे रूस से तेल खरीद बंद करें। भारत ने इस दबाव को गलत और अनुचित बताया है और कहा है कि उसकी एनर्जी पॉलिसी देश के हितों के हिसाब से तय होती है। पिछले हफ्ते दावोस में भी बेसेंट ने फॉक्स न्यूज से कहा था कि ट्रम्प के 25% टैरिफ लगाने के बाद भारत ने तेल की खरीद काफी कम कर दी थी और अब लगभग बंद कर दी है। कुछ हालिया रिपोर्टों में कहा गया है कि भारत की कुछ निजी कंपनियों ने रूस से तेल इंपोर्ट कम किया है, लेकिन भारत सरकार का कहना है कि रूस से तेल की खरीद जारी है।

थरूर बोले-कांग्रेस के किसी भी स्टैंड का विरोध नहीं किया

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने पार्लियामेंट में कांग्रेस के किसी भी स्टैंड का कभी भी विरोध नहीं किया। एकमात्र मुद्दा ऑपरेशन सिंदूर था, जिस पर सिद्धांत के आधार पर मेरा स्टैंड अलग था। थरूर ने कहा- इस मामले पर मैंने बहुत मजबूत स्टैंड लिया था। मैं इसके लिए कोई माफी नहीं मांगूंगा। पहलगाम की घटना के बाद, मैंने खुद इंडियन एक्सप्रेस में एक कॉलम लिखा था। मैंने इसमें कहा था कि ऐसी घटना को बिना सजा के नहीं छोड़ा जा सकता और इसका जवाब देना जरूरी है। तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने यह बातें शनिवार को कोझिकोड में आयोजित केरल लिटरेचर फेस्टिवल के दौरान कहीं। वह वहां दर्शकों के सवालों का जवाब दे रहे थे। ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर कड़े रुख का कोई पछतावा नहीं है। भारत को विकास पर ध्यान देना चाहिए और पाकिस्तान के साथ लंबे संघर्ष में नहीं उलझना चाहिए। किसी भी कार्रवाई को आतंकवादी शिविरों तक ही सीमित रखा जाना चाहिए। मुझे हैरानी हुई कि भारत सरकार ने वही किया, जैसा मैंने सुझाया था।

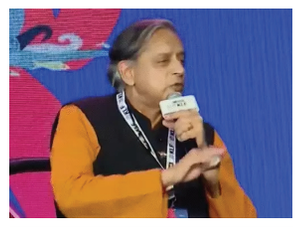

केवल ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर असहमति थी, इसके लिए माफी नहीं मांगूंगा

जवाहरलाल नेहरू ने कहा था अगर भारत मर जाता है, तो कौन जीवित रहेगा? उनका कहना था कि जब देश की सुरक्षा और दुनिया में उनकी स्थिति का सवाल हो, तो भारत सबसे पहले आता है। राजनीतिक दलों में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन राष्ट्रीय हित में सिर्फ भारत को ही जीतना चाहिए। पार्टी मीटिंग में नहीं जाने पर कहा- दिल्ली से कोझिकोड वापस आना आसान नहीं

शशि थरूर ने पार्टी मीटिंग में नहीं जाने पर मीडिया से कहा, 'मैं जो कहना चाहता था, वह मैंने पार्टी लीडरशिप को बता दिया है। यह सही नहीं है कि मैं इस बारे में पब्लिक में बात करूं।'

तेलंगाना में जहरीला इंजेक्शन देकर 300 कुत्तों की हत्या

एजेंसी, हैदराबाद

तेलंगाना के जगतियाल जिले के पेगडापल्ली गांव में 300 आवारा कुत्तों की जहरीला इंजेक्शन देकर हत्या कर दी गई। एक एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट के दावे के मुताबिक गांव के सरपंच ने दिसंबर में हुए चुनाव में जनता से कुत्तों से छुटकारा दिलाने का वादा किया था। मामले में BNS और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत FIR दर्ज की गई है। FIR में गांव के सरपंच और ग्राम पंचायत सचिव को दोषी ठहराया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि सरपंच ने आवारा कुत्तों को मारने के लिए कुछ लोगों को काम पर रखा था। इससे पहले जनवरी में ही तेलंगाना में कुल 600 कुत्तों को अलग अलग गांवों में जहर देकर मारने की घटना सामने आई थीं। इससे मरने वाले कुल कुत्तों की संख्या 900 पहुंच गई है।

पुलिस बोली- दफनाने की जगह से 80 कुत्तों के शव निकाले गए: पुलिस ने बताया कि दफनाने की जगह से लगभग 70 से 80 कुत्तों के शव निकाले गए। ऐसा लग रहा था कि शवों को तीन से चार दिन पहले दफनाया गया था। उन्होंने कहा कि इस स्तर पर, हम घटना में आरोपियों की संलिप्तता की पुष्टि नहीं कर सकते। उन्होंने आगे कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है और आगे की जांच जारी है।

सरपंच ने चुनाव में वादा किया था, एक महीने में 900 कुत्तों को मारा जा चुका

अफगानिस्तान जंग पर ट्रम्प के बयान से नाराज यूरोपीय देश, ट्रम्प बोले थे- नाटो अफगान में लड़ाई से दूर रहा

एजेंसी, लंदन

ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अफगानिस्तान में यूरोपीय सैनिकों के बारे में दिए गए बयान को अपमानजनक और चौंकाने वाला बताया है। ट्रम्प ने फॉक्स नेटवर्क के एक इंटरव्यू में कहा था कि अमेरिका को कभी NATO गठबंधन की जरूरत नहीं पड़ी और यूरोपीय सहयोगी अफगानिस्तान में फ्रंट लाइन्स से पीछे रहे थे। उन्होंने दावा किया कि सहयोगी देशों ने कुछ सैनिक भेजे जरूर थे, लेकिन वे मुख्य लड़ाई से दूर रहे। इस बयान पर यूरोपीय देशों के नेताओं, पूर्व सैनिकों और शहीदों के परिवारों ने ट्रम्प के खिलाफ नाराजगी जताई। स्टार्मर ने शुक्रवार को कहा, "मैं राष्ट्रपति ट्रम्प के इन बयानों को अपमानजनक मानता हूं। इससे उन लोगों के परिजनों को बहुत दुख पहुंचा है जिन्होंने अफगानिस्तान में अपनी जान गंवाई या घायल हुए।" उन्होंने आगे कहा कि अगर खुद उन्होंने ऐसा कोई गलत बयान दिया होता तो वे लोगों से माफी मांगते। ब्रिटेन ने अफगानिस्तान युद्ध में 457 सैनिक खोए, जो 1950 के दशक के बाद सबसे घातक विदेशी युद्ध था। ब्रिटिश प्रिंस हैरी ने कहा कि नाटो सैनिकों के बलिदान को सच्चाई और सम्मान के साथ याद किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं वहां सेवा दे चुका हूं। मैंने आजीवन दोस्त बनाए और कई दोस्त खोए भी।'

दो बार अफगानिस्तान में तैनात हो चुके प्रिंस हैरी: प्रिंस हैरी ब्रिटेन के राजा चार्ल्स III के छोटे बेटे हैं और वे वेल्स के प्रिंस विलियम के छोटे भाई हैं। वे ड्यूक ऑफ ससेक्स के खिताब से जाने जाते हैं। प्रिंस हैरी ब्रिटिश आर्मी में सेवा दे चुके हैं, वे दो बार अफगानिस्तान में तैनात हुए थे। प्रिंस हैरी अपाचे हेलीकॉप्टर पायलट के रूप में काम कर चुके हैं। अफगानिस्तान युद्ध में उनकी सेवा काफी चर्चित रही और उन्होंने कई बार कहा है कि सेना ने उन्हें एक बड़ा मकसद दिया था।

यूरोपीय देश बोले- हमने साथ मिलकर लड़ाई की, इसे नहीं भुलाया जा सकता: डच विदेश मंत्री डेविड वैन वील ने ट्रम्प के बयान को झूठा बताया। पोलैंड के पूर्व विशेष बल कमांडर और रिटायर्ड जनरल रोमन पोल्को ने कहा कि ट्रम्प ने हद पार कर दी है। उन्होंने कहा, "हमने इस गठबंधन के लिए खून बहाया, अपनी जानें दीं। हमने साथ मिलकर लड़ाई की लेकिन सभी घर नहीं लौटे।" पोलैंड के रक्षा मंत्री व्लादिस्लाव कोसिनियाक-कामिश ने कहा कि पोलैंड के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता और इसे कमतर नहीं दिखाया जा सकता। ब्रिटेन के पूर्व MI6 प्रमुख रिचर्ड मूर ने कहा कि उन्होंने और उनके सहयोगियों ने CIA के बहादुर अधिकारियों के साथ खतरनाक मिशनों में काम किया और अमेरिका को अपना सबसे करीबी सहयोगी माना। ट्रम्प के बयान पर ब्रिटेन के लिबरल डेमोक्रेट्स नेता एड डेवी ने एक्स पर लिखा कि ट्रम्प ने वियतनाम युद्ध में ड्राफ्ट से बचने के लिए पांच बार छूट ली थी, फिर वे दूसरों के बलिदान पर सवाल कैसे उठा सकते हैं।

ब्रिटिश पीएम बोले- यह सैनिकों का अपमान

ममता बोलीं-SIR की चिंता में बंगाल में रोज 4 आत्महत्याएं, 110 से ज्यादा लोगों की मौत हुई

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि बंगाल में SIR की चिंता में हर रोज 3 से 4 लोग आत्महत्या कर रहे हैं। अब तक 110 से ज्यादा लोग मर चुके हैं। 40-45 लोग अस्पतालों में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। इतने साल बाद क्या हमें यह साबित करना पड़ेगा कि हम इस देश के नागरिक हैं? ममता बनर्जी ने कोलकाता के रेड रोड पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के कार्यक्रम में ये बातें कही।

ड्राफ्ट लिस्ट से 58 लाख नाम हटने का दावा: ममता बनर्जी ने बताया कि दिसंबर में जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 58 लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम हटा दिए गए। उन्होंने कहा कि राज्य में कुल 7.6 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 1.66 करोड़ मतदाताओं की नागरिकता को लेकर संदेह जताया गया है। उन्हें दस्तावेजों की दोबारा जांच के लिए सुनवाई का नोटिस भेजा गया है।

चुनाव आयोग और केंद्र सरकार जिम्मेदार

ममत बोलीं- मेरा नाम बनर्जी और बंदोपाध्याय दोनों तरह लिखा जाता है: मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल में एक ही उपनाम की अलग-अलग वर्तनी आम बात है। उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि मेरा सरनेम बनर्जी और बंदोपाध्याय दोनों तरह से लिखा जाता है, लेकिन SIR कराने वालों को यह तक समझ नहीं है। ममता के मुताबिक इसी तरह की गड़बड़ियों के कारण 1.38 करोड़ लोगों को नोटिस भेजे गए। ममता ने आरोप लगाया कि बुजुर्ग लोगों को भी SIR की सुनवाई के लिए बुलाया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन को भी इस संबंध में नोटिस क्यों भेजा गया।

BJP पर साजिश और इतिहास से छेड़छाड़ का आरोप: मुख्यमंत्री ने भाजपा पर बंगाल के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, डॉ. अंबेडकर और ईश्वर चंद्र विद्यासागर जैसे महापुरुषों का अपमान किया जा रहा है और देश के इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है। चुनाव आयोग ने BLO पर कार्रवाई की प्रक्रिया तय की इसी बीच चुनाव आयोग ने सभी राज्यों को चिट्ठी भेजकर कहा है कि अगर कोई बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) मिसकंडक्ट करता है, आयोग के निर्देशों का पालन नहीं करता, नियमों का उल्लंघन करता है या चुनावी काम में लापरवाही करता है, तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी।

5 मुस्लिम लड़कियों ने हिंदू छात्रा को बुर्का पहनाया

एजेंसी, मुरादाबाद

यूपी के मुरादाबाद में 5 मुस्लिम लड़कियों ने एक हिंदू छात्रा को जबरन बुर्का पहनाया। आरोप है कि कोचिंग से निकलने के बाद उसे सड़क पर घेर लिया। बैग से बुर्का निकाला और पहना दिया। पीड़ित के भाई ने दावा किया कि उसकी बहन से सहेलियों ने कहा कि इस्लाम कबूल करो, किस्मत बदल जाएगी। इसमें बहुत खूबसूरत लगोगी। पीड़ित और आरोपी लड़कियां एक ही स्कूल में 12वीं में पढ़ती हैं। सभी की उम्र 15-17 साल के बीच है। साथ में कोचिंग भी जाती हैं। घटना 20 दिसंबर की है, लेकिन 22 जनवरी को लड़की के भाई ने थाने में FIR कराई। पुलिस ने पांचों लड़कियों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की, तो शुक्रवार को CCTV सामने आया। मामला बिलारी कस्बे के एक मोहल्ले का है। पीड़ित लड़की चौधरी समाज से आती है। हिंदू छात्रा के भाई ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मेरी नाबालिग बहन बिलारी कस्बे के मोहल्ला शाहकुंज कॉलोनी में एक टीचर के घर ट्यूशन पढ़ने जाती थी। मेरे घर से 1.5 किमी की दूरी पर कोचिंग है। बाकी पांचों मुस्लिम छात्राएं भी उसके साथ जाती थीं। 11वीं क्लास में इन लड़कियों से मेरी बहन की दोस्ती थी। सभी मोहल्ले और आसपास की थीं, तो स्कूल और ट्यूशन साथ में जाती थीं।

भाई का दावा- बहन से कहा गया इस्लाम कबूल करने से किस्मत बदलेगी

ट्रम्प बोले- चीन 1 साल में कनाडा को खा जाएगा, हमारे बजाय उनसे बिजनेस कर रहा

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

गोल्डन डोम प्रोजेक्ट का विरोध करने पर हुए नाराज

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि चीन, कनाडा को एक साल के अंदर ही खा जाएगा। दरअसल, कनाडा के PM मार्क कार्नी ट्रम्प के 'गोल्डन डोम' मिसाइल प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे हैं। ट्रम्प इससे नाराज हो गए हैं। उन्होंने कहा कि कनाडा हमारे बजाय चीन से दोस्ती बढ़ा रहा, जो उन्हें पहले ही साल में बर्बाद कर देगा। कनाडा पर आरोप लगाते हुए ट्रम्प ने कहा कि वह नॉर्थ अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरा है।

कनाडा-चीन के व्यापार समझौते से ट्रम्प नाराज: कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने 13 जनवरी से 17 जनवरी तक चीन की यात्रा की और वहां व्यापार समझौते किए। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प इससे नाराज बताए जा रहे हैं। करीब एक साल पहले कार्नी खुद चीन को कनाडा के सामने "सबसे बड़ा सुरक्षा खतरा" बता चुके थे, लेकिन एक साल बाद हालात बदल चुके हैं। चीन दौरे पर उन्होंने कई अहम करार किए हैं। इसमें कनाडा, चीन की इलेक्ट्रिक गाड़ियों (EV) पर लगाए गए टैरिफ को कम करेगा। कनाडा ने 2024 में अमेरिका के साथ मिलकर चीनी गाड़ियों पर 100% टैरिफ लगाया था। अब नए समझौते के तहत इस टैरिफ को घटाकर 6.1% किया जा रहा है। हालांकि यह हर साल 49 हजार इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर लागू होगा। 5 साल में इसे बढ़ाकर 70 हजार तक किया जा सकता है। इसके बदले में चीन, कनाडा के कुछ अहम कृषि उत्पादों पर लगाए गए जवाबी टैरिफ को घटाएगा। पहले यह टैरिफ 84% तक था, जिसे अब घटाकर 15% कर दिया गया है। साल के अंत तक इसे जीरो किया जा सकता है।

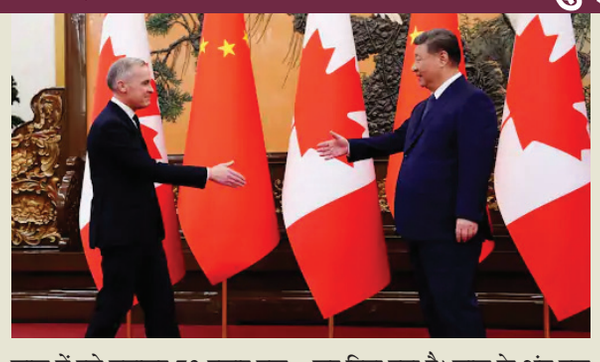

ने क्या कहा जिसे सुनकर ट्रम्प नाराज हुए: कनाडाई पीएम ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम पर 'नए वर्ल्ड ऑर्डर' पर भाषण दिया था। इसे लंबे समय से किसी भी राजनेता के दिए गए सर्वश्रेष्ठ भाषणों में से एक बताया जा रहा है। कार्नी ने बड़े देशों के दबदबे के खिलाफ अपनी राय रखी। उन्होंने कहा- हमें बार-बार याद दिलाया जाता है कि आज की दुनिया बड़ी ताकतों की आपसी होड़ का दौर है। जो नियमों पर चलने वाली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था थी, वह अब कमजोर पड़ रही है। ताकतवर देश वही करते हैं जो वे करना चाहते हैं, और छोटे या कमजोर देशों को उसे झेलना पड़ता है। कार्नी आगे कहते हैं कि नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की जो कहानी सुनाई जाती रही है, वह पूरी तरह सच नहीं थी। जब बड़े देशों को फायदा होता है, तो वे खुद के लिए नियमों से छूट ले लेते हैं। व्यापार के नियम सब पर बराबर लागू नहीं होते। वे कहते हैं कि अंतरराष्ट्रीय कानून भी सख्ती से इस बात पर निर्भर करता है कि मामले में आरोपी कौन है और पीड़ित कौन।

उन्होंने कहा कि महाशक्तियां अकेले चलने का जोखिम उठा सकती हैं। उनके पास बड़ा बाजार होता है, मजबूत सेना होती है और शर्तें तय करने की ताकत भी होती है। लेकिन कमजोर देशों के पास ये चीजें नहीं होतीं। जब ऐसे देश किसी बहुत ताकतवर देश से आमने-सामने बातचीत करते हैं, तो वे कमजोर स्थिति में होते हैं। इसलिए उन्हें वही मानना पड़ता है, जो सामने वाला देश देने को तैयार होता है।

77वां गणतंत्र दिवस 2026:वंदे मातरम के 150 वर्ष,आत्मनिर्भर भारत और बदलती वैश्विक भूमिका का ऐतिहासिक संगम- एक समग्र विश्लेषण

लोकतंत्र की शान

» भारतीय सेना के पशु दल पहली बार कर्तव्य पथ पर मार्च करेंगे, जिसमें बैक्ट्रियन ऊंट,ज़ांस्कर टट्टू, शिकारी पक्षी और स्वदेशी कुत्तों की नस्लें शामिल होंगी

» भारत अपनी जड़ों से शक्ति लेकर भविष्य की ओर बढ़ रहा है। 77वां गणतंत्र दिवस वास्तव में भारत की बदलती वैश्विक भूमिका और अटूट राष्ट्रीय आत्मा का उत्सव होगा- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

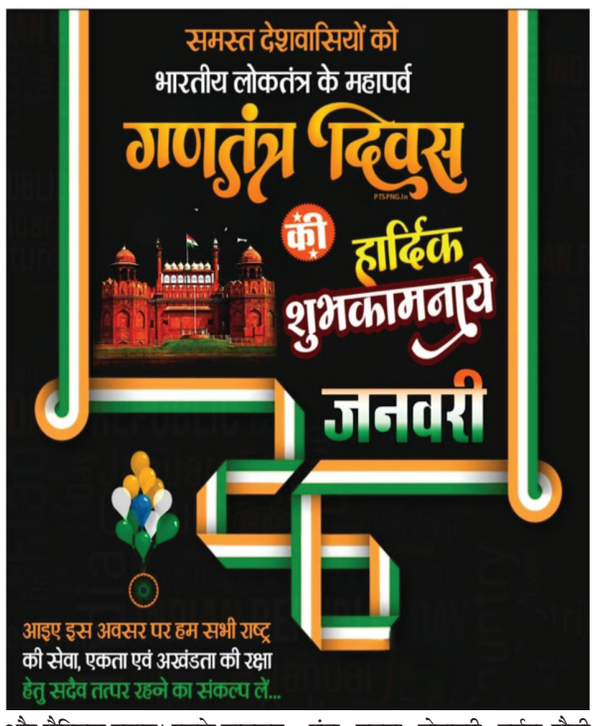

गोंदिया – वैश्विक स्तरपर भारत एक बार फिर इतिहास के ऐसे निर्णायक मोड़ पर खड़ा है,जहां परंपरा और भविष्य एक-दूसरे से हाथ मिलाते दिखाई दे रहे हैं।26 जनवरी 2026 को भारत अपना 77वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है और इस बार यह समारोह केवल एक संवैधानिक उत्सव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना,सांस्कृतिक पुनर्जागरण और वैश्विक कूटनीति का भव्य प्रदर्शन बनने जा रहा है। कर्तव्य पथ पर होने वाला यह आयोजन भारत की उस यात्रा का प्रतीक है,जिसमें वह औपनिवेशिक विरासत से निकलकर आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है।इस वर्ष का गणतंत्र दिवस समारोह विशेष इसलिए भी है क्योंकि यह भारत के राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है। 1875 में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत न केवल स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा रहा, बल्कि इसने भारतीय राष्ट्रवाद को एक सांस्कृतिक और भावनात्मक आधार प्रदान किया। 2026 में जब कर्तव्य पथ पर 'वंदे मातरम' की गूंज सुनाई देगी, तब वह केवल एक गीत नहीं होगा, बल्कि डेढ़ सौ वर्षों के संघर्ष,बलिदान और संकल्प का सामूहिक स्मरण होगा। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यहमानता हूं कि यह सर्वेविदित है कि 26 जनवरी का दिन हर भारतीय के लिए गर्व, आत्मसम्मान और संविधान के प्रति निष्ठा का दिन होता है। यह वह दिन है जब भारत ने स्वयं को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया। 77 वर्षों की इस संवैधानिक यात्रा में भारत ने अनेक चुनौतियों का सामना किया, आर्थिक असमानता सामाजिक विविधता, सीमाई संघर्ष और वैश्विक दबाव। इसके बावजूद भारत ने लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखते हुए निरंतर प्रगति की है। 2026 का गणतंत्र दिवस इसी लोकतांत्रिक परिपक्वता का उत्सव है।इस बार का समारोह पिछले वर्षों से कई मायनों में अलग और विशिष्ट होने वाला है। सबसे बड़ा प्रतीकात्मक परिवर्तन यह है कि कर्तव्य पथ पर दर्शकों के लिए वीआईपी लेबल को समाप्त कर दिया गया है।यह निर्णय भारतीय लोकतंत्र की उस भावना को सशक्त करता है, जिसमें सभी नागरिक समान हैं। दर्शक दीर्घाओं को अब गंगा, यमुना, गोदावरी, नर्मदा जैसी भारतीय नदियों के नाम दिए गए हैं। यह कदम न केवल सांस्कृतिक एकता को दर्शाता है,बल्कि भारत की भौगोलिक,सभ्यतागत और पारिस्थितिक चेतना को भी रेखांकित करता है। साथियों बात अगर हम 26 जनवरी 2026 के 77वें गणतंत्र दिवस की थीम को समझने की करें तो, मुख्य विषय वंदे मातरम रखा गया है,जबकि आत्मनिर्भर भारत को द्वितीयक विषय के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।यह विषय चयन अपने आप में गहरा संदेश देता है।वंदेमातरम जहां भारत की आत्मा,संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम की स्मृति है, वहीं आत्मनिर्भर भारत भविष्य की ओर देखता हुआ संकल्प है। यह बताता है कि भारत अपनी जड़ों से जुड़कर ही वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ना चाहता है। साथियों बात कर हम 2026 के गणतंत्र दिवस समारोह को अंतरराष्ट्रीय परिपेक्ष में समझने की करें तो यह इस दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते से ठीक पहले यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा का मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना भारत की वैश्विक कूटनीतिक स्थिति को रेखांकित करता है। यह उपस्थिति केवल औपचारिक नहीं, बल्कि संकेत है कि भारत अब वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक संतुलन में एक केंद्रीय भूमिका निभा रहा है।यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी यह दर्शाती है कि भारत-यूरोप संबंध अब केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहे, बल्कि वे साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, तकनीकी सहयोग, रक्षा साझेदारी और वैश्विक स्थिरता के मुद्दों तक विस्तृत हो चुके हैं। गणतंत्र दिवस के मंच से यह संदेश जाएगा कि भारत किसी एक ध्रुव के साथ नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में संतुलन बनाने वाला प्रमुख स्तंभ है। साथियों बातें कर हम सैन्य परेड को समझने की करें तो यह इस बार भी समारोह का केंद्र बिंदु होगी,लेकिन2026 की परेड कई ऐतिहासिक नवाचारों के साथ सामनेआएगी भारतीय सेना के पशु दल पहली बार कर्तव्य पथ पर मार्च करेंगे, जिसमें बैक्ट्रियन ऊंट, ज़ांस्कर टट्टू, शिकारी पक्षी और स्वदेशी कुत्तों की नस्लें जैसे मुधोल और राजपालयम शामिल होंगी।यह केवल एक दृश्यात्मक आकर्षण नहीं बल्कि भारत की पारंपरिक सैन्य विरासत और जैवविविधता के प्रति सम्मान का प्रतीक है।सैन्य परेड में पहली बार बैटल ऐरे फॉर्मेट का प्रदर्शन किया जाएगा, जो आधुनिक युद्ध रणनीतियों, नेटवर्क-केंद्रित युद्ध और स्वदेशी रक्षा तकनीक की क्षमता को प्रदर्शित करेगा। यह संदेश स्पष्ट होगा कि भारत न केवल हथियारों का आयातक नहीं, बल्कि रक्षा उत्पादन और नवाचार का उभरता हुआ वैश्विक केंद्र है। आत्मनिर्भर भारत की यह झलक भारत की सामरिक स्वतंत्रता को मजबूती प्रदान करती है।कर्तव्य पथ पर इस वर्ष कुल 30 झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी, जो भारत की सांस्कृतिक विविधता, राज्यों की विशिष्ट पहचान, तकनीकी प्रगति और सामाजिक नवाचारों को दर्शाएंगी। ये झांकियां केवल परंपरा का प्रदर्शन नहीं होंगी, बल्कि यह दिखाएंगी कि कैसे भारत अपनी विरासत को आधुनिक विकास के साथ जोड़ रहा है। साथियों बातें कर हम गणतंत्र दिवस 2026 में जनभागीदारी को विशेष महत्व को समझने की करें तो देश के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 10,हज़ार नागरिकों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है,जबकि सांस्कृतिक कार्यक्रमों में 2,500 कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। यह सहभागिता यह संदेश देती है कि गणतंत्र दिवस केवल सत्ता का उत्सव नहीं, बल्कि जनता का पर्व है।सरकार द्वारा माय भारत पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को वंदे मातरम गायन और निबंध लेखन जैसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर दिया गया है। यह डिजिटल माध्यम नई पीढ़ी को राष्ट्रीय प्रतीकों से जोड़ने का सशक्त प्रयास है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भारत का राष्ट्रवाद समावेशी है, जिसमें हर नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण है।77वां गणतंत्र दिवस समारोह यह भी दर्शाता है कि भारत अपनी पहचान को केवल अतीत में नहीं खोजता, बल्कि भविष्य के लिए नए प्रतिमान स्थापित करता है। वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होना हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि सतत जिम्मेदारी है। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प इसी जिम्मेदारी की आधुनिक अभिव्यक्ति है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह समारोह भारत की उस छवि को प्रस्तुत करेगा, जो सांस्कृतिक रूप से समृद्ध, सैन्य रूप से सक्षम, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और लोकतांत्रिक रूप से सशक्त है। यह आयोजन यह संदेश देगा कि भारत न तो आक्रामक राष्ट्रवाद में विश्वास करता है और न ही निर्भरता में,बल्कि सहयोग, संतुलन और आत्मसम्मान के रास्ते पर चलता है। साथियों बात कर हम 26 जनवरी को राष्ट्रपति द्वारा और 15 अगस्त को प्रधानमंत्री द्वारा झंडा वंदन करने को समझने की करें तो 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) को राष्ट्रपति इसलिए संबोधन देती हैं क्योंकि राष्ट्रपति देश की संवैधानिक प्रमुख होती हैं।26 जनवरी को संविधान लागू हुआ था, और संविधान के सर्वोच्च संरक्षक राष्ट्रपति होते हैं।इस दिन राष्ट्र राज्य का उत्सव मनाता है,न कि सरकार का इसलिए यह भूमिका राष्ट्रपति की होती है।राष्ट्रपति सशस्त्र सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर भी होती हैं, जबकि परेड उसी का प्रतीक है।वहीं 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) को प्रधानमंत्री लाल किले से बोलते हैं क्योंकि वह सरकार के प्रमुख होते हैं।यह दिन आज़ादी और सरकार की नीतियों,उपलब्धियों से जुड़ा होता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 26 जनवरी 2026 का दिन केवल एक तिथि नहीं,बल्कि एक विचार एक भावना और एक संकल्प है।कर्तव्य पथ पर जब वंदे मातरम की गूंज आत्मनिर्भर भारत की झलक के साथ मिलेगी,तब यह स्पष्ट होगा कि भारत अपनी जड़ों से शक्ति लेकर भविष्य की ओर बढ़ रहा है।77वां गणतंत्र दिवस वास्तव में भारत की बदलती वैश्विक भूमिका और अटूट राष्ट्रीय आत्मा का उत्सव होगा।

-संकलनकर्ता लेखक-
क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार
साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय
लेखक चिंतक कवि संगीत
माध्यमा सीए(एटीसी)
एडवोकेट किशन सनमुखदास
भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

25 जनवरी : राष्ट्रीय प्रतीक 'अशोक स्तंभ' की स्वीकृति का ऐतिहासिक दिवस

लेखकसुनील कुमार महला

25 जनवरी का दिन अपने आप में अत्यंत गौरवपूर्ण, महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक है। दरअसल, इसी दिन वर्ष 1950 में भारत ने अपने राष्ट्रीय प्रतीक 'अशोक स्तंभ' के सिंह शीर्ष को आधिकारिक रूप से स्वीकार किया था। यह निर्णय केवल एक प्रतीक के चयन तक सीमित नहीं था, बल्कि यह संवैधानिक भारत की पहचान और उसके मूल्यों की औपचारिक घोषणा थी। 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात यह महसूस किया गया कि नवस्वतंत्र भारत का एक ऐसा राष्ट्रीय प्रतीक होना चाहिए, जो भारत की प्राचीन सभ्यता-संस्कृति, संवैधानिक आदर्शों तथा राष्ट्रीय आत्मा को प्रतिबिंबित कर सके। इसी उद्देश्य से मौर्य सम्राट अशोक द्वारा स्थापित सारनाथ स्थित अशोक स्तंभ को आधार बनाया गया, जो तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व की एक अनुपम और अमूल्य ऐतिहासिक धरोहर है। यदि हम अशोक स्तंभ के सिंह शीर्ष की बात करें, तो इसके शीर्ष पर चार सिंह पीठ से पीठ सटाए हुए खड़े हैं, जो चारों दिशाओं की ओर दृष्टि रखते हैं। इसके नीचे स्थित गोलाकार अबेकस (मंडल) पर क्रमशः सिंह, घोड़ा, बैल (सांड), हाथी तथा बीच में अशोक चक्र है। ये सभी प्रतीक शक्ति, साहस, सतर्कता, नैतिकता और धर्म के संदेशवाहक हैं। प्रतीकात्मक दृष्टि से हाथी गर्भ, बैल राशि, घोड़ा गृहत्याग, तथा सिंह ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। सारनाथ का अशोक स्तंभ चुनार के बलुआ पत्थर से निर्मित है और इसकी ऊँचाई लगभग 45 फीट है। यह स्तंभ एकाश्म शैली में बनाया गया है, अर्थात् इसे एक ही पत्थर को तराशकर तैयार किया गया है, जो इसकी तकनीकी उत्कृष्टता को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि सारनाथ (वाराणसी, उत्तर प्रदेश) वही स्थान है, जहाँ महात्मा बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था। सम्राट अशोक ने ऐसे ही स्तंभों की स्थापना बौद्ध धर्म के प्रसार हेतु प्रमुख स्थानों पर करवाई थी। राष्ट्रीय प्रतीक में प्रदर्शित अशोक चक्र 32 तीलियों से युक्त है, जिसके दाईं ओर एक सांड और बाईं ओर एक घोड़ा अंकित है। प्रतीक के ठीक नीचे अंकित वाक्य 'सत्यमेव जयते' का अर्थ है- सत्य की ही विजय होती है। यह वाक्य मुण्डक उपनिषद से लिया गया है और भारत के शासन, लोकतंत्र तथा संवैधानिक व्यवस्था की नैतिक आधारशिला को दर्शाता है। यह स्पष्ट संकेत देता है कि भारत का शासन सत्य, न्याय और धर्म पर आधारित होगा। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि 25 जनवरी 1950 को ही इस राष्ट्रीय चिह्न को आधिकारिक स्वीकृति क्यों दी गई? इसका सीधा और सटीक उत्तर यह है कि 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ था, और उससे ठीक एक दिन पहले राष्ट्र को उसके आधिकारिक प्रतीक से सुसज्जित किया गया। इस प्रकार, यह निर्णय संवैधानिक भारत की पहचान की औपचारिक घोषणा के रूप में देखा जा सकता है। राष्ट्रीय प्रतीक के डिज़ाइन और रूपांतरण की बात करें, तो मूल अशोक स्तंभ में जहाँ चार सिंह हैं, वहीं राष्ट्रीय प्रतीक में सामने दिखाई देने वाले केवल तीन सिंह दर्शाए गए हैं। यह डिज़ाइन महान कलाकार नंदलाल बोस के निर्देशन में तैयार किया गया था। नंदलाल बोस का जन्म 3 दिसंबर 1882 को खड़गपुर (तत्कालीन बंगाल प्रेसीडेंसी) में हुआ था। वे भारतीय कला पुनर्जागरण के प्रमुख स्तंभों में से एक थे और उन्होंने भारतीय कला को औपनिवेशिक प्रभाव से मुक्त कर स्वदेशी पहचान प्रदान की। समकालीन संदर्भ में उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में नए संसद भवन के शीर्ष पर अशोक स्तंभ की एक विशाल कांस्य प्रतिकृति स्थापित की गई। इसका अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 11 जुलाई 2022 को किया गया। यह कांस्य स्तंभ लगभग 20 फीट ऊँचा, 11–14 फीट चौड़ा तथा 9500 किलोग्राम वजनी है। जानकारी के अनुसार, नए संसद भवन पर स्थापित यह प्रतिकृति मूल अशोक स्तंभ की तुलना में लगभग चार गुना बड़ी है और इसका साँचा लगभग 1.6 मीटर ऊँचा बनाया गया। आज राष्ट्रीय प्रतीक 'अशोक स्तंभ' का उपयोग राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, न्यायपालिका, भारतीय मुद्रा, पासपोर्ट, सरकारी दस्तावेज़ों, अधिसूचनाओं तथा विभिन्न सरकारी भवनों पर भारत की संप्रभुता और अधिकार के प्रतीक के रूप में किया जाता है। चूँकि यह केवल एक ऐतिहासिक धरोहर नहीं, बल्कि संवैधानिक महत्व का राष्ट्रीय चिह्न है, इसलिए इसके उपयोग को लेकर स्पष्ट नियम-कानून निर्धारित किए गए हैं। राष्ट्रीय चिन्ह का उपयोग केवल संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों-जैसे राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री और उच्च अधिकारियों-द्वारा ही किया जा सकता है।

पुण्यसलिला माँ नर्मदा

लेखक - डॉ. कृष्णगोपाल मिश्र

नदियाँ पृथ्वी माता के तन की कोशिकाएँ हैं। वे माता वसुन्धरा का अभिषेक कर उसे शस्य-श्यामल बनाती हैं और अपने समीपस्थ क्षेत्रों को अपार सौंदर्य प्रदान करती हैं। नदियाँ आर्थिक-विकास का प्रमुख साधन हैं और सांस्कृतिक चेतना की संवाहक भी हैं। मानव-सभ्यता की विकास-यात्रा का समारंभ नदियों के तट से ही हुआ है। अतः नदियों को विश्व के सभी देशों में महत्व प्राप्त है। प्राचीन मिस्र में नील नदी की पूजा होती थी। ब्रिटेन में टेम्स नदी को फादर टेम्स कहकर पुकारा जाता है। भारत में तो नदियों को देवी-देवता के रुप में ही स्वीकार कर लिया गया। विश्व के आदि ग्रंथ ऋग्वेद में नदी-देवता का स्पष्ट उल्लेख है। भारतीय-समाज में वैदिक युग से लेकर आज तक नदियाँ सर्वत्र समादृत व पूजित रहीं हैं। भारत में पूजी जाने वाली नदियों में नर्मदा का स्थान प्रधान है। नर्मदा पश्चिम की ओर बहने वाली देश की सबसे बड़ी नदी है। मेकल पर्वत श्रेणियों से निकल कर नर्मदा विंध्याचल और सतपुड़ा पर्वतमालाओं के मध्य सँकरी घाटियों से होकर पश्चिम-दिशा की ओर बहती है। यह अपने उद्गम-स्थल अमरकण्टक (22,40°उ.,8045° पू.) से प्रारंभ होकर भृगुकच्छ(भड़ौंच 21,43° उ.,72,57°पू.) के निकट खम्भात की खाड़ी में अरब सागर में गिरती है। इसकी कुल लम्बाई 1310 कि.मी. तथा अपवाह क्षेत्र 98800 वर्ग कि.मी. है। पद्मपुराण में इसकी लम्बाई सौ योजन से कुछ अधिक व चैड़ाई दो योजन बताई गई है। इसके जलग्रहण क्षेत्र में मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र की सीमाएँ आती हैं। नर्मदा के कुल जलग्रहण क्षेत्र का 89.8 प्रतिशत भाग मध्यप्रदेश में, 8.5 प्रतिशत भाग गुजरात में तथा शेष 1.7 प्रतिशत भाग महाराष्ट्र राज्य में है। इसकी सीमा में कुल 25 जिलों के अंश सम्मिलित हैं, जिनमें से 20 जिले मध्यप्रदेश के, 4 गुजरात के और एक महाराष्ट्र का है। इस महत्वपूर्ण नदी का वार्षिक जल-प्रवाह 42 अरब घनमीटर है। कुल प्रवाह का 90 प्रतिशत भाग जून से सितंबर तक वर्षा ऋतु में बहता है। नर्मदा का उद्गम स्थल मध्यप्रदेश राज्य के शहडोल जिले में स्थित मैकल पर्वत श्रेणी की अमरकण्टक पहाड़ी है, जो समुद्र की सतह से लगभग 3500 फीट ऊँची है। नर्मदा का जलस्रोत भूमिगत है। वह माई की बगिया में प्रथम बार बाह्य धरातल पर प्रकट हुई है, किन्तु इसे ही नर्मदा का उद्गम स्थल नहीं कहा जा सकता। माई की बगिया में प्रथम बार दिखाई देने के पश्चात वह पुनः लुप्त हो जाती है और तत्पश्चात नर्मदा कुण्ड में पुनः प्रकट होती है। इससे सुस्पष्ट है कि अमरकण्टक के अन्तस्थ अनेक स्रोत मिलकर नर्मदा की धारा को जन्म देते हैं और उसे पुष्ट करते हैं। धरातल के गर्भ में निहित ये समस्त स्रोत नर्मदा के उद्गम-बिन्दु हैं। नर्मदा के भौतिक महत्त्व से अधिक उसका धार्मिक महत्त्व है। पुराण-साहित्य में नर्मदा को कल्याण-कारिणी देवी के रूप में प्रस्तुत किया गया है। वे सरस्वती और लक्ष्मी के समान ही चतुर्भुजी हैं। उनके कर-कमल में वीणा सुशोभित है। उनका वर्ण नील-कमल के समान है और वे भूरे रंग के मकर की पीठ पर कमलासन में विराजमान हैं। पौराणिक-साहित्य में नर्मदा को गंगा से भी अधिक महत्त्व प्राप्त है। उनके अवतरण की अनेक कथाएँ विविध पुराणों में सुलभ हैं। स्कंदपुराण में उनके अवतरण की कल्पभेद से तीन कथाएँ वर्णित हैं। इस पुराण के अनुसार नर्मदा का प्रथम अवतरण आदि कल्प के सतयुग में राजा हिरण्यतेजा के तप से हुआ। इस कथा में हिरण्यतेजा ने नदी-रहित पृथ्वी पर धार्मिक कार्यों के संपादन के लिए शिव की तपस्या करके उदयाचल पर नर्मदा की धारा को उतारा। दूसरा अवतरण दक्ष सावर्णि-मन्वन्तर में भगवान शिव के शरीर से निसृत, स्वेद बिंदुओं से हुआ और तीसरा अवतरण वैष्णव मन्वन्तर में राजा पुरूरवा के तप के परिणाम-स्वरूप हुआ। इसमें नर्मदा की धारा को विंध्याचल के पुत्र पर्यक ने अपने शिखर पर धारण किया। इन कथाओं में राजा हिरण्यतेजा और राजा पुरूतवा की कथाएँ लगभग समान हैं। इनके अतिरिक्त पुराणों में नर्मदाजी के जन्म की अनेक अन्य कथाएँ भी वर्णित हैं, जिनमें से दो विशेष रूप से प्रख्यात हैं। प्रथम कथा के अनुसार जब भगवान शंकर, अन्धकासुर का वध करके प्रसन्न भाव से मेकल पर्वत पर सुखसीन थे तब करूणार्द्र होने के कारण उनके भाल पर विराजित सोमकला से एक बूँद पृथ्वी पर झरी। पृथ्वी का स्पर्श पाते ही वह एक सुंदरी कन्या के रूप में परिणत हो गई -

''**नीलोत्पल दल श्यामा सर्वावयव सुन्दरी**–सुद्विजा सुमुखी बाला सर्वाभरण-भूषिता।'' इस प्रकार नीलोत्पल-वर्णा, सर्वांग-सुन्दरी तथा सर्वालंकारालंकृता वह चारूवदना कन्या शिव से वरदान पाकर नर्मदा माँ के रूप में लोक-विख्यात हुई। दूसरी कथा के अनुसार कभी ब्रह्मा के नेत्रों से दो अश्रु झरे, जिनमें से प्रथम नर्मदा नदी के रूप में और दूसरा शोण नदी के रूप में धरती पर प्रवाहित हुआ।

माता नर्मदा की जन्मकथाओं के आधार पर पुराणकारों ने उनके अनेक नामों की चर्चा की है। इनमें से पन्द्रह नाम प्रमुख हैं -नर्मदा, त्रिकूटा, दक्षिण गंगा, महती, सुरसा, कृपा, मंदाकिनी, महार्णवा, रेवा, करभा, रंजना, विपादा, विपाशा, विमला, एवं वायुवाहिनी। इन नामों के अतिरिक्त इन्हें शिव की कला होने के कारण मेकला, मेकल पर्वत के शिखर पर उतरने के कारण मेकलसुता, रूद्र देह से प्रकट होने के कारण रूद्र-देहा, शिवतनया, शांकरी, शिवकण्डोदरी, इंदुजा, जटाशंकरी, शिवसुता आदि संज्ञाओं से भी पुकारा जाता है। इन समस्त नामों में नर्मदा और रेवा नाम सर्वाधिक प्रख्यात हैं। कभी क्षय न होने के कारण और सुख प्रदायिका होने के कारण नर्मदा नाम सर्वथा सार्थक है। कलरव करते हुए बहने के कारण रेवा संज्ञा भी अर्थपूर्ण है।

पुराणों में नर्मदा की महिमा का सविस्तार वर्णन हुआ है। कूर्मपुराण में नर्मदा को गंगा से भी श्रेष्ठ बताया गया है -

''पुण्या कनखले गंगा कुरूक्षेत्रे सरस्वती
ग्रामे वा यदि वारण्ये पुण्या सर्वत्र नर्मदा।

त्रिभिः सारस्वतं तोयं सप्ताहेन तु यामुनम्
सद्यः पुनाति गांगेय दर्शनादेव नार्मदम्।''

मत्स्यपुराण के अनुसार अमृतवाहिनी नर्मदा अमर हैं। प्रलयकाल में भी उनका नाश नहीं होता है -

''नर्मदा च नदी पुण्या मार्कण्डेयो महानृषिः
भवो वेदा पुराणानि विद्याभिः सर्वतो वृतम्।
त्वया सार्थमिदं विश्व स्थास्यति अन्तर संक्षये
एवमेकार्णवे जाते चाक्षुषान्तर संक्षये।''

पद्मपुराण में वर्णित महर्षि वशिष्ठ के अनुसार नर्मदा के तट पर जाकर देवताओं व पितरों का तर्पण करने से अग्निष्टोम यज्ञ का फल मिलता है। स्कंदपुराण के अनुसार नर्मदाजल में गिरने वाले तृण-पत्र तक शिवरूप बन जाते हैं। इस पवित्र नदी के तट पर एक रात-दिन उपवास करने से मनुष्य ब्रह्महत्या के पाप से मुक्त हो जाता है। इस प्रकार पुराणों में नर्मदा की महिमा सर्वत्र वर्णित है।

नर्मदा के पुण्यतट पर असंख्य तीर्थस्थल स्थित हैं। पद्मपुराण में अमरकंटक पर्वत के चारों ओर साठ करोड़ साठ हजार तीर्थों की स्थिति बताई गई है। इनमें से पत्रेश्वर, अंगारेश्वर, कुण्डलेश्वर, विमलेश्वर, पिपलेश्वर, पुष्करिणी, शूलभद्र, भीमेश्वर, नर्मदेश्वर, आदित्येश्वर, मल्लिकेश्वर, वरूणेश्वर, नीराजेश्वर, कोटितीर्थ, शक्रतीर्थ, सोमतीर्थ आदि प्रमुख हैं। इन तीर्थों के दर्शन से अक्षय-पुण्य की प्राप्ति होती है। मध्यप्रदेश में इन्दौर के निकट नर्मदा के तट पर ओंकारेश्वर का प्रसिद्ध तीर्थ है, जो शिव के बारह प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंगों में एक है। इनके दर्शन के लिए नर्मदा की प्रदक्षिणा का पौराणिक विधान है, जो सांस्कृतिक दृष्टि से विशेष महत्त्व का है। नर्मदा प्रदक्षिणा का मार्ग 1780 मील लंबा है। यह प्रदक्षिणा अमरकंटक अथवा हंडिया से प्रारंभ होती है। इसे पूर्ण करने में 108 दिन से लेकर तीन वर्ष, तीन मास व तेरह दिन तक का समय लगता है।

रेनबो कैपटलिज्म : पूंजीवाद का उभरता नया स्वरूप

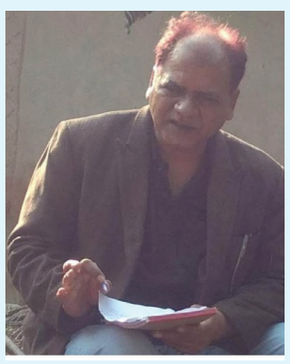

राजेश पाठक

रेनबो कैपटलिज्म जिसे इंद्रधनुष पूंजीवाद भी कहा जाता है,एक ऐसी अवधारणा है जो बताती है कि कैसे व्यवसायी वर्ग एलजीबीटीक्यू+ समुदाय की पहचान और आंदोलनों का व्यावसायीकरण करते हैं। यह समुदाय की भावनाओं और संघर्षों का शोषण करके मुनाफा कमाने का एक तरीका बन गया है।

मुख्य बिंदु:

व्यावसायिक शोषण: - कंपनियाँ एलजीबीटीक्यू+ समुदाय की पहचान और प्रतीकों का उपयोग करके उत्पाद बेचती हैं और मुनाफा कमाती हैं। - यह समुदाय के अधिकारों और समानता के संघर्ष को एक व्यावसायिक अवसर में बदल देता है।

प्रतीकात्मक समर्थन: - कंपनियाँ प्राइड मंथ के दौरान रेनबो रंग के लोगो और समर्थन के बयान जारी करती हैं, लेकिन वर्ष के बाकी समय में उनका समर्थन अक्सर गायब हो जाता है। - यह समर्थन अक्सर वास्तविक नहीं होता और केवल एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जाता है।

असमानता और बहिष्कार: - रेनबो पूंजीवाद अक्सर उन लोगों को बाहर कर देता है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं या जो अपनी पहचान के कारण भेदभाव का सामना करते हैं। - यह केवल उन लोगों का समर्थन करता है जो आर्थिक रूप से सक्षम हैं और उनके लिए 'एलायशिप' एक स्टेटस सिंबल बन जाता है।

कर्मचारी अनुभव: - कई 'क्वीर फ्रेंडली' कंपनियों में एलजीबीटीक्यू+ कर्मचारियों के साथ भेदभाव होता है और उन्हें अपनी वास्तविक पहचान छिपाने के लिए मजबूर किया जाता है। - कार्यस्थल पर उत्पीड़न के खिलाफ सख्त कार्रवाई की कमी होती है।

उदाहरण:

एडिडास: प्राइड मंथ के दौरान रेनबो मर्चेंडाइज बेचता है, लेकिन 2018 में रूस में आयोजित विश्व कप का प्रमुख प्रायोजक था, जहाँ एलजीबीटीक्यू+ विरोधी कानून थे।

टार्गेट: प्राइड कलेक्शन बनाता है और गल्शेन को दान देता है, लेकिन यह दान की गई राशि उनके मुनाफे के मुकाबले बहुत कम है।

डिज्नी: प्राइड से संबंधित उत्पाद बेचता है लेकिन अपने शो में ओवर एलजीबीटीक्यू+ संबंधों को दिखाने से बचता है।

क्या है प्राइड मंथ? प्राइड मंथ (गौरव माह) हर साल जून में मनाया जाता है, जो एलजीबीटीक्यू+ समुदाय (लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल, ट्रांसजेंडर, क्वीर और अन्य) के गौरव, संस्कृति और अधिकारों का उत्सव है। यह 1969 के स्टोनवॉल विद्रोह की याद में मनाया जाता है, जिसे एलजीबीटीक्यू+ अधिकार आंदोलन के लिए एक महत्वपूर्ण घटना माना जाता है। इस दौरान, दुनिया भर में परेड, पार्टियाँ और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनका उद्देश्य समुदाय की उपलब्धियों का जश्न मनाना और समानता के लिए चल रही लड़ाई को उजागर करना है। प्राइड मंथ एलजीबीटीक्यू+ समुदाय के सदस्यों को अपनी पहचान का जश्न मनाने का एक अवसर प्रदान करता है। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: यह जून 1969 के न्यूयॉर्क शहर के स्टोनवॉल इन में हुए विद्रोह की स्मृति में है, जो पुलिस द्वारा एक समलैंगिक बार पर छापे के बाद हुआ था। यह महीना समानता और न्याय के लिए चल रहे संघर्ष को भी समर्पित है, क्योंकि एलजीबीटीक्यू+ समुदाय को अभी भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इस दौरान परेड, संगीत कार्यक्रम, पार्टियाँ और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें दुनिया भर के लोग शामिल होते हैं। कंपनियां और संगठन भी विशेष कार्यक्रम आयोजित करके और जागरूकता बढ़ाकर इस समुदाय के प्रति अपना समर्थन प्रदर्शित करते हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि रेनबो पूंजीवाद एक ऐसा तरीका है जिससे व्यवसायी वर्ग एलजीबीटीक्यू+ समुदाय का शोषण करते हैं और इसे व्यावसायिक लाभ में बदलते हैं। वास्तविक समर्थन के लिए, व्यवसायों को केवल प्रतीकात्मक समर्थन से आगे बढ़कर सार्थक और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता दिखानी चाहिए। एलजीबीटीक्यू+ समुदाय के अधिकारों और समानता के लिए वास्तविक प्रयास करने की जरूरत है, न कि केवल एक मार्केटिंग रणनीति के रूप में इसका उपयोग करने की।

(लेखक झारखंड सरकार के योजना एवं विकास विभाग में सांख्यिकी अधिकारी हैं)

टी-20 वर्ल्डकप में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड खेलेगा

बोर्ड ने डेडलाइन तक जवाब नहीं दिया; आईसीसी ने स्कॉटिश बोर्ड से बात की

दुबई (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर बांग्लादेश की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं और अब उसका टूर्नामेंट से बाहर होना लगभग तय माना जा रहा है। आईसीसी कुछ देर में इसका अधिकृत ऐलान कर सकता है। उसने स्कॉटलैंड क्रिकेट बोर्ड से बात की है और वर्ल्ड कप खेलने के लिए तैयार रहने को कहा है। भारत में मैच खेलने के आईसीसी के फैसले के खिलाफ बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने डिस्प्यूट रिजोल्यूशन कमेटी (डीआरसी) में जो अपील की थी, उस पर सुनवाई की गुंजाइश नहीं है, क्योंकि यह मामला समिति के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। मीडिया सूत्रों के अनुसार बीसीबी ने सभी कानूनी विकल्प आजमाने के इरादे से यह अपील दायर की थी, लेकिन नियमों के चलते उसे कोई राहत नहीं मिलने वाली।बोर्ड का कहना है कि यदि यहां से भी मामला खारिज होता है, तो आखिरी रास्ता कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट (सीएएस) ही बचेगा। उधर, आईसीसी की ओर से दी गई 24 घंटे की समय-सीमा के भीतर बांग्लादेश की तरफ से कोई आधिकारिक जवाब नहीं आया, जिससे स्थिति और साफ हो गई।

हम वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं

बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने गुरुवार को नेशनल टीम के खिलाड़ियों के साथ ढाका में बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने कहा, हम वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं, लेकिन भारत में हमारे खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की सुरक्षा को लेकर चिंता अब भी बनी हुई है।

रेप केस में क्रिकेटर यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक

- **हाईकोर्ट ने आरसीबी के बॉलर को 30 जनवरी तक थाने में पेश होने को कहा**

जयपुर (एजेंसी)। रेप के आरोपी आईपीएल चैंपियन आरसीबी के तेज गेंदबाज यश दयाल की गिरफ्तारी पर राजस्थान हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। जस्टिस गणेशराम मीणा की अदालत ने शुक्रवार को क्रिकेटर की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि 30 जनवरी तक जयपुर के सांगानेर थाने में जांच अधिकारी के सामने पेश हों।

केस डायरी के साथ जांच अधिकारी कोर्ट में रहे मौजूद – यश के वकील चंद्रशेखर शर्मा ने बताया- पिछली सुनवाई में कोर्ट ने केस डायरी के साथ जांच अधिकारी (आईओए) को बुलाया था। जांच अधिकारी कोर्ट में मौजूद थे। कोर्ट में बताया कि मामले में दो साल की देरी से एफआईआर दर्ज करवाई गई है। हम जांच में सहयोग करने के लिए तैयार हैं। इस पर कोर्ट ने गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी।

बता दें कि पास्को कोर्ट से अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद यश दयाल ने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है।

नाओमी ओसाका ऑस्ट्रेलियन ओपन से बाहर, नाम वापस लिया

बोलीं- शरीर को ध्यान देने की जरूरत; सिनर, कीज और अनिसिमोवा जीते

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियन ओपन की दो बार की चैंपियन नाओमी ओसाका ने तीसरे राउंड से पहले टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। वह शनिवार को ऑस्ट्रेलिया की क्वालिफायर मैडिसन इंग्लिस के खिलाफ खेलने वाली थीं। ओसाका ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी, लेकिन चोट के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। इंस्टाग्राम पोस्ट में ओसाका ने लिखा कि पिछले मैच के बाद उनके शरीर को ध्यान देने की जरूरत है, इसलिए उन्हें हटने का फैसला लेना पड़ा। उन्होंने कहा, मैं आगे खेलना चाहती थी और यह रन मेरे लिए बहुत मायने रखता था। यहां रुकना दिल तोड़ने वाला है, लेकिन कोर्ट पर लौटने के लिए मैं किसी और नुकसान का जोखिम नहीं ले सकती।

सिनर का लगातार 25 सेट जीतने का रिकॉर्ड टूटा – मेलबर्न में चल रहे ऑस्ट्रेलियन ओपन में दूसरे सीड और इटली के स्टार खिलाड़ी यानिक सिनर ने वर्ल्ड रैंकिंग में 85वें नंबर के अमेरिकी खिलाड़ी इलियट स्पिजरी को तीन सेट के खेल में हराया। यहां अमेरिकी खिलाड़ी ने शानदार खेल दिखाते हुए सिनर को पहले सेट में 6-4 से हरा दिया। सिनर ने लगातार 25 सेट जीतने का रिकॉर्ड बनाया था। फिर सिनर ने

वापसी करते हुए अगले तीन सेट 6-3, 6-4, 6-4 से जीत हासिल की।

डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज की आसान जीत – महिला सिंगल्स में डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज का शानदार फॉर्म जारी है। उन्होंने चेक रिपब्लिक की कैरोलिना प्लिस्कोवा को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हरा दिया। कीज ने अपनी दमदार सर्विस और बेसलाइन गेम के दम पर यह मुकाबला महज दो सेटों में खत्म कर दिया। अब चौथे दौर में उनका मुकाबला अपनी ही हमवतन और दोस्त जेसिका पेगुला से होगा।

- **दोस्त और पॉडकास्ट पार्टनर के बीच होगा मुकाबला** – मैडिसन कीज और छठी सीड जेसिका पेगुला कोर्ट के बाहर काफी अच्छे दोस्त हैं। दोनों मिलकर एक टेनिस पॉडकास्ट भी चलाते हैं। कीज ने जीत के बाद मजाकिया अंदाज में कहा कि मैच से पहले उन्हें एक पॉडकास्ट रिकॉर्ड करना है, लेकिन कोर्ट पर यह दोस्ती किनारे रहेगी। गर्मी पर बात करते हुए फ्लोरिडा की रहने वाली कीज ने कहा कि उन्हें इस तापमान में खेलने में कोई दिक्कत नहीं है।
- **अमांडा अनिसिमोवा भी अंतिम-16 में पहुंचीं** – एक अन्य मुकाबले में चौथी सीड अमांडा अनिसिमोवा ने हमवतन पेटन स्टर्न्स को 6-1, 6-4 से मात दी। इस जीत के साथ ही अंतिम-16 में चार अमेरिकी महिलाओं ने जगह बना ली है,जो अमेरिकी टेनिस के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। अनिसिमोवा ने पूरे मैच के दौरान अपना दबदबा बनाए रखा और खिताब के लिए अपनी दावेदारी मजबूत की।

सनराइजर्स ईस्टर्न केप चौथी बार एसए20 के फाइनल में

आज प्रिटोरिया कैपिटल्स से होगा खिताबी मुकाबला

केपटाउन (एजेंसी)। क्वालिफायर-2 में पार्ल रॉयल्स को 7 विकेट से हराया, अब प्रिटोरिया कैपिटल्स से होगा खिताबी मुकाबला सनराइजर्स ईस्टर्न केप (एसईसी) ने साउथ अफ्रीका टी-20 लीग (एस20) के फाइनल में जगह बना ली है। शुक्रवार को खेले गए क्वालिफायर-2 के मुकाबले में सनराइजर्स ने पार्ल रॉयल्स को 7 विकेट से शिकस्त दी। सनराइजर्स की टीम 2023 में लीग की शुरुआत से अब तक लगातार चार सीजन में चौथी बार फाइनल में पहुंची है। अब रविवार को केप टाउन में होने वाले खिताबी मुकाबले में सनराइजर्स का सामना प्रिटोरिया कैपिटल्स से होगा। क्वालिफायर-1 में प्रिटोरिया ने ही सनराइजर्स को हराया था।

पार्ल रॉयल्स 114 रन ही बना सकी – पॉल रॉयल्स की टीम वांडरर्स की सूखी पिच पर 114 रन ही बना सकी। सनराइजर्स के स्पिनर्स ने पार्ल रॉयल्स के बल्लेबाजों को टिकने का मौका नहीं दिया। पिच पर काफी टर्न और असमान उछाल था, जिसका फायदा उठाते हुए लेफ्ट आर्म स्पिनर सेनुरन मुथुसामी ने 4 ओवर में मात्र 15 रन देकर 3 विकेट झटके। वहीं, जेम्स कोल्स ने भी कसी हुई गेंदबाजी करते हुए 15 रन देकर 1 विकेट लिया, जिसमें एक मेडन ओवर भी शामिल था। पार्ल रॉयल्स के कप्तान डेविड मिलर चोट की वजह से इस मैच में नहीं खेल सके थे।

काइल वेरेन नाबाद 52 रन बनाए

काइल वेरेन नेअकेले दम पर पॉल रॉयल्स का स्कोर 100 के पार पहुंचाया। पार्ल रॉयल्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था, लेकिन उनकी शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पावरप्ले में ही अपने टॉप ऑर्डर के विकेट गंवा दिए। विकेटकीपर-बल्लेबाज काइल वेरेन ने एक छोर संभाले रखा और 46 गेंदों पर नाबाद 52 रनों की पारी खेली। वेरेन ने अपनी पारी में स्पिनर्स के खिलाफ संभलकर खेला और तेज गेंदबाजों पर रन बटोरे। उनकी इसी मेहनत की बदौलत टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 114 रन तक पहुंच पाई।

जेम्स कोल्स का ऑलराउंड खेल

गेंदबाजी में किफायती रहने वाले जेम्स कोल्स ने बल्लेबाजी में भी अपना दम दिखाया। उन्होंने मात्र 19 गेंदों पर 45 रनों की नाबाद पारी खेलकर मैच को एकतरफा कर दिया। कोल्स ने पार्ट-टाइम गेंदबाजों के खिलाफ जमकर रन बनाए और 12वें ओवर में ही छक्का मारकर अपनी टीम को जीत दिला दी। सनराइजर्स ने यह लक्ष्य 50 गेंदें शेष रहते ही हासिल कर लिया।

2 कंपनियों के आ रहे हैं आईपीओ, सेबी की मिली मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दो और कंपनियों का आईपीओ दस्तक देने जा रहा है। साई पैरेंट्रल लिमिटेड और हेला इंफ्रा मार्केट ने आईपीओ के लिए आवेदन किया था। सेबी की तरफ से इन दोनों कंपनियों को आईपीओ लाने की मंजूरी मिल गई है। तेलंगाना की कंपनी साई पैरेंट्रल लिमिटेड ने 30 सितंबर 2025 को आईपीओ के लिए आवेदन किया था। ड्राफ्ट के अनुसार इस आईपीओ में 285 करोड़ रुपये का फ्रेश शेयर और 3500000 शेयर ऑफर फार सेल के जरिए जारी किए जाएंगे। विकास इंडिया ईआईएफ-द्ध, तिलोकचंद पूनमचंद ओस्टवाल, देवेंद्र चावला, भंवर लाल चंडक, श्रीलेखा, पद्मा, विजय गोंडी, आइडिया एंड जर्नी प्राइवेट लिमिटेड सहित कई मौजूदा निवेशक अपनी हिस्सेदारी को आईपीओ के जरिए कम करेंगे। हेला इन्फ्रा मार्केट ने सेबी के पास कॉन्फिडेंशियल रुट के जरिए सेबी के पास आवदेन किया गया है। जिसकी वजह से पब्लिक में डीटेल्स सामने नहीं आए हैं। कंपनी आईपीओ से जुटाए पैसे में से 100 करोड़ रुपये का उपयोग अपने क्षमता के विस्तार और मैन्युफैक्चरिंग सेंटर को विकसित करने के लिए करेगी। 18 करोड़ रुपये का उपयोग रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 20 करोड़ रुपये मौजूदा बकाया और 33.30 करोड़ रुपेय का प्रयोग वर्किंग कैपिटल के किया जाएगा। 36 करोड़ रुपये कंपनी अपनी सब्सिडियरी में निवेश के लिए करेगी।

टैरिफ संकट के बीच केंद्र का बड़ा दांव, 2035 तक निर्यात तीन गुना करने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक अनिश्चितता और उच्च टैरिफ संकट के बीच भारत भारी खर्च करने के बजाय रणनीतिक बदलावों के जरिये विनिर्माण को बढ़ावा देकर 2035 तक देश के निर्यात को तीन गुना करने की योजना बना रहा है। दो सरकारी अधिकारियों ने बताया, इसके लिए प्रधानमंत्री की तीसरी ऐसी कोशिश में देश 15 क्षेत्रों में विनिर्माण को प्राथमिकता दे रहा है, जिसमें हाई-एंड सेमीकंडक्टर, मेटल और श्रम आधारित लेदर इंडस्ट्री शामिल हैं। इसका मकसद भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ाना और माल निर्यात को सालाना 1.3 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचाना है। दरअसल, मोदी सरकार जीडीपी में विनिर्माण का हिस्सा दोगुना कर 25 फीसदी करने में दो बार नाकाम रही है। पहला...2014 में मेक इन इंडिया अभियान के जरिये और दूसरा... 2020 में 23 अरब डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज के साथ। नीति निर्माताओं में शामिल एक अधिकारी ने बताया, पिछले कुछ वर्षों में सरकार की कई पहलों के बावजूद विनिर्माण में धीमी वृद्धि देखने को मिली है।

अप्रैल के बाद हर महीने ऑटोमैटिक बदलेगा आपका बिजली का बिल, लगेगा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार की नई नीति से बिजली उपभोक्ताओं को झटका लग सकता है। देश में अगले वित्तीय वर्ष (2026-27) से बिजली का बिल हर साल ऑटोमैटिक तरीके से बढ़ सकता है। केंद्र सरकार ने बुधवार को जारी नई राष्ट्रीय विद्युत नीति (एनईपी) के मसौदे में इंडेक्स-लिंक्ड टैरिफ व्यवस्था का प्रस्ताव दिया है।

नए मसौदे के अनुसार, अगर राज्य नियामक आयोग समय पर टैरिफ तय नहीं करते हैं, तो एक तय फॉर्मूले के आधार पर बिजली की दरें अपने आप बढ़ जाएंगी। बता दें, अभी तक राज्यों में राजनीतिक कारणों से बिजली की दरें कई सालों तक नहीं बढ़ती थीं। गौरतलब है कि बिजली (संशोधन) विधेयक का मसौदा संसद के आगामी बजट सत्र में पेश किए जाने की संभावना है। इसमें बिजली क्षेत्र में सब्सिडी में धीरे-धीरे कमी करने का भी प्रस्ताव है।

खरीद लागत में उतार-चढ़ाव- मसौदे में कहा गया कि बिजली वितरण कंपनियों द्वारा बिजली खरीदने की लागत में होने वाली वृद्धि का ब्योरा हर महीने उपभोक्ताओं को दिया जाना चाहिए। मंत्रालय ने बिजली खरीद लागत में उतार-चढ़ाव को प्रबंधित करने के लिए स्थिरीकरण कोष स्थापित करने की सिफारिश की है। यानी उपभोक्ताओं के हर महीने बिल और भी ज्यादा हो सकते हैं। सरकार ने इस ड्राफ्ट पॉलिसी पर सभी हितधारकों से 30 दिनों के भीतर जवाब मांगा है।

मसौदा नीति में कहा गया कि वित्त वर्ष 2026-27 से आयोगों को ऐसी कीमतें तय करनी होंगी, जो बिजली बनाने और पहुंचाने की पूरी लागत को उसी समय वसूल सकें। अब बाद में शुल्क देने वाली स्थिति को खत्म किया जाएगा। इसके अलावा, बिजली की कीमतों को अब एक सूचकांक (जैसे महंगाई दर) से जोड़ा जाना चाहिए। गौरतलब है कि 10 साल बाद पहली बार वित्त वर्ष 2025 में कंपनियों ने 2,700 करोड़ रुपये का फायदा कमाया है क्योंकि पहले बिजली कंपनियों को हर यूनिट पर 48 पैसे का घाटा होता था, जो अब घटकर सिर्फ 6 पैसे रह गया है यानी लागत और कमाई के बीच का अंतर कम हुआ है।

कंपनियों का तीन लाख करोड़ रुपये का बकाया- दरअसल, देश में बिजली की कीमतें तय करने का काम एसईआरसी द्वारा किया जाता है, लेकिन अक्सर राजनीतिक कारणों से आयोग बिजली की कीमतें नहीं बढ़ाते, जिससे बिजली कंपनियों का खर्च बढ़ जाता है और भारी घाटे में रहती हैं। बता दें, वर्तमान में बिजली कंपनियों का सरकार पर तीन लाख करोड़ रुपये का बकाया है।

2032 तक दोगुनी होगी मांग- भारतीय उद्योग दुनिया में सबसे महंगी बिजली खरीदते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उद्योगों से ज्यादा पैसे लेकर किसानों और आम घरों को सस्ती बिजली (सब्सिडी) दी जाती है। देश की 45 फीसदी बिजली इन्हीं दो क्षेत्रों में खर्च होती है। अभी भारत की बिजली पैदा करने की क्षमता 509 गीगावॉट है। हर साल मांग चार प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रही है और 2032 तक इसके दोगुना होने की उम्मीद है।

आम उपभोक्ता पर क्या पड़ेगा असर

इस नीति का सबसे सीधा असर घरेलू और कृषि उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है। आंकड़ों के अनुसार, देश की करीब 45 प्रतिशत बिजली खपत इन्हीं वर्गों से आती है। अभी औसतन बिजली सप्लाई की लागत करीब 6.8 रुपये प्रति यूनिट है, जबकि कई राज्यों में उपभोक्ता इससे कम कीमत चुकाते हैं। नया सिस्टम लागू होने पर यह अंतर धीरे-धीरे खत्म किया जाएगा।

इसका मतलब है कि हर साल बिजली के बिल में कुछ न कुछ बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। नीति में यह भी संकेत दिया गया है कि बिजली खरीद की लागत में अगर महीने-दर-महीने बदलाव होता है, तो उसका असर सीधे उपभोक्ता के बिल पर डाला जा सकता है।

विशेषज्ञों की राय

भारत के पूर्व विद्युत सचिव अनिल राजदान ने कहा कि प्रस्ताव के कार्यान्वयन के लिए एसईआरसी को सूचकांक का फार्मूला तैयार करना होगा। उनके मुताबिक, टैरिफ अब नियामक आयोगों के अधिकार क्षेत्र में है। मौजूदा नियामक तंत्र को यह देखना होगा कि सूचकांक आधारित तंत्र कैसे काम करता है। वहीं अखिल भारतीय डिस्कॉम एसोसिएशन (एआईडीए) के महानिदेशक आलोक कुमार ने टैरिफ निर्धारण के लिए आरपीआई-एक्स आधारित फार्मूले का सुझाव दिया और कहा कि इसके कार्यान्वयन के लगभग पांच साल बाद इसके प्रभाव और लाभों की समीक्षा करने की जरूरत है।

ड्रोन बनाने वाली कंपनी के शेयर करीब 8 प्रतिशत टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। ड्रोन बनाने वाली चर्चित कंपनी आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी के शेयरों में शुक्रवार को करीब 8 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। इस गिरावट के पीछे की वजह कंपनी का तिमाही प्रदर्शन है। दिसंबर तिमाही के दौरान कंपनी का कुल घाटा 33.85 करोड़ रुपये रहा है।

क्यों बढ़ा कंपनी का घाटा

घाटा बढ़ने की वज कंपनी के मैटेरियल खर्च बढ़ने की वजह है। आइडिया फोर्ज की बिक्री 76 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, सितंबर तिमाही की तुलना में कंपनी की बिक्री 49 प्रतिशत और सालाना आधार पर 54 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। सितंबर तिमाही में इस कंपनी के पास 164 करोड़ रुपये का काम था। दिसंबर तिमाही में अंत में यह बढ़कर 350.80 करोड़ रुपये रहा था। बता दें, आइडिया फोर्ज नॉन डिफेंस बिजनेस की तरफ भी अपना फोकस बढ़ा रही है।

टैरिफ संकट में भारत-ईयू एफटीए से बदलेगा खेल वैश्विक बाजार में भारत की पकड़ होगी और मजबूत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का यह पिछले चार वर्षों में 9वां व्यापार समझौता होगा, जो यह दिखाता है कि जब वैश्विक व्यापार ज्यादा संरक्षणवादी हो रहा है, तो देश वैश्विक बाजार में अपनी मजबूत जगह बनाने की कोशिश कर रहा है। ईयू के साथ एफटीए कपड़ा और आभूषण जैसे भारतीय उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा दे सकता है, जो अगस्त अंत से लागू 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित हुए हैं।

थिंक टैंक जीटीआरआई का कहना है, भारतीय उत्पादों पर औसत ईयू टैरिफ करीब 3.8 फीसदी है, लेकिन टेक्सटाइल और कपड़ों जैसे लेबर आधारित सेक्टर पर करीब 10 फीसदी ड्यूटी लगती है। यह समझौता 2023 के जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेज के तहत कपड़ों, फार्मास्यूटिकल्स और मशीनरी उत्पादों पर टैरिफ रियायतें वापस लेने के बाद खोई हुई प्रतिस्पर्धा को बहाल करने में मदद करेगा। उच्च टैरिफ के असर को भी कम करेगा। भारतीय पेशेवरों और आईटी सेवाओं के निर्यात के लिए यूरोपीय संघ के दरवाजे खुल सकते हैं। शुल्क कटौती से कारों, मशीनरी, एयरक्राफ्ट और केमिकल के क्षेत्र में मौके खुलेंगे। साथ ही, सबसे तेजी से बढ़ते बड़े बाजार में सेवाओं, खरीद और निवेश तक पहुंच बेहतर होगी।

चीन पर घटेगी यूरोपीय संघ की निर्भरता

ईयू के लिए यह सौदा आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाने और चीन पर निर्भरता कम करने में मददगार होगा। साथ ही, उसे भारत की तेजी से बढ़ती 4.2 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था का भी लाभ मिलेगा। ईयू को 2024-25 में भारत को 60.7 अरब डॉलर के सामान निर्यात पर करीब 9.3 फीसदी का वेटेड-औसत शुल्क देना पड़ा था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)